नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 15
अंक : 25
सोमवार, 04 से 10 अगस्त 2025
मूल्य : 5 रूपए
रू 250 वार्षिक

दिल्ली को फिल्मी हब बनाने को लेकर बेहद गंभीर है रेखा सरकार 03
अमेरिका 32.5 करोड़ डॉलर की रूसी सुपरयाट अमाडिया की कर रहा नीलामी 08

NCR समाचार

39 साल बाद न्यूजीलैंड ने हिलाई रिकार्ड बुक 10
हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
BY C.R.O. TEAM
twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंची प्रियंका चोपड़ा 12

देशभर में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार

रक्षाबंधन पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधे प्यार के धागे

नई दिल्ली। भाई-बहन के बीच पवित्र प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार शनिवार को देशभर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। घरों से लेकर चौक-चौराहों तक रक्षाबंधन से जुड़े गीत बजने से पूरा माहौल त्योहारमय हो गया। उधर बाजार में भी सुबह से ही राखी और मिठाइयों की खरीदारी को लेकर भी रौनक रही। बहनों ने भाइयों की कलाई पर प्रेम प्रतीक राखी बांधी। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके दीघार्यु होने की कामना की।

साथ ही भाइयों द्वारा भी अपने बहन को आजीवन रक्षा करने का आशीर्वाद दिया गया। रक्षाबंधन त्योहार को लेकर बाजारों में शनिवार की सुबह से ही लोगों की चहल-पहल देखी गई। महिलाओं में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। सुबह से ही राखी की दुकानें सज गई थी। शनिवार शाम तक लोगों को मिठाइयां व राखी की खरीदारी करते देखा गया। रक्षाबंधन त्योहार पर सड़कें भी गुलजार रहीं। रक्षाबंधन में बाजार भी गुलजार रहा। बहनें अपने भाइयों के लिए राखी और मिठाइयां खरीदती दिखीं। देर शाम तक अपने-बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। दुकानों में भी राखी और मिठाइयों की खरीदारी को लेकर भीड़ रही। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके दीघार्यु होने की कामना की। शनिवार सुबह से ही शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर अपनी रक्षा की कामना की। उससे पहले सुबह स्नान कर बहनों ने विभिन्न मंदिरों में जा कर पूजा अर्चना की। उसके बाद भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। बहनें भाइयों का सबसे पहले तिलक लगा कर आरती उतारी। उसके बाद उन्हें हाथों में रक्षा सूत्र बांधने के साथ बहनों ने भाइयों का मुंह मीठा भी कराया। राखी बांधकर उनके समृद्धि की कामना की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रक्षाबंधन पर बधाई देते हुए कहा कि 'रक्षा बंधन के पावन अवसर पर, मैं भारत और विदेश में रह रहे सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं.'

नन्हीं-नन्हीं बहनों ने बांधी पीएम मोदी की कलाई में राखी

प्रधानमंत्री मोदी के आवास पर दिल्ली के विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने उत्साह और उमंग के साथ हिस्सा लिया। इन छात्राओं ने पीएम मोदी की कलाई पर राखी बांधी और उनके दीघार्यु होने की कामना की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भी बड़ी ही आत्मीयता के साथ सभी छात्राओं का स्वागत किया और उनके साथ समय बिताया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'बेहद खास रक्षाबंधन समारोह की झलकियां। हमारी नारी शक्ति के निरंतर विश्वास और स्नेह के लिए उनका आभार।'

पीएम मोदी के साथ स्कूली बच्चे काफी खुश नजर आए। पीएम मोदी ने सबसे पहले बच्चों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी और उसके बाद बच्चों से बातचीत का सिलसिला शुरू किया।

राहुल गांधी ने दिया खूबसूरत संदेश

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ एक तस्वीर साझा की और भाई-बहन के बीच प्रेम और स्नेह के बंधन को मजबूत करने की कामना की।

दिल्ली के जैतपुर में मंदिर की दीवार गिरने से बड़ा हादसा, 8 की मौत

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। शनिवार सुबह दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर के हरि नगर गांव में दर्दनाक हादसा हुआ, जब एक पुराने मंदिर के पास स्थित समाधि स्थल की करीब 100 फुट लंबी दीवार अचानक भरभराकर ढह गई। दीवार गिरने से पास की झुग्गियों पर मलबा आ गिरा, जिसकी चपेट में आकर मौके पर ही 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन पुरुष, दो महिलाएं, दो लड़कियां और एक बच्चा शामिल हैं। हादसा सुबह लगभग 9:30 बजे के करीब हुआ, जब इलाके में भारी बारिश के चलते अधिकांश लोग अपनी झुग्गियों में ही थे।

घटनास्थल पर अफरातफरी, बचाव कार्य तेज

हादसे की खबर मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुँचीं और बचाव कार्य में लग गईं। मलबे में फंसे सभी आठ लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल ले जाए गए घायल हाशिबुल ने भी बाद में दम तोड़ दिया। फिलहाल पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और सर्च ऑपरेशन जारी है। आसपास की झुग्गियों को ऐहतियात के तौर पर खाली करा दिया गया है, ताकि कोई और बड़ा हादसा न हो.

हादसे की वजह

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मंदिर के पास की दीवार काफी पुरानी थी और लगातार बारिश के दबाव में उसकी नींव कमजोर पड़ गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि उचित रखरखाव और समय पर मरम्मत न होने से यह हादसा हुआ। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में इस तरह के पुराने ढांचे और जर्जर दीवारों की समय-समय पर मॉनिटरिंग नहीं होती, जिससे आमजन की जान जोखिम में रहती है.

स्थानीय नाराजगी और प्रशासनिक प्रतिक्रिया

इस दर्दनाक घटना के बाद क्षेत्रीय निवासी प्रशासन से खासे नाराज नजर आए। उनका कहना है कि इलाके में रह रही झुग्गी बस्ती वर्षों पुरानी है और यहां बारिश के मौसम में ऐसे हादसे की आशंका पहले भी जताई जा चुकी थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में से चार लोग एक ही परिवार के थे और वे सभी कबाड़ व्यवसाय से जुड़े थे। छुट्टी का दिन होने के चलते परिवार के लोग घर पर ही थे।

दिल्ली में जर्जर इमारतों पर फिर सवाल

यह हादसा एक बार फिर दिल्ली की दयनीय नागरिक संरचनाओं और जर्जर इमारतों की सुरक्षा पर सवाल उठा गया है। मानसून के दौरान पिछले कुछ वर्षों में भी ऐसे हादसे बढ़े हैं, जिसमें गरीब तबके को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

चुनाव आयोग का राहुल गांधी को नोटिस-दावों के दस्तावेज जमा कराएं

- राहुल गांधी पिछले काफी समय से चुनाव आयोग पर हमलावर हैं

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दिल्ली में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में किए गए दावों को सत्यापित करने के लिए दस्तावेज जमा कराने को कहा है। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कर्नाटक की ओर से लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस राहुल गांधी की 7 अगस्त की प्रेस वार्ता से संबंधित है।

उल्लेखनीय है कि 07 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर चुनावों में धांधली करने का आरोप लगाया था।इसके समर्थन में कथित तौर पर चुनाव आयोग के ही रिकॉर्ड को आधार बनाया था। राहुल गांधी पिछले काफी समय से चुनाव आयोग पर हमलावर हैं और उस पर वोट चोरी का आरोप लगाते रहे हैं। चुनाव आयोग हर बार उन्हें खारिज करते हुए यह प्रतिक्रिया देता रहा है कि अगर उनके पास इस संबंध में कोई भी साक्ष्य या दस्तावेज है तो वे जमा कराएं।यहां तक कि वे जो कह रहे हैं उसे ही शपथपूर्वक लिखित रूप से शिकायत के रूप में दें। पर राहुल गांधी केवल सार्वजनिक रूप से आरोप लगाते हैं। इसीलिए इस बार चुनाव आयोग ने नोटिस जारी कर उनसे दस्तावेज मांगा है।

राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया था कि चुनाव अधिकारी के रिकॉर्ड के अनुसार शकुन रानी नामक मतदाता ने दो बार मतदान किया। चुनाव आयोग का कहना है कि उसके किसी अधिकारी ने इस प्रकार का दस्तावेज जारी ही नहीं किया है। आयोग का कहना है कि जांच के दौरान शकुन रानी ने स्पष्ट कहा है कि उन्होंने केवल एक ही बार मतदान किया है। साथ ही प्राथमिक जांच में सामने आया है कि टिक मार्क वाला राहुल गांधी की ओर से पेश किया गया दस्तावेज चुनाव अधिकारी की ओर से जारी नहीं किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी से अनुरोध किया है कि शकुन रानी या किसी अन्य ने दो बार मतदान करने के दावे से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करें। नोटिस में कहा गया है कि विस्तृत जांच के लिए इन दस्तावेजों की आवश्यकता है।

चन्दन चौधरी के नेतृत्व में हुआ जनसुवाई कार्यक्रम का आयोजन

एसडीएम ने लिए संगम विहार के लिए बड़े फैसले

कुणाल

दिल्ली: दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार स्थित महफि ल बारात घर में शुक्रवार सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखीं। जनसुनवाई में संगम विहार के विधायक चन्दन चौधरी, निगम पार्षद पंकज गुप्ता, और एसडीएम अनुज भारती विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिले के तमाम विभागों के अधिकारी भी बुलाए गए ताकि वे आमजन की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से सुन सकें और शीघ्र समाधान कर सकें।

जनता द्वारा प्रमुखता से पानी की समस्या, सड़क पर अवैध रूप से खड़ी गाड़ियों के कारण लगने वाला जाम और स्थानीय इलाकों में बढ़ती नशाखोरी को लेकर चिंता जताई गई। एक महिला ने मंदिर के पास स्थित मीट शॉप को लेकर आपत्ति दर्ज कराई, जिसे एसडीएम अनुज भारती ने गंभीरता से लेते हुए समाधान का आश्वासन दिया। विधायक चन्दन चौधरी ने इस मामले में कहा कि चिकन शॉप पर काले शीशे लगाए जाएंगे ताकि धार्मिक भावनाएं आहत न हों।

इसके अलावा, रतिया मार्ग और बत्रा के मंगल बाजार रोड पर लगने वाले जाम की समस्या भी प्रमुख रूप से उठाई गई। विधायक चन्दन चौधरी ने इस संबंध में इल्लीगल पार्किंग को लेकर विभागीय अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने बीट ऑफिसर धर्मेंद्र और अधिकारी हंसराज को फील्ड में लापरवाही के लिए घेरा और त्वरित कार्रवाई की मांग की। एसडीएम अनुज भारती ने सभी समस्याओं को नोट किया और जनता को जल्द से जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र में विपक्ष बेअसर, सरकार ने पास कराए सभी बिल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का तीसरा और इस कार्यकाल का पहला मानसून सत्र शुक्रवार को पांच दिनों की कार्यवाही के बाद संपन्न हुआ। इस दौरान सरकार के लिए सबसे बड़ी राहत यह रही कि विपक्ष कभी भी आक्रामक रूप में सामने नहीं आया, जबकि सत्ता पक्ष ने पूरी मजबूती से अपना एजेंडा आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों तक ने अपने-अपने मुद्दों पर आक्रामक तेवर दिखाए और सरकार सभी तीन प्रस्तावित विधेयकों को पारित कराने में सफल रही।

विपक्ष पर विधानसभा अध्यक्ष की सख्ती

सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने नियमों का कड़ाई से पालन करवाया, जिससे विपक्ष को ज्यादा बोलने का अवसर नहीं मिला। कई मौकों पर अध्यक्ष ने विपक्षी विधायकों को सीधे जवाब देकर शांत कराया। एक मौके पर तो उन्होंने एक विधायक को अनुशासनहीनता के चलते सदन से बाहर भी कर दिया।

'पेपरलेस विधानसभा' पर दुर्लभ सहमति

सत्र के पहले दिन विधानसभा को पूरी तरह पेपरलेस बनाने के प्रस्ताव पर पक्ष और विपक्ष दोनों ने एक स्वर में बधाई दी। खास बात यह रही कि नेता विपक्ष आतिशी ने स्वयं इस कार्य के लिए विधानसभा अध्यक्ष की सराहना करते हुए चर्चा की शुरूआत की। अध्यक्ष ने इसे राजनीति से ऊपर उठकर की गई सकारात्मक पहल बताया। हालांकि कुछ सदस्यों ने चर्चा को राजनीतिक मोड़ देने की कोशिश की, लेकिन अध्यक्ष ने माहौल शांत रखा।

'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' पर गरमाहट

भाजपा विधायक अभय वर्मा द्वारा शुरू की गई चर्चा में शुरूआत में विपक्ष ने भारतीय सेना की प्रशंसा की, लेकिन बाद में बहस के दौरान विपक्षी सदस्य मुद्दे में उलझ गए। इसका लाभ सत्ता पक्ष ने उठाया और उन्हें आतंकवादियों के समर्थन का आरोप झेलना पड़ा। मंत्री कपिल मिश्रा ने सदन में यहां तक कह दिया कि "जब भी कोई आतंकवादी मरता है, आम आदमी पार्टी को दुख होता है।"

शिक्षा विधेयक पर सरकार का पलड़ा भारी

सरकार द्वारा पेश किए गए तीन विधेयकों में सबसे अहम शिक्षा विधेयक था, जिसमें निजी स्कूलों की फीस पर नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष ने इस पर विस्तृत चर्चा करते हुए विपक्ष की हर आपत्ति का जवाब दिया और विधेयक पारित कराने में सफलता पाई।

विपक्ष की न के बराबर मौजूदगी

पिछले दो सत्रों की तुलना में इस बार विपक्ष की मौजूदगी और सक्रियता काफी कम रही। कई वरिष्ठ विधायक सदन में नजर नहीं आए, यहां तक कि पार्टी के पूर्व प्रदेश संयोजक गोपाल राय भी अनुपस्थित रहे।

दिल्ली में बारिश का कहर, 100 से ज्यादा उड़ानों में हुई देरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को मूसलाधार बारिश हुई, जिससे व्यापक जलभराव, यातायात जाम और उड़ानें बाधित हुईं, जिससे रक्षाबंधन का त्यौहारी माहौल फीका पड़ गया।

फ्लाइटराडार के आंकड़ों के अनुसार, खराब मौसम के कारण कम से कम 105 उड़ानें देरी से चलीं। देरी से चलीं उड़ानों में से 13 दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) आने वाली और 92 जाने वाली थीं, जिससे यात्रा कार्यक्रम अस्त-व्यस्त हो गए।

हालांकि बड़े पैमाने पर उड़ानें रद नहीं की गईं, लेकिन एयरलाइंस और हवाईअड्डा अधिकारियों ने यातायात की भीड़ और बारिश से संबंधित देरी के कारण यात्रियों को सावधान करने के लिए सलाह जारी की। इंडिगो और स्पाइसजेट दोनों ने एक्स पर अलर्ट पोस्ट किया।

जिसमें यात्रियों से हवाईअड्डे के लिए जल्दी निकलने और अपनी उड़ान की स्थिति पर नजर रखने का आग्रह किया गया। इस बीच, दिल्ली हवाईअड्डे ने एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि मौसम के बावजूद परिचालन काफी हद तक स्थिर था।

भारतीय मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, दिल्ली में मौसम खराब है। हालांकि, दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें वर्तमान में सामान्य हैं। हमारी ऑन-ग्राउंड टीमें सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही हैं ताकि आपकी यात्रा परेशानी मुक्त रहे।

पंचकुइयां मार्ग, कनॉट प्लेस और मथुरा रोड सहित शहर के कई प्रमुख इलाकों में बारिश हुई, जिससे गंभीर जलभराव हो गया और सड़कों पर जाम लग गया। कई अंडरपास और मुख्य सड़कें जलमग्न होने के कारण यात्रियों को लंबी देरी का सामना करना पड़ा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूरे दिल्ली क्षेत्र के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें मध्यम से भारी बारिश और तीव्र आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है, खासकर पूर्वी और मध्य दिल्ली में पूरे दिन।

हालांकि बारिश से गर्मी से अस्थायी राहत मिली और हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ, लेकिन दैनिक जीवन और छुट्टियों की योजनाओं में व्यापक व्यवधान हुआ, कई निवासियों ने जलमग्न सड़कों और विलंबित यात्राओं के दृश्य सोशल मीडिया पर साझा किए।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने फिर उठी मांग... ऐसा हुआ तो बढ़ेगा जनता का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ वोट चोरी के सबूतों के साथ कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस कर चुनाव आयोग को घेरने का काम किया है, वहीं अनेक पार्टियों और नेताओं ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग फिर से कर दी है। इन सब से बचने और अपने दामन को साफ-पाक बताने के लिए चुनाव आयोने ने भी कदम आगे बढ़ाए हैं।

गौरतलब है कि सांसद राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए गुरुवार को वोट चोरी जैसे सबूतों को मीडिया के सामने रखा है। उन्होंने बताया है कि किस प्रकार से विभिन्न चुनावों में एक खास पार्टी को जीत दिलवाने के लिए वोट चोरी का यह खेल खेला गया है। वहीं इससे पहले शरद पवार की पार्टी एनसीपी-एसपी ने महाराष्ट्र के निकाय चुनाव को बैलेट पेपर से कराए जाने की मांग कर दी है। यही नहीं पार्टी ने निकाय चुनाव में वीवीपैट वाली ईवीएम मशीनों का इस्तेमाल नहीं करने वाले राज्य चुनाव आयोग के फैसले की भी निंदा की है।

शरद पवार गुट का कहना है कि इससे कैसे पता चलेगा कि चुनाव पारदर्शी तरीके से कराए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में बैलेट पेपर से चुनाव करना ही ठीक होगा। एनसीपी-एसपी ने कहा कि यदि वीवीपैट वाली मशीनें उपलब्ध नहीं हैं, तब फिर परंपरागत बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। इससे पारदर्शिता रहेगी और जनता का भरोसा भी चुनावी व्यवस्था पर बना रहेगा। यह पहला मामला नहीं है, बल्कि इससे पहले अनेक चुनावों के दौरान बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग की जाती रही है और चुनाव आयोग इसे खारिज करते हुए चुनाव में होने वाली गड़बड़ी की आशंकाओं को सिरे से खारिज करता आया है। इस संबंध में मौजूदा सरकार भी चुनाव आयोग के फैसले से संतुष्ट रही है।

यहां इस मांग को उठाते हुए शरद पवार गुट के पार्टी नेता राहुल कलाते ने कहा है कि निकाय चुनाव की तैयारी अब तेजी पर है। लेकिन राज्य निर्वाचन आयोग ने हमें निराश किया है। राज्य निर्वाचन आयोग की यह बात झटका देने वाली है कि वीवीपैट मशीनों की कमी है। इससे साफ है कि आयोग नहीं चाहता है कि पारदर्शी तरीके से चुनाव कराए जाएं। ऐसी स्थिति में धांधली होने का भी डर रहेगा। कलाते ने पुणे की चिंचवाड़ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के शंकर जगताप के मुकाबले हार गए थे। यही नहीं इंडिया गठबंधन के एक और दल ने वीवीपैट न इस्तेमाल करने पर नाराजगी जाहिर की है।

वहीं उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह फैसला गलत है। हमारी मांग है कि चुनाव वीवीपैट मशीनों से कराए। वहीं एनसीपी-एसपी का कहना है कि यदि चुनाव आयोग वीवीपैट से चुनाव नहीं करा पा रहा है, तब फिर बैलेट पेपर के पुराने सिस्टम पर ही वापस लौटा जाए। बता दें कि असेंबली इलेक्शन में हार के बाद राहुल ने दोबारा गिनती के लिए अर्जी डाली थी। उनका आरोप था कि काउंटिंग की प्रक्रिया में गड़बड़ी थी। इसी के खिलाफ फॉर्म 17 जमा करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग का रुख किया था। अब एक बार फिर निकाय चुनाव में उन्होंने मोर्चा खोला है। एसनीपी-एसपी का कहना है कि बैलेट पेपर से चुनाव नहीं होने पर चुनाव की कोई विश्वसनीयता नहीं रहेगी।

वोट चोरी के दावों पर राहुल गांधी के समर्थन में उतरे थरूर बोले- समाधान करे चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के साथ अपनी अनबन के चलते सुर्खियां बटोरने वाले सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी के वोट चोरी संबंधी दावों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर प्रश्न है, निर्वाचन आयोग को इसका समाधान करने के लिए तत्काल ही कोई कदम उठाना चाहिए। पिछले काफी समय में यह पहली बार है, जब शशि थरूर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए किसी सवाल या दावे के समर्थन में आए हैं।एक्स पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से जुड़ी एक वीडियो रिपोस्ट करते हुए थरूर ने इसका समर्थन किया। थरूर ने लिखा, यह गंभीर प्रश्न हैं, जिनका सभी दलों और सभी मतदाताओं के हित में गंभीरता से समाधान किया जाना चाहिए। हमारा लोकतंत्र इतना

मूल्यवान है कि इसकी विश्वसनीयता को अक्षमता, लापरवाही या जानबूझकर छेड़छाड़ से नष्ट नहीं होने दिया जा सकता। केरल से कांग्रेस सांसद थरूर ने आगे कहा, निर्वाचन आयोग को तत्काल कदम उठाना चाहिए और आयोग के प्रवक्ता को देश को इस बारे में सूचित करते रहना चाहिए। गौरतलब है कि इंडिया ब्लॉक की डिनर मीटिंग के दौरान राहुल गांधी ने अपने आवास पर वोट चोरी से जुड़ी एक प्रजेंटेशन दी थी। इससे पहले उन्होंने दावा किया था कि कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा में 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी की गई है। उन्होंने चुनाव आयोग से सीधा सवाल करते हुए कहा कि वह भाजपा के साथ मिला हुआ नहीं है तो वह इस बात को साबित करे। राहुल ने महादेव पुरा सीट का हवाला देते हुए कहा कि हमारी तरफ से बार-बार वोटरों का इलेक्ट्रॉनिक डेटा मांगे जाने के बाद भी चुनाव आयोग उसे उपलब्ध कराने में असमर्थ रहा है न ही हमें सीसीटीवी फुटेज दिए जा रहे हैं। इन बातों से स्पष्ट है कि दाल में कुछ काला जरूर है।

मुंबई कबूतरखाने में जारी रहेगी दाना खिलाने पर रोक, बॉम्बे हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सात अगस्त को कबूतरखानों को बंद करने के खिलाफ दायर याचिकाओं को लेकर कोई राहत नहीं दी है। बीएमसी कोर्ट के फैसले में बाधा डालने वाले या नियम तोड़ने वाले लोगों पर कार्रवाई करेगी। कोर्ट का यह फैसला 13 अगस्त तक लागू रहेगा। कोर्ट ने हेरिटेज कबूतर स्थलों को तोड़ने पर लगी रोक को भी बरकरार

रखा है। कोर्ट ने कहा कि कबूतर और इंसान के टकराव से जुड़े स्वास्थ्य मामलों पर एक्सपर्ट्स की राय लेकर राज्य सरकार और बीएमसी को यह विवाद खत्म करना चाहिए। हाईकोर्ट 13 अगस्त को राज्य सरकार द्वारा बनाई जा रही एक्सपर्ट्स कमेटी के नामों पर विचार करेगी। कोर्ट ने कहा कि अगर कमेटी की राय में बीएमसी द्वारा कबूतरों को दाना डालने की जगह को बंद करना सही है, तब एक्सपर्ट्स की राय को माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि पहले के आदेश अभी भी लागू हैं और याचिकाकर्ता चाहें, तब अंतरिम याचिकाएं दायर कर सकते हैं। कोर्ट ने दादर कबूतरखाना ट्रस्ट के वकील अनिल साखरे को यह अनुमति दी कि वे बीएमसी के सामने रोज सुबह 6 से 7 बजे कबूतरों को दाना डालने के लिए समय तय करने का अनुरोध कर सकते हैं। बेंच ने कहा कि उन्होंने सिर्फ बीएमसी की कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार किया है और जब याचिकाकर्ताओं ने बीएमसी की नीति को चुनौती दी थी, तब उन्हें कोई अंतरिम राहत नहीं दी थी।

जिंदा नवजात शिशु पॉलिथीन में मिला, मुस्लिम दंपति ने बचाई जान

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में इंसानियत को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। यहां पॉलीथिन में जिंदा नवजात को पैककर फेंक दिया। पालीथीन को कुत्ता खींचने लगे तब बाइक से जा रहे मुस्लिम दम्पति की नजर पड़ गई। दंपति ने पालीथीन को खोलकर देखा, उनके होश उड़ गए। आनन फानन में दंपति पालीथीन में पैक नवजात को अस्पताल ले गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। गांव कुराना नया बांस निवासी फहीमुद्दीन पत्नी शमीना के साथ औरंगाबाद से वापस आ रहे थे। बीती रात करीब 11 बजे ऐंचाना के बीच सड़क किनारे एक झाड़ी से पॉलीथिन को खींचकर कुत्ता ले जाने का प्रयास कर रहा था। फहीमुद्दीन को कुछ अजीब लगा, तब बाइक रोककर कुत्ते को भगाकर पॉलीथिन के पास पहुंचे। फहीमुद्दीन ने देखा कि पॉलीथीन हिल रही थी। उन्होंने देखा उसमें एक नवजात बच्चा था। दंपति बच्चे को देर रात होने के कारण सबसे पहले डॉक्टर के यहां ले गए। चेकअप करा अपने घर ले आए। उसके बाद सुबह पूर्व प्रधान के जरिए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दंपति को बुलाकर बच्चे को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द करा दिया है। नवजात की आयु एक दो दिन है। लावारिस बच्चा लड़का बताया गया है।

मामले में पुलिस ने बताया ग्राम प्रधान द्वारा सूचना प्राप्त हुई थाने बुलाकर बच्चों को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द करा दिया गया है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह किस व्यक्ति ने ऐसी घटना को अंजाम दिया है।

गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में अब तक पाँच लोगों की मौत

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बुक्का स्ट्रीट के पास गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में पाँच लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट एक कबाड़ की दुकान में हुआ, जहाँ वेल्डिंग सिलेंडर में खराबी आई थी। विस्फोट इतना ज़ोरदार था कि पीड़ितों के शरीर बिखर गए और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में घरेलू गैस सिलेंडर विस्फोट में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। बात दें कि एक वेल्डिंग की दुकान में घरेलू गैस सिलेंडर के फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। सीएम हाऊस के अनुसार, ''मुख्यमंत्री नायडू ने विशाखापट्टनम में फिशिंग हार्बर के पास स्थित वेल्डिंग की दुकान में सिलेंडर विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटना में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये देने का निर्देश दिया। उन्होंने घायल व्यक्तियों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। विशाखापट्टनम की उपायुक्त-2, ने बताया कि विस्फोट में तीन लोग घायल हुए हैं। जबकि दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के बाद देश के हवाई अड्डों पर हाई अलर्ट जारी

हाथरस (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और दुर्गा पूजा (22 सितंबर से 2 अक्टूबर) को देखकर देशभर के सभी हवाई अड्डों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) सहित कई बड़े हवाई अड्डों पर आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने हवाई अड्डों को तीन सुरक्षा परामर्श जारी किए हैं। इसमें सभी हवाई अड्डों, एयरलाइंस, सीआईएसएफ और ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ को तुरंत सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों की जांच और तलाशी बढ़ा दी गई है, जिससे लंबी लाइनें और कड़ा गेट नियंत्रण देखने को मिल सकता है। सभी हवाई अड्डों पर 100 प्रतिशत सीसीटीवी निगरानी और क्यूआरटी द्वारा गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। उड़ानों में सुरक्षा अधिकारी तैनात किए जाएंगे और विमानों की कड़ी तलाशी और जांच की जाएगी। कार्गो की स्क्रीनिंग बढ़ाई जाएगी और ग्राउंड हैंडलिंग कर्मचारियों की भी अतिरिक्त जांच होगी। 5 से 20 अगस्त तक सभी उड़ानों के लिए सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेकिंग (एसएलपीसी) को अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा, दिल्ली-एनसीआर के हवाई अड्डों के आसपास ड्रोन, हेलीकॉप्टर और गैर-निर्धारित उड़ानों की भी विशेष जांच के आदेश दिए गए हैं। यह कदम सुरक्षा के मद्देनज़र उठाया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

उपराष्ट्रपति पद के लिए तीन शख्स ने किया नामांकन... लेकिन हो गया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद अब देशभर में अगले उपराष्ट्रपति के नाम पर चर्चा शुरू हो गई है। एनडीए ने जहां पीएम मोदी और सदन में नेता जेपी नड्डा को जिम्मेदारी सौंपी हैं, तब विपक्ष भी संयुक्त उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इस बीच, तीन शख्स के नामांकन भी दाखिल किया, लेकिन उन्हें झटका लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन तीन लोगों ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था, उनके नाम तमिलनाडु के सलेम निवासी के. पद्मराजन, दिल्ली के मोती नगर निवासी जीवन कुमार मित्तल और आंध्र प्रदेश के श्रीमुखलिंगम गांव निवासी नायडूगरी राजशेखर थे। हालांकि, उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम की धारा 5बी की उपधारा (4) के तहत तीनों के नामांकन पेपर खारिज हो गए। पद्मराजन और मित्तल ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों की मतदाता सूची की प्रमाणित प्रतियां संलग्न कीं, जिसमें पंजीकृत मतदाता के रूप में उनके नाम थे, लेकिन ये चुनाव नोटिफिकेशन जारी होने से पहले की थीं। वहीं, तीसरे शख्स राजशेखर की प्रति निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा प्रमाणित नहीं थी। वह 15,000 रुपये की जमानत राशि भी जमा नहीं कर पाए। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी, राज्यसभा महासचिव पी.सी. मोदी ने तीनों के नामांकन पत्र क्रम में न होने के कारण खारिज किए है। चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है। कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति पद के लिए तब तक निर्वाचित नहीं हो सकता जब तक वह भारत का नागरिक न हो, 35 वर्ष की आयु पूरी न कर चुका हो और राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के योग्य न हो। सत्तारूढ़ एनडीए को उपराष्ट्रपति चुनाव में स्पष्ट बढ़त हासिल है। उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों द्वारा होता है, साथ ही उच्च सदन के मनोनीत सदस्य भी मतदान के पात्र होते हैं।

प्रियंका गांधी का चुनाव आयोग से सीधा सवाल... हलफनामा क्यों मांग रहे, जांच क्यों नहीं कर रहे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद अब और तीखा हो गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मतदाता सूची में धांधली के आरोपों पर चुनाव आयोग की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में राहुल गांधी से शपथ पत्र (हलफनामा) की मांग की गई थी। इस पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया में चुनाव आयोग से सवाल किए हैं और हमला बोल दिया है।

सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान सवाल उठाते हुए कहा, कि अगर कोई शिकायत करता है तो उसकी जांच होनी चाहिए। यह क्या तरीका है कि आप उल्टा शिकायतकर्ता से हलफनामा मांग रहे हैं?

प्रियंका गांधी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, कि हमने जो शपथ संसद में ली है, उससे बड़ी कौन सी शपथ होगी? आयोग हमें मतदाता सूची क्यों नहीं दे रहा? अगर जानबूझकर गलती हुई है, तो चुनाव आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि हमसे एफिडेविट मांगना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि याचिका के अनुसार हलफनामा देने की अवधि 30 दिन होती है, लेकिन उसके बावजूद आयोग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

सांसद प्रियंका गांधी ने फर्जी वोटर लिस्ट के मुद्दे को लेकर कहा कि राहुल गांधी ने विस्तार से बताया है कि एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट बिहार की कुछ विधानसभा सीटों में मौजूद हैं। उन्होंने कहा, जब कोई चुनाव लड़ता है, तब उसे पता चलता है कि एक-एक वोट कितना जरूरी होता है। अगर एक लाख वोट फर्जी हैं, तो उसका असर सीधे नतीजे पर पड़ता है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा, अगर कोई बच्चा क्लास में जाकर कहे कि चीटिंग हो रही है, तो क्या टीचर उसे थप्पड़ मारेगी? या जांच करेगी कि क्या हो रहा है? आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि शिकायत करने वालों से एफिडेविट मांगना चाहिए।

क्या होगी आगे की रणनीति?

इंडिया गठबंधन की आगे की रणनीति को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि सभी दल मिलकर निर्णय लेंगे, लेकिन स्पष्ट है कि इस मुद्दे को लेकर वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, हर वोट की अहमियत होती है। अगर वोटरों को जानबूझकर हटाया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

इससे पहले चुनाव आयोग के फैक्ट चेक हैंडल से कहा गया था कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप भ्रामक हैं। आयोग ने 1960 के वोटर रजिस्ट्रेशन नियम 20(3)(बी) का हवाला भी दिया है और शपथ पत्र मांगा है।

धराली में तबाही ने सब कर दिया बर्बाद, सीएम ने ग्राउंड जीरो पर संभाला मोर्चा

-कहा- राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाई और जरुरी सामान की कमी न हो

देहरादून (एजेंसी)। बादल फटने से हुई तबाह धराली की मलबे में रुंध गईं। आपदा के चलते सड़कों का नाता टूट गया। अलग-थलग पड़ा उच्च हिमालय का कातर को हमदर्द और हौसले की सख्त जरूरत थी। ऐसी विपदा में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दो दिन तक ग्राउंड जीरो पर मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में मजबूत छवि गढ़ी। देहरादून से लेकर उत्तरकाशी तक पूरा तंत्र सक्रिय रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आपदाग्रस्त क्षेत्रों में सीएम धामी सबसे पहले पहुंचे तो पीड़ित भी अपने बीच उन्हें पाकर उनके कंधे पर सिर रखा रोने लगे। सांत्वना और विश्वास के रूप में धामी उनके बीच थे। उत्तरकाशी जिले में 2023 के नवंबर माह में सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 41 श्रमिक फंस गए थे। आपदा की उस घड़ी में भी धामी ने सरकार के नेतृत्वकर्ता के रूप में मौके पर डेरा डाला था। केंद्र से मिल रहा निरंतर सहयोग उनकी मौके पर मौजूदगी से और प्रभावी बन गया था। तब भी धामी ने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में अपनी छवि राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की थी।

धराली आपदा के मौके पर धामी एक बार फिर उत्तरकाशी जिले में प्रभावितों के बीच पहुंच गए। विगत मंगलवार को आंध्र प्रदेश का दौरा बीच में छोड़कर देर सायं देहरादून लौटे धामी सीधे राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे। राहत को मिशन बनाकर सीएम दो दिन से ग्राउंड जीरो पर हैं। राहत और बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर संचालित करने के साथ-साथ वह पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। हर स्तर पर व्यवस्था पर सीएम की नजर है। परिणामस्वरूप आपदा प्रबंधन की पूरी मशीनरी 24 घंटे क्रियाशील है।

शासन के वरिष्ठ अधिकारी देहरादून स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र के जरिए से सीएम के साथ ही राहत व बचाव दलों के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। सड़क संपर्क और पुल से कटे होने के कारण हेली सेवाओं ने राहत व बचाव कार्यों को गति देने में भूमिका निभाई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, आइटीबीपी व अन्य केंद्र व राज्य की एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय का प्रभाव साफ दिया।

इस पूरे आपरेशन में वायुसेना के 2 चिनूक, 2 एमआई-17, चार अन्य हेलीकाप्टर, राज्य सरकार के आठ हेलीकाप्टर, एक आर्मी एएलएच और दो चीता हेलीकाप्टर लगाए गए। इस कारण प्रभावितों तक राहत तेजी से पहुंच रही है। जमीनी स्तर पर राजपुताना राइफल्स के 150 जवान, घातक टीम के 12 कमांडो, एनडीआरएफ के 69, एसडीआरएफ के 50 जवान, चार मेडिकल टीमें, 9 फायर टीमें, 130 आईटीबीपी के जवान, और बीआरओ के 15 कर्मियों समेत कुल 479 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं। इसके अलावा 814 अतिरिक्त जवानों को अन्य क्षेत्रों से सीधे प्रभावित क्षेत्र में तैनात किया गया है।

सीएम धामी ने गंभीर घायलों को एयरलिफ्ट कर देहरादून या एम्स ऋषिकेश भेजने के निर्देश दिए। राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाइयों और अन्य जरुरी सामान की कमी न हो, इस पर नजर रखी जा रही है। प्रभावितों के लिए 2000 से ज्यादा खाने पैकेट भेजे गए। ड्राइ राशन हवाई मार्ग से हर्षिल पहुंचाया जा रहा है, जहां से उसे दूरस्थ गांवों तक पहुंचाया जाएगा। बंद सड़कों को खोलने, इंटरनेट सेवा की बहाली, और बिजली, पेयजल की टूटी लाइन को भी जोड़ा जा रहा है। धामी ने गुरुवार को पौड़ी जिले आपदा प्रभावित नैठा बाजार, सैंजी गांव और बांकुड़ा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और माताओं-बहनों से भेंट की।

चीन के विशाल डैम पर हमारी नजर... राज्यसभा में केंद्र सरकार ने दिया जबाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन तिब्बत के इलाके में जो विशाल डैम बना रहा है, उसपर मोदी सरकार ने सवाल के जवाब में पहली बार संज्ञान लिया है। चीन यह बांध ब्रह्मपुत्र के ऊपरी हिस्से में बना रहा है, इस तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो कहते हैं। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में कहा है कि प्रोजेक्ट को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर विशाल बांध बनाने की तैयारियों में लगा है। चीन का यह प्रोजेक्ट इतना विशाल है कि इसकी वजह से भारत, बांग्लादेश और म्यांमार तक में सुरक्षा चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

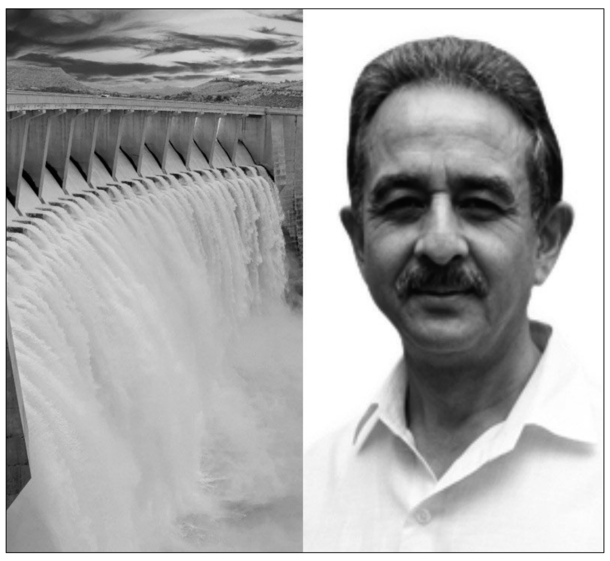

राज्यसभा में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि भारत ने चीन की ओर से तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो के निचले क्षेत्र में बनाया जा रहे मेगा डैम प्रोजेक्ट के निर्माण शुरू करने की रिपोर्टों पर संज्ञान लिया गया है। उनके अनुसार चीन 1986 से ही इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि मोदी सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी सभी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रख रही है। इसके तहत चीन की ओर से हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बनाने की योजना के साथ-साथ हमारे हितों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय करना शामिल है। सरकार की ओर से बताया गया हैं कि सीमा पार की नदियों से संबंधित विभिन्न मसलों पर चीन के साथ संस्थागत विशेषज्ञ स्तरीय मेकेनिज्म के तहत चर्चा होती है। इसकी स्थापना 2006 में की गई थी। इसके अलावा राजनयिक स्तर पर भी चर्चा की जाती है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने चीन को कहा है कि नदियों के पानी पर हमारा भी हक है। हम निचले क्षेत्र में हैं और यहां के लोगों का भी पानी पर अधिकार है। सरकार ने चीन से कहा है कि वो निचले हिस्से के देशों से भी सलाह करे और यह सुनिश्चित करे कि ऊपर के क्षेत्र की गतिविधियों से निचले हिस्से के क्षेत्रों के हितों को कोई नुकसान न हो। चीन के साथ सीमा पार की नदियों पर सहयोग के मामले में पानी से जुड़ी जानकारी फिर से देना भी शामिल है

खुफिया एजेंसियों ने किया अलर्ट: बांग्लादेश अब भारत में फैलाना चाहता है आतंकी गतिविधियां

नई दिल्ली(एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस अब अपने रंग में आते दिख रहे हैं। पाकिस्तान और तुर्की जैसे आतंकपरस्त देशों से हाथ मिलने वाले यूनुस अब भारत में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) को फिर से ऑक्सीजन देने में जुटे हैं। इससे नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस का कट्टरपंथी चेहरा बेनकाब हो गया है। भारत की खुफिया एजेंसियों ने इसका खुलासा किया है। इनके अनुसार, बांग्लादेश स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) एक बार फिर सक्रिय होता नजर आ रहा है। बीते आठ साल से निष्क्रिय हो चुके इस संगठन की फिर से वापसी से भारत की पूर्वोत्तर सीमाओं और पश्चिम बंगाल पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

जेएमबी अब अपनी ताकत बढ़ाने के लिए अल-कायदा का भी साथ मांग रहा है, ताकि उसकी विचारधारा का तेजी से प्रसार हो सके। जहां अल-कायदा रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावी है, वहीं जेएमबी जमीनी स्तर पर काम करने में माहिर है। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार के प्रमुख बनने के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के कई अधिकारी बांग्लादेश पहुंचे और कट्टरपंथी संगठनों के नेताओं से मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईएसआई चाहता है कि जेएमबी, अल-कायदा और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) मिलकर भारत को निशाना बनाएं और एक-दूसरे के काम में बाधा न डालें। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश की जेएमबी का बड़े स्तर पर फिर से सक्रिय किया जा रहा है। यह सीधे तौर पर भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकता है। खासकर अवैध घुसपैठियों और शरणार्थियों का उपयोग जेएमबी अपने फुट सोल्जर के तौर पर कर रहा है, जिससे भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिशें रची जा रही हैं। शेख हसीना की सत्ता से विदाई के बाद कट्टरपंथी समूहों को खुली छूट मिल गई है। इसी के चलते न केवल जेएमबी, बल्कि कई अन्य आतंकी संगठनों को भी फिर से संगठित किया जा रहा है।

भारत के खिलाफ जेएमबी की साजिश बेहद खतरनाक मानी जा रही है। ये संगठन रोहिंग्या और अवैध प्रवासियों की भर्ती कर रहा है और उन्हें भारत के मुस्लिम बहुल इलाकों में भेजकर वहां छोटे-मोटे उद्योगों में काम करने को कह रहा है, ताकि वे संदेह से बचे रहें। साथ ही, समय-समय पर गुप्त बैठकों के जरिए योजना बनाई जा रही है। गौरतलब है कि 2014 में पश्चिम बंगाल के बर्दवान में हुए विस्फोट में भी जेएमबी का हाथ था, जिसमें एक बम बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ था। तब भी इसमें शामिल अधिकतर लोग अवैध प्रवासी थे। वर्तमान में जेएमबी भारत-बांग्लादेश की पश्चिम बंगाल और असम सीमा की कमजोरी का फायदा उठा रहा है। मौजूदा परिस्थितियों में बांग्लादेश की अस्थिरता और भारत से

ठंडी पड़ी कूटनीतिक रिश्तों के कारण भारत के लिए यह खतरा और भी गंभीर हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को इस चुनौती से निपटने के लिए बांग्लादेश सरकार के सहयोग की जरूरत है, जैसा कि शेख हसीना के कार्यकाल में देखने को मिला था। लेकिन, अब यूनुस सरकार का झुकाव पाकिस्तान की ओर अधिक है, जिससे भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव बना हुआ है।

दिल्ली को फिल्मी हब बनाने को लेकर बेहद गंभीर है रेखा सरकार

दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्थल बनाने के लिए फिल्म पॉलिसी बनाईः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली को फिल्मी हब बनाने को लेकर बेहद गंभीर है। दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्थल बनाने के लिए फिल्म पॉलिसी बन रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली में फिल्म आदि शूटिंग के आवेदनों को सिंगल विंडो सिस्टम से अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा सरकार राजधानी में फिल्म इंडस्ट्री के विकास और सुविधाएं देने की भी योजना बना रही है। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी आज सेलिब्रेटिंग इंडिया फिल्म फेस्टिवल (सीआईएफएफ) के समापन समारोह में दी। सीरी फोर्ट स्थित इस आयोजन में कई राजनैतिक हस्तियों के अलावा फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई नामी लोग भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के दिल में इस तरह के शानदार आयोजन की कल्पना करना और फिर उसे हकीकत में बदलना, कोई आसान काम नहीं होता। यहां से एक संदेश निकला है कि हमारी दिल्ली भी अब फिल्म निर्माण और सांस्कृतिक चेतना का नया केंद्र बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली को फिल्मी हब बनाने को लेकर बेहद गंभीर है, और तेजी से आगे बढ़ रही है। हमने दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शूटिंग स्थल (ग्लोबल शूटिंग डेस्टिनेशन) के रूप में बढ़ावा देने के लिए दिल्ली की फिल्म पॉलिसी को आकार दिया है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली को फिल्म निर्माण का हॉटस्पॉट बनाने के लिए भी हमने तीन करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। हमें उम्मीद है कि आने वाले साल में हमें काफी फिल्मों की दिल्ली में शूटिंग करने के लिए आवेदन मिलेंगे। हमारा प्रयास होगा कि कि इन आवेदनों को सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए अनुमति दी जाए ताकि फिल्म निमार्ताओं का मनोबल बढ़े, वो दिल्ली की लोकेशन्स का इस्तेमाल करने के लिए, दिल्ली से जुड़ी फिल्में लिखें। हमारी इस नई फिल्म पॉलिसी के जरिए दिल्ली सिर्फ राजनीति या इतिहास के लिए नहीं, अब अपनी कल्चर, क्रिएटिविटी और अपनी फिल्मी लोकेशन्स के लिए भी पहचानी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का यह भी कहना है कि अभी तक मुंबई को ही फिल्म और मनोरंजन उद्योग के लिए जाना जाता है। दिल्ली का जो भी टैलेंट इस इंडस्ट्री में थोड़ा आगे बढ़ता है वो तुरंत बेहतर विकल्प की तलाश में मुंबई की ओर निकल जाता है। एक तरफ तो दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) जैसा प्रतिष्ठित ड्रामा और थियेटर का संस्थान है, जहां से एक्टिंग सीख कर कई कलाकारों ने देश-विदेश में बहुत नाम कमाया है, लेकिन आज तक किसी ने दिल्ली में ही फिल्म इंडस्ट्री के विकास पर कोई गंभीर पहल या प्रयास नहीं किया है। यह सोचने लायक सवाल है कि लोग एक्टिंग सीखें दिल्ली में और फिर उन्हें काम तलाशने के लिए जाना पड़े मुंबई। अब हमारी हमारी सरकार दिल्ली में फिल्म इंडस्ट्री के विकास के साथ ही ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना बना रही है कि फिल्म, सिनेमा, टीवी से जुड़े सभी लोगों को दिल्ली में शूटिंग से लेकर पोस्ट प्रोडक्शन तक सारी सुविधाएं और माहौल यहीं मिले। यहां के कलाकारों को मजबूरी में मुंबई न जाना पड़े। और इस दिशा में दिल्ली में आज का ये आयोजन, एक पड़ाव की तरह है।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली सरकार की भागीदारी से राजधानी में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस आयोजन से शहर की संस्कृति और विविधता को बढावा मिलेगा, फेस्टिवल में अलग अलग विषयों पर देश ही नहीं विदेशी फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री को देखने का मौका मिलेगा।

हौली चौक की कच्ची सड़को से व्यापारी परेशान

तापोशी सरकार

दिल्लीः दक्षिणी दिल्ली के देवली विधानसभा के हौली चौक की आने जाने वाली कच्ची सड़क से व्यापारी काफी परेशान है। सड़क पर शिविर लाइन बिछा दी गयी है लेकिन सड़क को पक्का नहीं किया गया है। ठउफ की टीम होली चौक पहुंची जहा उन्होंने स्थानीय लोगों और व्यापारियों से बात की और उनकी समस्या सुनी।

होली चौक पर व्यापारियों का कहना है की सड़क की समयसा से हम काफी परेशान है। बरसात के समय में दुकानों में पानी भर जाता है। जिसके कारण व्यापारियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बरसात में कच्ची सड़क कीचड़ में बदल जाती है जिसके कारण जाम की समस्या भी काफी ज्यादा हो जाती है लोग 3 से 4 घंटे जाम में फसे रहते है। बरसात में पानी भर जाने के कारण बच्चे स्कूल भी नहीं जा पाते जिस वजह से उनके भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। वहा के स्थानीय लोगों का कहना है की हम लोग काफी समय से सिखयात कर रहे है लकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हम यहां के विधायक प्रेम चौहान के पास और टउऊ के पास भी गए लेकिन कही कोई सुनवाई नहीं हुई। जब उनसे पूछा गया की विधायक जी ने उनके शिकायत पर उनसे किया बोलै तो लोगों का कहना है की विधायक और टउऊ के तरफ से सिर्फ आश्वासन ही दिया जाता रहा है। लेकिन कभी काम नहीं हुआ। इसीलिए हमने मीडिया का सहारा लिया ताकि हमें हमारी समस्या से निजात मिल सके। आगे उनका कहना है की दिल्ली में पीने के पानी की किल्लत तो है ही लेकिन यहाँ साफ सफाई भी बिलकुल नहीं हो रही है। होली चौक की जनता का विधायक से मांग है की होली चौक की सड़क को जल्द से जल्द ठीक कराया जाए ताकि वहा के लोगों को परेशानी से निजात मिल जाए।

दिल्ली के देवली में महिला की हत्या, पति पर लगा आरोप आरोपी अब तक फरार

कुणाल

दिल्लीः दक्षिणी दिल्ली के देवली गांव स्थित बैंक कॉलोनी में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। मृतका के पति पर हत्या का आरोप लगा है, जो फिलहाल फरार चल रहा है। जानकारी के अनुसार पति-पत्नी काफी समय से अलग रह रहे थे। बहु ने पुलिस को बताया कि रात करीब 3:00 से 3:30 बजे के बीच वह पानी भरने उठी, तभी सास के कमरे से खून बहता देखा। पहले उसे रंग का धोखा हुआ, लेकिन मोबाइल की टॉर्च जलाने पर सच्चाई सामने आई। सास को खून से लथपथ देख बहु बेहोश हो गई। शोर मचाने पर पड़ोसी और घर के अन्य रिश्तेदार पहुंचे। मृतका की बेटी ने बताया कि उसके पिता काफी समय से हत्या की योजना बना रहे थे। हालांकि समाज में उनकी छवि एक साधु-संत जैसी है और वे अक्सर पूजा-पाठ और आश्रमों में समय बिताते थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन आरोपी पति अब तक गिरफ्त से बाहर है। दिल्ली पुलिस के लिए चुनौती बना यह मामला अब गंभीर मोड़ पर है।

बुजुर्ग महिला के फोन पर पेटीएम इंस्टॉल कर निकाल लिए 14.35 लाख रुपये, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका निवासी एक बुजुर्ग महिला के फोन पर पेटीएम इंस्टॉल कर उनके खाते से 14.35 लाख रुपये ट्रांसफर करने वाले जालसाज को जिला साइबर पुलिस ने गिरफ्तार कि कर लिया है। आरोपित की पहचान दीपक कुमार सैनी (31) के रूप में हुई है। उसे घर में नर्सिंग सहायक के तौर पर महिला की देखभाल के लिए रखा गया था। आरोपित के पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अंकित सिंह ने बताया कि रॉयल रेजीडेंसी (द्वारका) निवासी मंजूषा रानी गुप्ता (80) ने इस संबंध में साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि मार्च 2020 से उनके घर में दीपक सैनी नर्सिंग सहायक के रूप में काम कर रहा था। उनके डॉक्टर आदि लोगों से बात करने के लिए वह उनका फोन इस्तेमाल करता था। कई बार जांच के लिए जाने पर फोन उसी के पास होता था।

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने सीपी आउटर सर्कल में जलभराव प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल में जलभराव प्रभावित इलाकों का दौरा किया और जल निकासी की समस्याओं का आकलन किया। प्रवेश वर्मा ने कहा कि जब पिछले 2 दिनों से बारिश हो रही थी, सीपी के आउटर सर्कल का सिर्फ 100 मीटर का हिस्सा जलमग्न था। एक पंप पहले ही लगा था और अब दूसरा लगाने का आदेश दे दिया है।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल में जल निकासी प्रणाली 100 साल पुरानी है और ब्रिटिश काल की बनाई हुई बैरल प्रणाली पर आधारित है। यह बैरल पंचकुइयां रोड से होकर दीनदयाल उपाध्याय मार्ग की ओर जाती है। लेकिन बाद में जब नई बिल्डिंग्स बनीं, तो पाइप का साइज घटा दिया गया, जिससे जल निकासी प्रभावित हो रही है।' उन्होंने बताया कि फिलहाल एक पंप लगाया गया है और दूसरा पंप भी लगाया जा रहा है ताकि पानी की निकासी ठीक से हो सके।

उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी ने दिल्ली में जलभराव वाले 34 स्थानों की पहचान की थी, जैसे कि मिंटो ब्रिज, मूलचंद और आईटीआईओ। मंत्री प्रवेश वर्मा ने दावा किया कि इस साल इन जगहों पर अपेक्षाकृत कम जलभराव हुआ है। उन्होंने कहा, 'जहां भी सोशल मीडिया या मीडिया के जरिए हमें जलभराव की सूचना मिल रही है, अधिकारी तुरंत मौके पर जाकर समस्या का समाधान कर रहे हैं। हम एक-एक पॉइंट पर काम कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि आने वाले समय में दिल्ली को जलभराव से पूरी तरह मुक्त किया जाए।'

15 साल की नाबालिग लड़की का सरफिरे आशिक ने किया कत्ल, लड़की ने क्लिनिक में तोड़ा दम

तापोशी सरकार

दिल्लीः दिल्ली के जहांगीरपुरी से एक दिल देहला देने वाली घटना सामने आई है जहा एक 15 साल की लड़की का कत्ल उसी के इलाके में रहने वाले 20 साल के युवक ने किया। लड़की का नाम सुम्बुल बताया गया और लड़के का नाम आर्यन बताया गया है। बता दे दोनों अलग - अलग समुदाय से थे। सुम्बुल एक मुस्लिम लड़की थी और आर्यन एक हिन्दू लड़का है।

NCR की टीम जहांगीरपुरी पहुंची और सुम्बुल के परिवार वालो से बात की और एकलौती चश्मदीद गवाह जो सुम्बुल की बेस्ट फ्रेंड थी जिसका नाम प्राची है उससे ठउफ की टीम ने इस घटना के सम्बन्ध में पूरी जानकारी ली।

प्राची ने बताया की सुम्बुल को पूरी साजिश के तहत मारा गया था। आर्यन सुम्बुल को लगातार 3 - 4 दिन से ज्यादा परेशान कर रहा था लेकिन सुम्बुल अपने घर पर नहीं बता पा रही थी क्योकि सुम्बुल की माँ को सर्वाइकल की दिक्कत थी जिससे उन्हें किसी भी बात का टेंशन लेना सख्त मनाही थी। आगे प्राची ने बताया की सुम्बुल और प्राची को आर्यन की एक्स गर्लफ्रेंड ईशा ने मैसेज कर मिलने के लिए बुलाया था और जब मैं और सुम्बुल उसने मिलने पहुंचे तब ईशा वहा नहीं आई लकिन कुछ ही देर में वहा आर्यन आया और उसने सुम्बुल को साइड ले जाकर कुछ बात की लेकिन जब सुम्बुल ने मना किया तो आर्यन ने कहा की "अगर तू मेरी नहीं हो सकती तो किसी की नहीं होगी " ऐसा कहने के बाद आर्यन ने सुम्बुल पर फायरिंग करनी शुरू कर दी।

सुम्बुल अपनी जान बचाने के लिए पास के क्लिनिक में भागी लेकिन उसे किसी ने नही बचाया। जिसके बाद आर्यन ने सुम्बुल पर ताबड़तोड़ फायरिंग की जिससे सुंबुल की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार आर्यन मौके से फरार है।

वही NCR की टीम ने सुम्बुल की मम्मी से बात की उनका कहना है की मैं शुक्रवार घर पहुंची। लेकिन मुझे इस बारे में कुछ नहीं पता था की सुम्बुल को कोई परेशान कर रहा था लेकिन मेरी बेटी काफी दिनों से परेशान थी हमेशा अकेले रहती थी किसी से कोई बात तक नहीं करती थी। सुम्बुल की मम्मी ने बताया की मेरी बेटी को साजिश के तहत मारा गया है। इस मामले में पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गयी है और आर्यन की तालाश में जुट गयी है। इस मामले में पुलिस ने सुम्बुल के घरवालों से पूछताछ की और प्राची का बयान दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है।

रोहिणी में देशभक्ति की गूंज विजेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन

सिंदूर एवं महादेव ऑपरेशन में अद्वितीय साहस दिखाने वाले सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। 'स्वतंत्रता दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह उन अनगिनत बलिदानों और अदम्य साहस का स्मरण है, जिनके कारण हमें स्वतंत्र भारत का गौरव प्राप्त हुआ,' यह विचार दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष एवं रोहिणी के स्थानीय विधायक श्री विजेंद्र गुप्ता ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए व्यक्त किए।

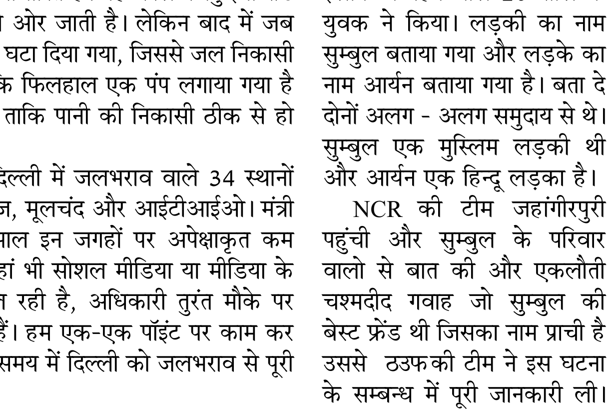

रोहिणी एफ मंडल द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक यात्रा में क्षेत्र के निवासियों, आरडब्ल्यूए, युवा समूहों, बाजार संघों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा की शुरूआत नाहरपुर मार्केट, सेक्टर-7 से हुई और आजाद कबाड़ी चौक, राजापुर गाँव पर इसका समापन हुआ। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने हाथों में तिरंगा लहराते हुए एकता और देशभक्ति के नारों के साथ मार्च किया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा, 'तिरंगा हमारे राष्ट्र की शान है, यह उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का प्रतीक है। यह मात्र एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारी संप्रभुता, एकता और संविधान में निहित मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। यह यात्रा उनके संघर्षों को नमन करने और एक सशक्त, एकजुट भारत के निर्माण के प्रति हमारे संकल्प को पुनः पुष्ट करने का माध्यम है।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह तिरंगा यात्रा महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, श्री विट्ठलभाई पटेल जैसे महानायकों और उन अनगिनत गुमनाम वीरों को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने जेल की यातनाएँ सही, कठिनाइयों का सामना किया और देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनका संदेश है कि हम सब मिलकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखें और मजबूत करें।'

श्री गुप्ता ने हाल ही में संपन्न ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव में भारतीय सैनिकों द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा, 'हमारे हर एक सैनिक में भारत की आत्मा बसती है। इन हालिया अभियानों में दिखाई गई उनकी वीरता यह स्मरण कराती है कि जिस स्वतंत्रता का हम आज आनंद लेते हैं, उसकी रक्षा हमारे जवान प्रतिदिन अपने पराक्रम और बलिदान से करते हैं।' इस अवसर पर समुदाय के विभिन्न संगठनों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे वातावरण में देशभक्ति गीत, जयघोष और उल्लास की गूंज रही। विधानसभा अध्यक्ष ने रोहिणीवासियों की भारी भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भाईचारे को सुदृढ़ करते हैं और आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के आदर्शों को संजोने व आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं।

दिल्ली भाजपा द्वारा आज 13 जिलो के 115 मंडलों में निकाली गई तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा द्वारा आज से प्रदेश भर से तिरंगा यात्रा की शुरूवात की गई जिसके अंतर्गत 13 जिलों के 115 मंडलो में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसके साथ ही शाहदरा और नवीन शाहदरा जिले में तिरंगा यात्रा के साथ ही विभाजन विभीषिका की प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें 1947 में विभाजन के वक्त अमानवीय व्यवहार करने और उस वक्त परिवार के सदस्यों के बीच खिंचे गए सीमाओं को दिखाया गया। आज निकाले गए तिरंगा यात्रा में केशवपुरम जिले के 3 मंडल में, चाँदनी चौक जिले के 2 मंडल में, उत्तर पूर्व जिले के 14 मंडलों में, नवीन शाहदरा जिले के 12 मंडलों में, मयूर विहार जिले के 6 मंडलों में, शाहदरा जिले के 7 मंडलों में, करोल बाग जिले के 10 मंडलों में, नई दिल्ली जिले के तीन मंडलों में, उत्तर पश्चिम जिले 18 मंडलों में, बाहर दिल्ली जिले के 10 मंडलों में, नजफगढ़ जिले के 15 मंडलों में, महरौली जिले के 17 मंडलों में और दक्षिण दिल्ली जिले के 13 मंडलों में तिरंगा यात्रा निकाली गई।

एक नजर

दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में थार गाड़ी ने कहर मचाया, एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में थार गाड़ी ने कहर मचाया है। रविवार को तेज रफ्तार गाड़ी ने दो लोगों को टक्कर मारी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। राष्ट्रपति भवन से 2 किलोमीटर की दूरी पर तालकटोरा स्टेडियम के सामने यह घटना हुई। शुरूआती जानकारी के अनुसार, सफेद रंग की थार गाड़ी में सिर्फ ड्राइवर सवार था। गाड़ी का रजिस्ट्रेशन उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद का बताया जा रहा है। मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग पर 11 मूर्ति के पास थार ने दो लोगों को कुचला। जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें देखा जा सकता है कि थार गाड़ी का आगे का एक पहिया टूट चुका था। इससे गाड़ी की रफ्तार का अंदाजा लगाया जा सकता है। दिल्ली पुलिस ने बयान जारी करते हुए घटना की पुष्टि की। पुलिस ने कहा कि तालकटोरा स्टेडियम के पास एक एसयूवी ने दो लोगों को कुचल दिया था। इसमें से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है, जबकि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक और घायल व्यक्तियों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, थार चालक पुलिस की हिरासत में है और थार को भी जब्त कर लिया है। आरोपी ड्राइवर से पुलिस पूछताछ कर रही है।

दिल्ली के द्वारका में सोने की छह चेन छीनने के मामले में दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका में दो सप्ताह से भी कम समय में सोने की चेन छीनने की छह घटनाओं में कथित संलिप्तता को लेकर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान संजू (40) और सुमित बधवार (35) के रूप में हुई है। इसने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि दो हथियारबंद अपराधी काले रंग की एक स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल पर द्वारका में संदिग्ध तरीके से घूम रहे हैं। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सक्रिय हुई एक टीम ने ककरोला गंदा नाला के पास दोनों को फिर से घटना को अंजाम देने से पहले ही पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, संजू के पास एक अवैध आग्नेयास्त्र और तीन कारतूस मिले, जबकि सुमित के पास एक अवैध आग्नेयास्त्र और एक कारतूस बरामद हुआ। अपराध में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई। इस संबंध में पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा, "इन लोगों की गिरफ्तारी के बाद हाल के कुछ सप्ताहों में द्वारका में सोने की चेन छीनने के मामलों की पांच घटनाएं सुलझ गई हैं।" पुलिस ने बताया कि दोनों ने ऐसे बुजुर्गों और महिलाओं को निशाना बनाया जो सोने की चेन या आभूषण पहने हुए थे। इसने कहा कि वे तेज रफ़्तार मोटरसाइकिल का इस्तेमाल तेजी से भागने के लिए करते थे और पीड़ितों को धमकाने के लिए हथियार रखते थे। अधिकारी ने बताया कि संजू के खिलाफ पहले भी झपटमारी के चार मामले दर्ज हैं, जबकि सुमित का कोई आपराधिक इतिहास नहीं रहा है।

नमो केंद्र ने 'मन की बात' को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर 'मन की बात' को विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में विषय के रूप में शामिल करने की मांग की है। नमो केंद्र के अध्यक्ष प्रो. जसीम मोहम्मद ने अपने पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह रेडियो कार्यक्रम अब तक 125 से अधिक एपिसोड पूरे कर चुका है और यह प्रेरणा, प्रोत्साहन तथा राष्ट्र निर्माण के विचारों का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसमें सामाजिक सुधार, युवा सशक्तिकरण, नवाचार, आत्मनिर्भर भारत और सांस्कृतिक विरासत जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाती है। पत्र में नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का हवाला देते हुए कहा गया कि 'मन की बात' को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने से छात्रों को नेतृत्व, सामाजिक-आर्थिक बदलाव और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को समझने का अवसर मिलेगा। नमो केंद्र का मानना है कि इससे छात्रों में मूल्य-आधारित शिक्षा, जिम्मेदारी और उद्देश्य की भावना को बढ़ावा मिलेगा। केंद्र ने आग्रह किया है कि यूजीसी के तहत सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में 'मन की बात' का विषय पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए, ताकि उच्च और स्कूली शिक्षा में इसका एकीकरण सुनिश्चित हो सके।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के करीब, प्रशासन अलर्ट मोड पर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर चिंता बढ़ाने वाला हो गया है। पुराने लोहे के पुल के पास पानी का स्तर चेतावनी रेखा पार कर चुका है, जिससे प्रशासन सतर्क हो गया है। हालांकि, सरकार का दावा है कि इस बार हालात 2023 जैसे गंभीर नहीं होंगे और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। रविवार आज सुबह 8 बजे तक पुराने लोहे के पुल के पास यमुना का जलस्तर 204.05 मीटर और खतरनाक स्तर 205.33 मीटर के बीच दर्ज किया गया। दो दिन पहले ही यमुना का स्तर डेंजर लेवल को भी पार कर गया था। राजधानी में लगातार हो रही बारिश और पहाड़ी इलाकों में भीषण वर्षा के कारण नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इस स्थिति को और जटिल बनाने में हथिनकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की बड़ी भूमिका है। बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के चलते निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। हालांकि, राहत की बात यह है कि रविवार को यमुना के जलस्तर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली सरकार ने हालात को देखते हुए यमुना बैराज के सभी गेट खोल दिए हैं, जिससे पानी के बहाव में सुधार हुआ है। सरकार और अधिकारियों का कहना है कि जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिए जाएंगे। आपको बताते चलें, राजधानी दिल्ली में यमुना नदी के लिए चेतावनी का स्तर 204.5 मीटर है, खतरे का स्तर 205.3 मीटर है और 206 मीटर पर निकासी शुरू होती है। ऐसी स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कवायद शुरू हो जाती है। यमुना के प्रवाह और बाढ़ के जोखिम को मापने का ओल्ड रेलवे ब्रिज एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता संतोषजनक, और अधिक बारिश की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 7.8 डिग्री कम 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही मौसम विभाग ने आज गरज के साथ बारिश की संभावना जताई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, रविवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 68 रहा जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच को 'खराब', 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' माना जाता है।

सम्मान संस्थान द्वारा कैलाश आश्रम पर बड़े धूम धाम से किया गया आयोजित

घीसाराम फुआजी चौधरी

राजस्थानः आईजी शिक्षण संस्थान, रानी से कल एक प्रतिनिधि मण्डल श्री कैलाश धाम आश्रम जीजी बड रोड, डायलाना धाम पर महंत श्री उमाशंकर भारतीजी (सका मारा ज) से जाकर मिला। संत शिरोमणि को उनके द्वारा हमारे स्कूल रटइ सीनियर सेकेंडरी स्कूल , रानी को गांवों से विद्यार्थियों को लाने एवम् लेजाने हेतू एक बस अपनी ओर से सहायता उपलब्ध करवाई गई है। बस भी कल संस्थान को टाटा मोटर्स के अधिकृत विक्रेता द्वारा सारी कागज कार्यवाही पूर्ण कर सुपुर्द कर दी गई है। इस हेतू ऐसे संत शिरोमणि को उनके द्वारा दी गई सहायता के लिये आभार और उनका सम्मान संस्थान द्वारा कैलाश आश्रम पर बड़े धूम धाम से किया गया। कल आश्रम पर लगभग 1000 हजार लोगों की उपस्थिति थी।

चूंकि खिंवाड़ा से कावड़ यात्रा कल श्रावण मास का अन्तिम सोमवार होने से कैलाश आश्रम धाम पर भोलेनाथ के दर्शनार्थ आए हुए थे। संस्थान सचिव द्वारा उपस्थित जन समुदाय को गुरुदेव की ओर से दी गई बस सहायता राशि की जानकारी दी गई। इस पर सभी लोगों ने खूब तारीफ की। संस्थान प्रतिनिधि मण्डल द्वारा गुरुदेव का माल्यार्पण एवम् शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। गुरुदेव द्वारा संस्थान को और भविष्य में शिक्षण कार्य हेतू सहायता का आश्वाशन भी दिया गया। संस्थान द्वारा गुरुदेव को आने वाले स्वतंत्रता दिवस 15अगस्त 2025 को मुख्य अतिथि हेतू निवेदन करने पर उन्होंने सहर्ष अपनी स्वीकृति प्रदान की। इसके लिये उनका आभार जताया। ऐसे अगर सीरवी समाज के संत महात्मा आने वाले भविष्य को लेकर समाज में शिक्षा हेतू सहयोग कर जागृत करेंगे तो समाज में जरूर परिवर्तन होगा।

प्रतिनिधि मण्डल में संस्थान सचिव घीसूलाल चौधरी, शिक्षण गतिविधि प्रभारी, सह प्रभारी एवम् सदस्य श्री प्रभुराम चौधरी, अमराराम चौधरी व सूजाराम चौधरी, सह कोषाध्यक्ष चेलाराम चौधरी, सदस्य लकमा राम चौधरी, पन्नाराम चौधरी, के साथ समाजके प्रतिष्ठित व्यापारी श्री सूजाराम चौधरी, रूपाराम चौधरी, मांगीलाल चौधरी बीजों वा तथा पुनाराम पु क जी चौधरी , रानी उपस्थित थे। गुरुदेव ने सब प्रतिनिधि मण्डल को स्वादिष्ट भोजन भी आश्रम पर करवाया। ऐसे संत महात्माओं का जितना आदर सम्मान किया जाय उतना कम है। पुनः हम संत शिरोमणि के उत्तम स्वास्थ्य एवम् दीघाएं की कामना करते है।

एक नजर

गौतमबुद्धनगर को मिली नई डीएम, प्रयागराज भेजे गए मनीष कुमार वर्मा, नोएडा प्राधिकरण में कृष्णा करुणेश को नई जिम्मेदारी

संदीप कुमार/उत्तर प्रदेशः गौतमबुद्धनगर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक स्तर पर एक बड़ा फेरबदल किया है। इस बदलाव के तहत गौतमबुद्धनगर (नोएडा) को नई जिलाधिकारी (डीएम) मिल गई हैं। मेधा रूपम को गौतमबुद्धनगर का नया डीएम नियुक्त किया गया है। वहीं, वर्तमान डीएम मनीष कुमार वर्मा को प्रयागराज का नया जिलाधिकारी बनाया गया है।

मेधा रूपम, जो कि एक ईमानदार और कर्मठ आईएएस अधिकारी मानी जाती हैं, इससे पहले कई अहम प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभा चुकी हैं। उनके नोएडा आने से जिले में प्रशासनिक कार्यों में नई ऊर्जा की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा, शासन ने कृष्णा करुणेश को नोएडा प्राधिकरण में एडिशनल सीईओ (Additional CEO) के पद पर तैनात किया है। वे पूर्व में भी कई महत्त्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं और अब नोएडा के विकास कार्यों में तेजी लाने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

इस प्रशासनिक फेरबदल को राज्य सरकार द्वारा सुशासन और विकास कार्यों में तेजी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पाथरी तालुका के रत्नेश्वर रामपुरी में रत्नेश्वर का जागृति देवस्थान

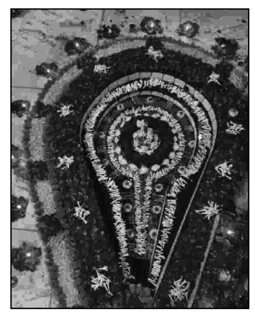

मध्य प्रदेशः श्रीक्षेत्र रत्नेश्वर रामपुरी गाँव पाथरी से 8 किमी दूर है। इस गाँव की विशेषता है। रत्नेश्वर मंदिर गाँव से एक किमी दूर है। अत्यंत मनोरम वातावरण में स्थित रत्नेश्वर मंदिर गाँव की शोभा है। राम के समय से बने इस मंदिर का एक इतिहास है। चूँकि श्री राम प्रभु ने स्वयं महादेव की स्थापना की थी और चौदह रत्नों का अभिषेक किया था, इसलिए इसे महादेव सा रत्नेश्वर कहा जाता है। चूँकि यह श्री राम के स्पर्श से पवित्र हुआ गाँव है, इसलिए इस गाँव का नाम रामपुरी पड़ा। रत्नेश्वर के दैनिक उत्सव बारह महीने चलते रहते हैं। हालाँकि, श्रावण मास में पूरे महाराष्ट्र से भक्त दर्शन के लिए एकत्रित होते हैं। मंदिर के तल पर गोदावरी बहती है। हरे-भरे पेड़। ऊपर से गिरती बारिश की बूँदें भी मंदिर और आसपास के वातावरण की सुंदरता को बढ़ाती हैं। दर्शन के लिए आने वाले भक्तों का मन बार-बार यहाँ आने को करता है। रत्नेश्वर की त्रिकाल पूजा प्रतिदिन होती है। भक्तों द्वारा निरंतर रुद्राभिषेक किया जाता है। शाम को श्री राम गुरु और उनके सहयोगियों द्वारा अत्यंत सुंदर श्रृंगार पूजा की जाती है। ऐसी ही महिमा रत्नेश्वर की है। यह जानकारी श्री धनंजय महाराज मूली रामपुरीकर और सुजीत मूली ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी।

कलयुगी पुत्र गिरफ्तार, शराब के लिए करता था माँ के साथ मारपीट

मनहरन टंडन/छत्तीसगढ़ः जांजगीर-चांपा ब्रेकिंग न्यूज कलयुगी पुत्र गिरफ्तार, जिसके द्वारा अपनी मां से शराब पीने के लिये पैसे की मांग कर मारपीट करता था* आरोपी के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर*आरोपी झराजू साहू उम्र 27 वर्ष निवासी किरारी थाना अकलतरा जिला जांजगीर चांपा आरोपी के विरुद्ध धारा 296, 115 (2), 351(2),119 (1) बीएनएस के तहत की गई कार्यवाही मामले का विवरण इस प्रकार है।

आरोपी राजू साहू निवासी किरारी के द्वारा आय दिन अपनी मां से शराब पीने के लिए पैसे की मांग करता था पैसा नही देने पर अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करता था जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा मे अपराध क्रमांक 356/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना अकलतरा पुलिस द्वारा आरोपी राजू हिरासत मे लेकर पकड़ा जिसको पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार करने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

महिला अस्पताल में चोरी, कैमरे में हुई वारदात कैद

दीपक कौशल/उत्तर प्रदेशः जिला महिला अस्पताल से एक मरीज का बैग चोरी हो गया। चोरी की यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। तीमारदार की शिकायत और फुटेज के आधार पर पुलिस घटना की जांच कर रही है। बताया जाता है कि वजीरगंज के अचलपुर गांव से डिलीवरी के बाद भर्ती अनामिका का रविवार देर रात्रि में बैग और अन्य जरूरी कागजात चोरी करके एक महिला फरार हो गई है।

जिला महिला अस्पताल के तीसरी मंजिल पर वार्ड में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हुई है। जहां एक महिला इधर-उधर देखने के बाद अचानक महिला के बेड के पास पहुंचती है, वहां पर रखे बैग को चोरी करके फरार हो जाती है। बैग में जरुरी कागजात व कुछ जेवरात होने का दावा पीड़ित कर रहे हैं। नगर कोतवाल विवेक त्रिवेदी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पीलाखार नदी में डूबे युवक का शव 24 घंटे बाद बरामद

राजू/उत्तर प्रदेशः मीरगंज कोतवाली क्षेत्र के पीलाखार नदी में शनिवार दोपहर डूबे युवक का शव घटना के 24 घंटे बाद बरामद हो गया। एनडीआरएफ व पुलिस की संयुक्त टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को एक किलोमीटर दूर मढ़ी के समीप नदी से खोज निकाला। गांव सिंधौली की गौंटिया निवासी खेमकरन कश्यप का 28 वर्षीय पुत्र दुर्गा प्रसाद शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे गांव के पास पीलाखार नदी में नहाते समय डूब गया था। घटना की जानकारी पर ग्रामीण गोताखोरों ने देर शाम तक नदी में तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

रविवार को मीरगंज कोतवाली प्रभारी प्रयागराज सिंह के बुलावे पर एनडीआरएफ की दो दर्जन सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची। दो स्टीमर की मदद से सिंधौली से जौनेर तक नदी में तलाश अभियान चलाया गया। स्टीमर के प्रेशर से शव ऊपर आने पर टीम ने चार घंटे की मेहनत के बाद उसे बरामद कर लिया। शव मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मां पूनम, पिता खेमकरन, रक्षाबंधन पर आए बहन-भाई, पत्नी कुंती और तीनों मासूम बच्चे विष्णु, यश और वर्षा रो-रोकर बेहाल हो गए। दुर्गा प्रसाद भूमिहीन थे और बुढ़िया काता की फेरी लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेज दिया है। अग्रिम कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में छात्रों और शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

संदीप कुमार

उत्तर प्रदेशः राजधानी दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक क्षेत्र में आज हजारों की संख्या में छात्र और शिक्षक एकत्र हुए और SSC CGL व CHSL परीक्षा में पारदर्शिता की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में "POSTPONED CGL, WE WANT TCS, NO TRANS-PARENCY IN SSC EXAMS" जैसे बैनर थे प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि Eduquity और अन्य एजेंसियों द्वारा आयोजित परीक्षाओं में धांधली हो रही है और परीक्षा की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। छात्रों की मुख्य मांग है कि CGL और CHSL परीक्षाओं को स्थगित किया जाए और परीक्षा प्रणाली में सुधार लाया जाए।

स्थिति उस वक्त तनावपूर्ण हो गई जब भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। कई छात्रों और शिक्षकों को चोटें आईं हैं। प्रदर्शन में शामिल छात्रों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रख रहे थे, लेकिन पुलिस की कार्रवाई अनावश्यक और बर्बर थी। प्रदर्शनकारी छात्र कह रहे हैं हमारी जिंदगी के साथ खिलवाड़ मत करो Eduquity हटाओ, TCS लाओ SSC परीक्षाओं में पारदर्शिता लाओ फिलहाल पुलिस बल मौके पर तैनात है और स्थिति पर नियंत्रण रखने की कोशिश की जा रही है। प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार में शिव भक्त कावड़ियों की सेवा में समर्पित

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेशः मुरादाबाद 3 अगस्त 2025 पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार के उपलक्ष में आज मुरादाबाद महानगर में शिव भक्त कावड़ियों का आगमन हुआ। इस अवसर पर सिविल डिफेंस पोस्ट कोठीवाल नगर द्वारा इंपीरियल तिराहे पर शाम 5:00 बजे से ड्यूटी देकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह किया गया। पोस्ट कोठीवाल नगर की ओर से कावड़ियों पर पुष्प वर्षा की गई और सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग किया गया।

इंपीरियल तिराहे से काशीपुर अड्डे तक एवं काशीपुर अड्डे से रेलवे स्टेशन तक सभी वार्डन ने अपने ड्यूटी देकर कर्तव्यों का निर्वाह किया। कोठीवाल नगर पोस्ट से मुख्य रूप से पोस्ट वार्डन एडवोकेट विपुल अग्रवाल एवं आरक्षित पोस्ट वार्डन शाकिर हुसैन और डिवीजन कोतवाली मुरादाबाद का नेतृत्व रहा। कोठीवाल नगर पोस्ट से सहयोगी रहे डिप्टी पोस्ट वार्डन नदीम अख्तर प्रधान, पंकज जैन, नितिन जैन, नकिम अहमद, हरप्रीत सिंह, निर्मल रोहिल्ला, पुनीत जैन, वर्मा जी, राजीव कुमार गुप्ता एवं अन्य पोस्ट के वार्डन भी उपस्थित रहे। आज मुरादाबाद शिव नगरी लग रहा था और सभी ने मिलकर शिव भक्त कावड़ियों की सेवा में अपना योगदान दिया। शहर वासियों ने भी अपने घरों से निकलकर कावड़ियों का स्वागत किया और उनकी सेवा में अपना योगदान दिया।

कोठीवाल नगर पोस्ट की ओर से हम कोतवाली पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हमें सुरक्षा व्यवस्था में अपना सहयोग दिया और कावड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। हम नगर निगम का भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हम चौकी बुध बाजार थाना कोतवाली की चौकी प्रभारी श्रीमती सुनीता चौधरी जी एवं समस्त स्टाफ का बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त करते हैं जिन्होंने हमें सुरक्षा व्यवस्था में अपना सहयोग दिया और कावड़ियों की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। हम अपने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस अवसर पर अपनी सेवाएं दीं और कावड़ियों की सेवा में अपना योगदान दिया। हम अपने शहर वासियों का भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने कावड़ियों का स्वागत किया और उनकी सेवा में अपना योगदान दिया।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

दफ्तर आते-जाते समय हादसे में कर्मचारी की मौत पर मिलेगा मुआवजा

संदीप कुमार

उत्तर प्रदेशः देश के करोड़ों कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें कहा गया है कि अगर कोई कर्मचारी दफ्तर आते या जाते समय किसी सड़क हादसे का शिकार होता है और उसकी मौत हो जाती है, तो उस कर्मचारी का परिवार Employees Compensation Act, 1923 के तहत मुआवजे का हकदार होगा।

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने?

सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि कर्मचारी केवल कार्यस्थल के भीतर ही नहीं, बल्कि ड्यूटी से जुड़े सफर के दौरान भी काम से जुड़ा हुआ माना जाएगा। यदि कोई कर्मचारी रोजाना अपने कार्यालय आने-जाने के लिए एक तय मार्ग का इस्तेमाल करता है और उस दौरान कोई हादसा हो जाता है, तो यह भी "कोर्स ऑफ एम्प्लॉयमेंट" (कार्य के दौरान) माना जाएगा।

क्यों महत्वपूर्ण है यह फैसला?

अब तक, बहुत से ऐसे मामले सामने आते थे, जिनमें कर्मचारियों के दफ्तर आने-जाने के समय हुई दुर्घटनाओं को 'निजी समय' का हिस्सा मानते हुए मुआवजा नहीं दिया जाता था। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि यह भी नौकरी का हिस्सा है।

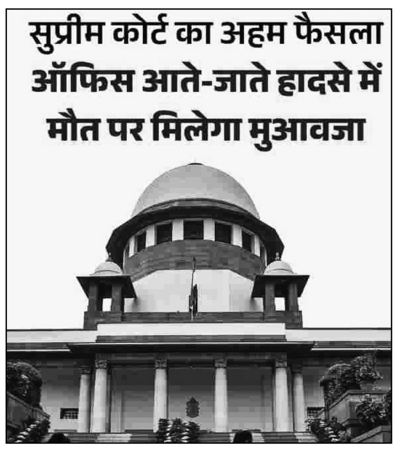

मामला क्या था?

इस मामले में एक निजी कंपनी के कर्मचारी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी, जब वह ड्यूटी पर जाते समय रास्ते में था। कंपनी ने मुआवजा देने से इंकार कर दिया, यह कहते हुए कि हादसा ड्यूटी के समय नहीं हुआ। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों के फैसले को पलटते हुए कर्मचारी के परिवार को मुआवजा देने का आदेश दिया।

Employees Compensation Act, 1923 क्या है?

यह कानून काम के दौरान कर्मचारियों की मौत या घायल होने की स्थिति में उनके परिवार को वित्तीय सहायता देने के लिए बनाया गया था। पहले इसे Workmen's Compensation Act कहा जाता था। इस कानून के तहते काम के दौरान मृत्यु पर मुआवजा दिया जाता है। स्थायी विकलांगता या आंशिक विकलांगता पर भी मुआवजा मिलता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने "काम के दौरान" की परिभाषा को ऑफिस आते-जाते समय तक बढ़ा दिया है।

किन कर्मचारियों को होगा लाभ?

प्राइवेट कंपनियों के कर्मचारी, गवर्नमेंट ऑफिस कर्मचारी, कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले वर्कर, ऐसे कर्मचारी जो नियमित रूप से कार्य स्थल तक आने-जाने के लिए एक निर्धारित मार्ग का उपयोग करते हैं।

हजारों बीघा फसल डूबी, पुलों की एप्रोच रोड कटी, आवागमन ठप्प होने का खतरा

राजू

उत्तर प्रदेशः बरेली जिले की मीरगंज तहसील में रामगंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी के विकराल रूप लेने से खादर क्षेत्र के हजारों बीघा खेतों में पानी भर गया है। किसानों की तिल, गन्ना और धान की फसलें पूरी तरह डूब गई हैं, जिससे किसान बेहद चिंतित हैं। गोरा लोकनाथपुर रामगंगा घाट पर बने पुल की एप्रोच रोड नदी की तेज धार में कटकर बहने लगी है। वहीं, मीरगंज और आंवला को जोड़ने वाले कैलाश गिरी बाबा मढ़ी रामगंगा घाट के पुल पर भी पानी चढ़ने लगा है। पानी गांव कपूरपुर, मदनापुर और तातारपुर तक फैल गया है।

रोड पर बह रहा है पानी मदनापुर गांव से पुल तक जाने वाली एप्रोच रोड पर भी पानी बह रहा है, जिससे मीरगंज और आंवला तहसीलों के बीच आवागमन रुकने का खतरा है। आसपास के लोग नदी के इस रूप को देखकर डरे हुए हैं। मीरगंज तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने बताया कि किसी भी डैम से पानी छोड़े जाने की आधिकारिक सूचना नहीं मिली है, लेकिन मुरादाबाद और बिजनौर में पानी का स्तर काफी ज्यादा है, संभव है वहां से पानी छोड़ा गया हो।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय फुलियां कलां के मीणा अध्यक्ष व पुरोहित मंत्री बने धनोप राजेश शर्मा

राजेश शर्मा

राजस्थानः रविवार को राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा फुलियां कलां के चुनाव महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कनेछन कलां में संपन्न हुए। दिनेश कुमार शर्मा चुनाव अधिकारी व बालकृष्ण मालू चुनाव पर्यवेक्षक रहे। नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसमें अध्यक्ष रामगोपाल मीणा, मंत्री सत्यदेव पुरोहित, कोषाध्यक्ष देबी लाल कुमावत, सभाध्यक्ष सत्यनारायण गुर्जर, उपसभाध्यक्ष मोहनलाल चौबे व प्रहलाद धोबी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भीम कुमार कोली, उपाध्यक्ष आशीष रायका, अध्यापक प्रतिनिधि सांवरिया लाल शर्मा, प्रधानाचार्य प्रतिनिधि शंकर लाल जाट, शारीरिक शिक्षक प्रतिनिधि बनवारी लाल बैरवा, पुस्तकालय अध्यक्ष प्रतिनिधि महेंद्र सिंह, पंचायत शिक्षक प्रतिनिधि भंवरलाल कुमावत का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। साथ ही प्रदेश महासमिति सदस्य देवीलाल कुमावत, रामगोपाल मीणा, सत्यदेव पुरोहित सत्यनारायण गुर्जर,

रणजीत बैरागी, प्रहलाद धोबी निर्वाचित हुए। कुल 23 सदस्यों का जिला महासमिति सदस्य के रूप में निर्वाचन हुआ। पूर्व अध्यक्ष हनुमान प्रसाद शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामगोपाल मीणा का माल्यार्पण व उपरणा पहनाकर हार्दिक अभिनंदन किया एवं बधाई प्रेषित की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए बताया कि शिक्षकों की समस्याओं को उचित मंच पर उठाया जाएगा। शिक्षक एवं शिक्षार्थी हित में कार्य किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण सुथार, जगदीश प्रसाद तेली, महावीर प्रसाद जाट, प्रशांत चौधरी, ओम प्रकाश सेन, ओम प्रकाश चौधरी, चंद्र प्रकाश स्वर्णकार, आलोक प्रजापति इत्यादि शिक्षक साथी उपस्थित रहे।

दक्षिणपुरी में पानी की किल्लत से जनता बेहाल विधायक प्रेम चौहान की गैरहाज़िरी पर उठे सवाल

कुणाल

दिल्लीः दक्षिणी दिल्ली के दक्षिणपुरी इलाके में पानी की गंभीर समस्या ने स्थानीय निवासियों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। विशेष रूप से 20 नंबर ब्लॉक के निवासी लंबे समय से जल संकट से जूझ रहे हैं। क्षेत्र में लगातार पानी की आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को पीने और दैनिक उपयोग के लिए भी पानी जुटाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वे कई बार अपनी शिकायत लेकर क्षेत्रीय विधायक प्रेम चौहान के पास पहुंचे, लेकिन उन्हें विधायक के कार्यालय में कोई मौजूद नहीं मिला। नाराज लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि न तो कोई प्रतिनिधि समस्या को सुनने आया और न ही अब तक कोई समाधान प्रस्तुत किया गया है। इस मुद्दे पर जब जनता ने जल बोर्ड (ऊखइ) से संपर्क किया तो वहाँ से भी उन्हें केवल आश्वासन मिला, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इलाके में पानी की सप्लाई बेहद अनियमित हो गई है, जिससे खासकर बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी अब सवाल उठा रहे हैं कि अगर जनप्रतिनिधि ऐसे संकट के समय जनता के साथ खड़े नहीं होंगे, तो फिर उनकी भूमिका क्या है? विरोध स्वरूप कई लोगों ने ब्लॉक में पोस्टर लगाए हैं और जल्द ही प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है। उनका कहना है कि अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे जल बोर्ड और विधायक कार्यालय के बाहर धरना देंगे।

फिलहाल, दक्षिणपुरी की जनता पानी जैसी बुनियादी जरूरत के लिए संघर्ष कर रही है और प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों से राहत की उम्मीद लगाए बैठी है। जल बोर्ड से इस संबंध में संपर्क करने पर कोई आधिकारिक बयान नहीं मिल सका। वहीं विधायक प्रेम चौहान से भी प्रतिक्रिया के लिए संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन खबर लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के द्वारा राजगीर में बहुजन-भीम संकल्प समागम का आयोजन हुआ

अनोज कुमार सिंह

बिहारः लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के द्वारा राजगीर में बहुजन-भीम संकल्प समागम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में 8 जिला के 30 विधानसभा से काफी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान अपने संबोधन के दौरान विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कांग्रेस, राजद और वाम दलों पर संविधान के नाम पर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया।चिराग पासवान ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष ने लोगों को यह कहकर डराने की कोशिश की थी कि अगर एनडीए सत्ता में आया तो संविधान बदल जाएगा और आरक्षण समाप्त हो जाएगा. उन्होंने तंज कसते हुए कहा राहुल गांधी आज संविधान की लाल किताब लहरा रहे हैं।

लेकिन क्या उन्होंने कभी अपनी दादी द्वारा थोपे गए आपातकाल के लिए देश से माफी मांगी।

हीं चिराग पासवान ने जेपी आंदोलन और उस दौर की राजनीति को याद करते हुए विपक्ष पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "जो लोग जेपी आंदोलन में कांग्रेस के खिलाफ लड़े, वही आज उसी कांग्रेस के साथ खड़े हैं। यह उस आंदोलन और आदर्शों का अपमान है।तेजस्वी यादव और आरजेडी पर निशाना साधते हुए चिराग ने कहा कि जब वे सत्ता में थे, तब नौकरी के बदले लोगों से जमीन लिखवा ली गई। अब फिर से वादों के लालच दिए जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि, "पता नहीं इस बार क्या लिखवाने की तैयारी है।चिराग पासवान ने 2020 में बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट का नारा दिया तो कुछ लोगों के पेट में दर्द हो गया।आज फिर चिराग पासवान बिहार लौटना चाहता तो फिर से उनकी पीड़ा बढ़ गई है।

और हमारा खून का एक एक कतरा बिहार के लिए है।चिराग पासवान ने कहा कि इस रैली का उद्देश्य सिर्फ शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि समाज के कमजोर तबकों को भ्रमित करने की विपक्ष की साजिशों के खिलाफ एकजुट करना है।उन्होंने कहा, 'विपक्ष ने अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को डराने की कोशिश की कि आरक्षण खत्म हो जाएगा, संविधान बदल जाएगा. लेकिन हम सबने देखा कि यह सब केवल भ्रम फैलाने की राजनीति थी।चिराग पासवान ने दो टूक कहा कि जब तक वे केंद्र सरकार में हैं, तब तक आरक्षण और संविधान को कोई खतरा नहीं है।उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी पार्टी और वे खुद समाज के पिछड़े, वंचित और अल्पसंख्यक वर्गों के लिए पहरेदार की भूमिका निभा रहे हैं।

चिराग ने कहा 'हम न सिर्फ उनकी आवाज बनेंगे बल्कि उनके अधिकारों की रक्षा भी पूरी ताकत से करेंगे। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव से पूछा सबाल, किया लालू जी अम्बेडकर की प्रतिमा के साथ की गयी अपमान का माफी मांगेंगे।तेजस्वी 20 महिना का समय मांग रहे हैं तो किया आपको बिहार की जनता 20 महिना का समय देंगे तो उस जनता को नौकरी के नाम पर अपने नाम से लिखवाई जमीन को वापस करेंगे।चिराग पासवान को मिटाने के लिए साजिश रची जा रहीं हैं।हम अपने पिता के सपने को पुरा करने के लिए निकला हु, ताकि उनके संकल्प को पूरा किया जा सके चिराग ने कहा कि सभी 243 सीटों पर गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का काम करेगे।उन्होंने अपने संबोधन में विपक्षी दलों, विशेषकर राजद और कांग्रेस पर कड़े प्रहार किए।

उन्होंने कहा की लोकसभा चुनाव में यह भ्रम फैलाया गया कि तीसरी बार मोदी सरकार आने पर लोकतंत्र की हत्या हो जाएगी। सच्चाई यह है कि लोकतंत्र की हत्या 1975 में कांग्रेस और इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाकर की गई थी। उन्होंने कहा कि भविष्य की राजनीतिक योजनाओं के बारे में स्पष्ट करते हुए चिराग पासवान ने घोषणा की, मैं बिहार से चुनाव नहीं लड़ूंगा, मैं बिहार के लिए चुनाव लड़ूंगा।चिराग पासवान सभी 243 सीटों पर बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की सोच को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ेगा।

उन्होंने कहा कि रैली के दौरान अपने दृढ़ संकल्प को दोहराया।जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा तब तक चैन की सांस नहीं लूंगा। मैं चाहता हूं कि बिहार के लोगों को अपने ही पंचायत में रोजगार के अवसर मिलें। चिराग पासवान ने कहा कि यह साल बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस साल बिहार में विधानसभा चुनाव होना है। और यह विधानसभा चुनाव हम लोगों के लिए 5 साल का भविष्य है। चुनाव में लोग झूठी बातों को बोलकर आप लोगों को भ्रमित करेंगे। हम लोगों को उनकी बातों पर ध्यान नहीं देना है। उन्होंने कहा कि मेरी खून का एक-एक कतरा सिर्फ और सिर्फ मेरे बिहार के लोगों के लिए है। मेरे पिता रामविलास पासवान जी के आदर्श बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर थे। आज पूछिए राजद से यही कांग्रेस की सरकार थी जो लंबे समय तक सरकार में रही। 1979 के पहले एक तस्वीर भी भारत के संसद में बाबा साहेब की नहीं थी।

एक ही परिवार की तीन-तीन तस्वीर भारत के संसद में हुआ करती थी। पहली बार भारत के संसद में किसी ने बाबा साहेब की तस्वीर लगाने का काम किया तो वह हमारे आदरणीय नेता रामविलास पासवान थे।इस अवसर पर सांसद अरुण भारती, सांसद वीणा देवी , सांसद शांभवी चौधरी, सांसद राजेश वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, प्रदेश महासचिव एवं प्रभारी प्रमोद सिंह, प्रदेश प्रवक्ता डाक्टर विभय कुमार झा, छात्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यामिनी मिश्रा, राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र सिंह, महासचिव मंजू देवी, जिला अध्यक्ष सत्येंद्र मुकुट सहित अन्य लोग उपस्थित थे। राजगीर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे हजारों कार्यकताओं के उत्साह को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। जब चिराग पासवान अपनी गाड़ी की छत पर बैठकर समर्थकों का अभिवादन कर रहे थे, तो उत्साहित कार्यकर्ता उनकी गाड़ी पर चढ़ गए, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सुरक्षा बलों को काफी मशक्कत के बाद उन्हें मुख्य मंच तक पहुंचाना पड़ा। इस घटना में चिराग पासवान की गाड़ी को भी नुकसान हुआ।

सर्व अनुजाति संघर्ष समिति खण्ड महेंद्रगढ़ के प्रधान बने विकास खिंची

मेनपाल

हरियाणाः सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर में महेंद्रगढ़ समिति के त्रिवार्षिक खंड स्तरीय चुनाव करवाने के संबंध में समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया । बैठक का संचालन करते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था, दिल्ली के वाईस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल ने सभा में गत बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिसका सर्व सहमति से अनुमोदन कर दिया गया । इसके बाद गोठवाल ने सभा को सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति द्वारा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी भी दी। तत्पश्चात चुनाव अधिकारी एडवोकेट भीम सिंह दहिया और सहायक चुनाव अधिकारी खण्ड नारनौल के प्रधान सुरेश नारनोलिया व पूर्व लेखाकार हरिराम सिरोहा की अगुवाई में खण्ड महेंद्रगढ़ के विभिन्न पदों का आम सहमति से निर्विरोध चयन कर दिया गया।

जिसमें प्रमुख सलाहकार संतलाल खिंची महेंद्रगढ़, प्रधान विकास कुमार खिंची बचीनी, वरिष्ठ उप प्रधान हरि सिंह खातोद, उप प्रधान राजेंद्र जालवान कोथल खुर्द, सचिव सुमेर सिंह चौहान बधवाना और कोषाध्यक्ष विजयपाल सिसोठ को आम सहमति से निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। समिति द्वारा सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को फूल-मालाएं पहनाकर व बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की फोटो भेंटकर सम्मानित किया गया और समिति के प्रमुख सलाहकार लाला राम नाहर द्वारा सभी पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई ।

तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम, बलिदान और गौरव का प्रतीक है

मेनपाल

हरियाणाः रविवार को विधायक महेंद्रगढ़ कार्यालय पर 15 अगस्त के निमित्त होने जा रही महेंद्रगढ़ विधानसभा में तिरंगा यात्रा के लिए कार्यकताओं की मीटिंग का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा के कार्यक्रम में विधायक महेंद्रगढ़ कंवर सिंह यादव,जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, तिरंगा यात्रा जिला सयोजक अजीत सिंह कलवाड़ी मौजूद रहे।कार्यक्रम का मंच संचालन भाजपा जिला महामंत्री योगेश शास्त्री ने किया।विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन बान शान है।पिछले महीने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तिरंगा यात्राएं निकाली गई थी।अब भारतीय जनता पार्टी के द्वारा 10 से 14 अगस्त तक पूरे हरियाणा प्रान्त में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा।विधायक ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं है।

यह हमारे भीतर राष्ट्र के प्रति समर्पण और बलिदान की भावना जगाने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम, बलिदान और गौरव का प्रतीक है।विधायक ने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर देश की प्रगति में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि आज का भारत विश्व में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। इसमें जनता की एकता व राष्ट्रप्रेम की सबसे बड़ी भूमिका है।विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से देशभक्ति की नई लहर पैदा कर रहा है। तिरंगे के नीचे हम सभी एक हैं, यही हमारी ताकत है।महेंद्रगढ़ विधानसभा तिरंगा यात्रा 14 अगस्त को सुबह 10 बजे सैनीपुरा से शुरू होकर परशुराम चौक,सब्जी मंडी,बालाजी चौक,अम्बेडकर चौक,सीएसडी कैटीन, यादव धर्मशाला, बस स्टैंड,राव तुलाराम चौक होते हुए महाराणा प्रताप चौक पर समापन होगी।जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने बताया कि पूरे देश मे स्वतंत्रता दिवस को पर्व के साथ मनाया जाता है।

इस यात्रा का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ाना और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करना है।10 अगस्त से लेकर 14 अगस्त तक लगातार पांच दिन तक तिरंगा यात्राएं और अनेक कार्यक्रम किए जाएंगे।जिला सयोजक तिरंगा यात्रा अजीत सिंह कलवाड़ी ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा हर कार्यकर्ता के लिए गर्व और सेवा का अवसर है। यह आयोजन पूरे प्रदेश में एक जन आंदोलन का रूप लेगा और भाजपा की राष्ट्रनिष्ठ भावना को जन-जन तक पहुंचाएगा।जिले में कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे और तिरंगे के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

इस अवसर पर तिरंगा यात्रा जिला सह संयोजक संदीप मालड़ा,नांगल सिरोही मंडल संयोजक नीरज बेरी,पाली मंडल संयोजक देशराज फौजी,सतनाली मंडल संयोजक दीवान सिंह, महेंद्रगढ़ सयोजक कैलाश सैनी,किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष पवन खैरवाल,नांगल सिरोही मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार,सतनाली मंडल अध्यक्ष रवि जड़वा,पाली मंडल अध्यक्ष दीपिका, राहुल यादव, मोहनलाल कोथल कलां,विकास यादव, रणधीर सिंह आदलपुर,नरेश सरपंच खुड़ाना, कृष्ण सरपंच देवनगर, व्यापार मंड़ल अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, प्रवीण कुमार, प्रदीप लावन, सोमवीर खातोद, शिवम जांगड़ा, प्रेम फौजी, सुमित गोयल, कृष्ण ठेकेदार, कैप्टन सुरेश कुमार, आदि बीजेपी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने हिस्सा लिया।

पीएस बैंडलागुदा के अनैतिक तस्करी में शामिल तीन आरोपी को गिरफ्तार किया गया

मोहम्मद रफीक अली

आंध्र प्रदेशः A-1 Hsjers begum d/o लेट वली मोहम्मद खान, आयुः 41 वर्ष, ओसीसीः गृहिणी, आर/ओः एसएएसईएनए अस्पताल के बैकसाइड, इस्माइल नगर, बंडलगुडा, हैदराबाद अ-2 शाहनाज फत्थिमा w/o मिर्जा एथर अली बेग एजः 32yrs, occ: ऑर्केस्ट्रा में डांसर, आर/ओः एच नंबर 12-2-323/सी, मुराद नगर, मेहदीपत्नम, हैदराबाद ए -4 मोहम्मद समीर एस/ओ मोहम्मद याखुब, आयुः 23 वर्ष, ओसीसीः ऑटो ड्राइवर, आर/ओ हजी भाई होटल, सी-ब्लॉक, हाफेज बाबा नगर, कांचन बाग, हैदराबाद के पास ए -3 रुपा एन/ओ ढाका बांग्लादेश (फरार) ए -5 सरवर आर/ओ हैदराबाद (फरार) आरोपियों के एड्रेस।

पीड़ित लड़की में 08-08-2025 को हैदराबाद के पीएस बैंडलागुडा आया, जिसमें उसने कहा कि वह बांग्लादेश देश की मूल निवासी है। रूपा एन/ओ ढाका बांग्लादेश नाम से उसकी एक पड़ोसी महिला, शिकायतकर्ता उसके स्कूल से लौटते समय अक्सर उसे काफी बार यात्रा करता था और उससे बात करता था। रूपा साड़ी का काम करता था और शिकायतकर्ता से बहुत नरम से बात करता था और उसकी सुंदरता की अक्सर प्रशंसा करता था। जबकि फरवरी -2025 के महीने में, उक्त रूपा ने शिकायतकर्ता को सूचित किया कि भारत यात्रा करने के लिए एक बहुत अच्छी जगह है और उसे भारत जाने के लिए उसके साथ जाने के लिए कहा और उसे अपने घर पर किसी के बारे में नहीं बताने के लिए कहा कि वे उसे जाने नहीं देंगे। शिकायतकर्ता ने उसी के लिए सहमति व्यक्त की और वह रूपा के साथ रुपा के साथ एक नाव द्वारा अवैध रूप से भारत आया, रात के समय में एक नदी पर रुपिया की बेटी के रूप में खुद का प्रतिनिधित्व करके।

भारत में पार करने के बाद, रूपा के साथ शिकायतकर्ता पश्चिम बंगाल के कोलकट्टे गए और बाद में वे ट्रेन से हैदराबाद आए। हैदराबाद आने के बाद वे मेहदीपत्नम में एक शाहनाज/ए -2 घर गए और रूपा ने पीड़ित को शाहनाज को सौंप दिया और चले गए। बाद में समीर-ए 4 शाहनाज के घर आए और पीड़ित को इस्माइल नगर में हजेरा के ए 1 के घर में ले गए और हेजेरा के घर पर उसे छोड़ने के बाद समीर चले गए। समीर जाने के बाद, हेजेरा ने उसे सूचित किया कि उसे गैलिज काम (वेश्यावृत्ति) के लिए भारत लाया गया है और उसे ऐसा करने के लिए कहा गया है जैसा कि निर्देश दिया गया है और उसे अवैध प्रवास के मामले में फंसाया जाएगा और उसे जेल भेज दिया जाएगा। वह भयभीत हो गई और जैसे - जैसे वह असहाय थी। वह उसी के लिए सहमत हो गई और दो दिनों के बाद समीर अपने ऑटो में आया और उसे एक होटल के कमरे में ले गया और वहाँ एक अज्ञात व्यक्ति आया और उसके साथ संभोग किया और चला गया। व्यक्ति के चले जाने के बाद, समीर कमरे में आया और उसे हेजेरा के घर वापस ले गया और उसे पता चला कि घर इस्माइल नगर, बैंडलागुडा और उसी शेड्यूल में है।

कुछ दिनों तक जारी रहा। उसके बाद पीड़ित को शाहनाज के घर में स्थानांतरित कर दिया गया और वहां भी उसे होटल के कमरों में वेश्यावृत्ति में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। फिर से उसे हजेरा के कमरे में स्थानांतरित कर दिया गया और उसे वेश्यावृत्ति करने के लिए मजबूर किया गया। वही पिछले 06 महीनों और लगभग 10 दिनों पहले जारी किया जा रहा है, जब वह हेजेरा के घर पर थी और जबकि समीर उसे होटल और होटल से हजेरा के घर ले जा रहा था, उसने एक बोर्ड को पुलिस स्टेशन पढ़ते हुए देखा। उसने पुलिस की मदद लेने का फैसला किया और आज जबकि समीर ने उसे होटल में छोड़ दिया था और जब वह अपना ऑटो पार्क करने गया था, तो वह सड़क पार कर गई और पुलिस स्टेशन में भाग गई और पूछताछ के बाद उसने उपरोक्त बयान महिला पुलिस अधिकारी को दिया।

उपरोक्त बयान पर Bsndlsguds ने मामले को पंजीकृत किया और जांच की और अभियुक्त व्यक्तियों को उनके संबंधित निवासों से, अ-1, इस्माइल नगर से अ-1, मेहदीपत्नम से अ-2 और 08.08.2025 पर हाफेज बाबा नगर से अ-4, जब वे अज्ञात स्थानों से भागने की कोशिश कर रहे थे। शिकायतकर्ता (03) के अलावा अनैतिक तस्करी के अधिक पीड़ित जिन्हें पश्चिम बंगाल से ए -5 द्वारा लाया गया था और ए -2 को सौंप दिया गया था, को मेहदीपत्तनम में कमरे से बचाया गया था, जिसे ए -2 द्वारा किराए पर लिया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक रिमांड के लिए अदालत के समक्ष पेश किया जा रहा है। संबंधित बचाव घर में उन्हें भेजने के लिए माननीय अदालत के समक्ष पीड़ितों का उत्पादन भी किया जा रहा है। इस मामले में आरोपी व्यक्ति ढाका और ए - 5 सरवर के ए -4 रुपिया मूल निवासी हैं और फरार अभियुक्त व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के प्रयास हैं। गिरफ्तारी स चैतन्य कुमार, आईपीएस, डीसीपी साउथ ईस्ट जोन, हैदराबाद सिटी, ए सुधाकर, असिस्ट की प्रत्यक्ष देखरेख में की गई थी। पुलिस आयुक्त, चांदरींगुत्ता डिवीजन और श्री आर देवेंद्र, रलड ढर इअठऊ छअक्रव्रऊअ, हैदराबाद।

एक नजर

तहसील करनैलगंज अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का डीएम ने किया निरीक्षण

दीपक कौशल/उत्तर प्रदेशः तहसील करनैलगंज अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ग्राम नकहरा का आज जिलाधिकारी गोंडा प्रियंका निरंजन ने भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से प्रभावित परिवारों की स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामवासियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर संभव मदद के लिए तत्पर है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों को समय से राहत सामग्री, सुरक्षित आश्रय स्थल और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को राहत सामग्री से वंचित न रहना पड़े।

निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा स्वयं बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को बाढ़ राहत सामग्री किट वितरित की गई। इस किट में सूखा राशन, आवश्यक दवाइयाँ, पीने का स्वच्छ पानी, साफ-सफाई की सामग्री और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएँ शामिल थीं। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की प्राथमिकता है कि संकट की इस घड़ी में हर प्रभावित नागरिक तक सहायता समय से पहुँचे। जिलाधिकारी के साथ तहसीलदार करनैलगंज, आपदा प्रबंधन टीम, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं ग्राम स्तरीय कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

भोजली तिहार भगवान तिहार का भव्य आयोजन ग्राम पंचायत कपिस्दा में आयोजित किया गया

मोहनीश कुमार धीवर/छत्तीसगढ़ः चांपा विकासखंड, बम्हनीडीह,ग्राम पंचायत कपिस्दा में इस वर्ष भोजली तिहार (भगवान तिहार) का पारंपरिक एवं भव्य आयोजन सरपंच और पंचगणों के मार्गदर्शन में बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से संपन्न हुआ। यह आयोजन ग्रामवासियों की एकजुटता, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक आस्था का प्रतीक बनकर सामने आया। सुबह से ही गांव में ढोल-नगाड़ों, बाजा-गाजे और पारंपरिक गीत-संगीत की मधुर धुनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे, हाथों में पूजा सामग्री लिए, जुलूस के रूप में भोजली माता की शोभायात्रा में सम्मिलित हुए।कार्यक्रम की शुरूआत पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन के साथ हुई, जिसमें ग्राम के सभी वर्गों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। ग्रामीण महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए भोजली माता के आगे नारियल, फल, फूल और दीप अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त कर रही थीं।

पूरे आयोजन में श्रद्धा और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला।ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती विष्णु बालेश्वर चंद्रा जी और उपसरपंच पवन पटेल जी और समस्त पंचो ने इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों का अभिनंदन किया और त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महिलाओं को सियालदह (पारंपरिक वस्त्र) और साड़ी भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही, विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया। सरपंच ने कहा कि ऐसे पर्व न केवल हमारी परंपराओं को जीवित रखते हैं, बल्कि समाज में एकता,भाईचारा और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। पंचगणों और ग्रामवासियों ने सरपंच के इस पहल की सराहना करते हुए उनके नेतृत्व की प्रशंसा की। पूरे कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने पारंपरिक नृत्य एवं गीत प्रस्तुत कर माहौल को और भी आनंदमय बना दिया। आयोजन के दौरान ग्राम पंचायत के सहयोग से श्रद्धालुओं के लिए जलपान और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई।

गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी शताब्दी को खूनदान कैंप आयोजित किया गया

गुरमीत सिंह/पंजाबः धन धन श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी, भाई मति दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी की 350वीं शहीदी शताब्दी की स्मृति में गुरुद्वारा बाबा राजा राम (हरचोवाल) में एक विशेष खूनदान कैंप लगाया गया। इस कैंप में स्थानीय लोगों ने बड़ी उत्सुकता से भाग लिया और मानव सेवा के इस नेक काम में अपना कीमती योगदान दिया। कैंप का आयोजन मास्टर निर्मल सिंह लोक सेवा मंच (रजि.) बहूरियां सैनियां, काहनूवान, गुरदासपुर की ओर से किया गया। मंच के प्रधान इकबाल सिंह सोनू ने कहा कि यह खूनदान कैंप गुरु साहिबान की शिक्षाओं से प्रेरित होकर समाज में सेवा की भावना को मजबूत करने के लिए लगाया गया था। कैंप में 18 वर्ष से 65 वर्ष तक के युवाओं ने जोश के साथ खूनदान किया।

कैंप की सफलता में बब्बर हार्ट केयर सेंटर एंड जनरल हॉस्पिटल का अहम योगदान रहा, जहां से डॉक्टरों की टीम विशेष तौर पर पहुंची थी। इस टीम ने रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच की और रक्त संग्रह को पूरी सुरक्षा के साथ पूरा किया। इसके साथ ही, ब्लड सेंटर, कॉलेज रोड, गुरदासपुर (पंजाब) ने भी जरूरी सहायता दी। इस अवसर पर कई एनआरआई भाई और स्थानीय लोगों ने गुरु साहिबान की शहीदी को श्रद्धांजलि देते हुए खूनदान किया। आयोजकों ने जानकारी दी कि अगर कोई रक्तदाता अपनी ब्लड टेस्ट करवाना चाहे, तो बब्बर हॉस्पिटल की ओर से कुछ टेस्ट मुफ्त में उपलब्ध कराए जाएंगे। ऐसे कैंप स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के अलावा समाज में एकता और सेवा भाव को भी बढ़ावा देते हैं।

संपादकीय

रूस-अमरीका में शीत युद्ध

अमरीका के रूस-विरोधी रवैये के मद्देनजर शीत युद्ध के आसार बन गए हैं। रूस और अमरीका के बीच 8 दिसंबर, 1987 को एक संधि हुई थी कि दोनों देश 500 किमी. से 5000 किमी. तक प्रहार करने वाली मिसाइलों को नष्ट करेंगे। रूस ने 38 साल पुरानी वह संधि रद्द कर दी है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ थोपा है, उसका बुनियादी कारण रूस ही बताया है। अमरीकी राष्ट्रपति को रूस के साथ तेल और हथियारों के, भारत के कारोबार पर, घोर आपत्ति है। रूस ने न केवल टैरिफ बढ़ाने की निंदा की है, बल्कि अमरीका के साथ 38 साल पुरानी संधि भी तोड़ दी है। नतीजतन परमाणु युद्ध के खतरे की आशंकाएं बढ़ गई हैं। वैसे भी रूस के रडार पर सभी नाटो देश हैं। रूस उन पर कभी भी हमला कर सकता है। रूस के पास 16, 000 किमी. तक हमला करने वाली बैलेस्टिक मिसाइलें भी हैं। अमरीका उनके प्रहार की परिधि में है। राष्ट्रपति ट्रंप को पूर्व राष्ट्रपति रीगन के बयान पर चिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा था कि व्यापार और टैरिफ बदला लेने को नहीं होते। दूसरे देश भी पलटवार में ऊंचे टैरिफ लगा सकते हैं। अन्य देशों में नौकरियां जा सकती हैं और अमरीका में भी महंगाई के कारण अराजकता फैल सकती है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप जिस सोच के तहत देशों के आयात पर टैरिफ थोप रहे हैं, उससे रातोंरात अमरीका एक बार फिर महान नहीं बन सकता। फैक्टरियां और कारखाने नहीं खुल सकते। अमरीका देखते ही देखते मैन्युफैक्चरिंग का गढ़ नहीं बन सकता। एक उदाहरण केले का ही लें। अमरीका ने 2024 में 28, 000 करोड़ रुपए का केला आयात किया। उसमें भारत से सबसे अधिक आयात किया गया। अमरीका फल-सब्जियों, ऑटो पार्ट्स, दवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर चिप्स, स्मार्ट फोन आदि के लिए भारत समेत अन्य देशों पर आश्रित है। किस-किस देश पर टैरिफ थोपेंगे? चीन को 90 दिनों की छूट क्यों दी गई है, जबकि अमरीका उसे सबसे बड़ा दुश्मन देश मानता है? अमरीका में 10 फीसदी लोग ही कृषि में नौकरी या काम करते हैं।

कुल 2.21 करोड़ अमरीकी कृषि से जुड़े बताए जाते हैं। अमरीकी प्रशासन को 2025 में ही 3.65 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी किसानों को देनी पड़ी है। अमरीका इस घाटे को पाटना चाहता है, लिहाजा भारत को लगातार बाध्य कर रहा है कि वह कृषि और डेयरी उद्योग के क्षेत्र अमरीका के लिए खोल दे। भारत अनुमति नहीं देने पर अडिग है। भारत-अमरीका के बीच टैरिफ और व्यापार समझौते का मुख्य विवाद यही है।

अमेरिकी दादागिरी पर मोदी की ललकार

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना आसान है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी कृषि ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले।

-ललित गर्ग-

देश के अग्रणी कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि-क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ललकारभरे शब्दों में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का द्योतक है। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित एवं दुर्भावनापूर्ण बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव कभी नहीं आयेगा क्योंकि भारत के लिये यह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। इस समारोह में मोदी ने जो शब्द कहे, वे केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नये भारत, सशक्त भारत की एक स्पष्ट नीति का घोषणा पत्र है, भारत की नई कृषि रणनीति, आत्मनिर्भरता की भावना और अमेरिकी टैरिफ की दादागिरी को खुली चुनौती है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और दुनिया की कोई भी ताकत उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना आसान है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी कृषि ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। इसलिये वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष एवं किसानों की चिन्ता को रखा है। लेकिन ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में बौखलाहट के रूप में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं।

हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा को प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अनुचित और एकतरफा करार दिया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंच पर दबाव में आने वाला नहीं है। अमेरिका की यह टैरिफ नीति, डब्ल्यूटीओ के सिद्धांतों के विरुद्ध और विकासशील देशों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार का प्रतीक है। भारत पर विशेषकर चावल, गेहूं, दलहन, और मसालों के निर्यात में टैरिफ लगाना सीधे-सीधे भारतीय किसानों की आय पर प्रहार है। ऐसे समय में जब भारत कृषि निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है, अमेरिका की यह नीति दादागिरीपूर्ण व्यापारवाद का उदाहरण है। भले ही ट्रंप की टैरिफ पैंतरों ने दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी हो, लेकिन भारत ऐसी चुनौतियों के सामने झुकने वाला नहीं है।

भारत अब केवल अमेरिका या यूरोप पर निर्भर नहीं रहना चाहता। अफ्रीका, खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय कृषि व्यापार समझौते तेजी से किए जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादन का प्रोत्साहन, ह्यमेक इन इंडियाह्व और ह्यवोकल फॉर लोकलह्व के तहत कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को बल दिया जा रहा है, जिससे निर्यात योग्य उत्पादों का मूल्यवर्धन हो सके। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, तकनीक के माध्यम से किसानों को वैश्विक बाजार की जानकारी, टैरिफ डाटा और निर्यात संभावनाओं से जोड़कर किसानों की ताकत को बढ़ाया जा रहा है। भारत टैरिफ के जवाब में टैरिफ की राह पर बढ़ते हुए यदि आवश्यकता पड़ी, तो प्रतिस्पर्धी टैरिफ नीति के तहत अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने से नहीं हिचकिचाएगा। भारत डब्ल्यूटीओ और जी20 आदि मंचों पर आक्रामक कूटनीति का सहारे लेकर अब विकासशील देशों की आवाज बनकर, अमेरिका की एकतरफा नीतियों का जवाब दे रहा है।

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है।

एम.एस. स्वामीनाथन का नाम आते ही भारतीय कृषि का वह स्वर्णिम अध्याय सामने आता है, जब देश अन्न के लिए विदेशों पर आश्रित था और अकाल एक आम त्रासदी हुआ करती थी। 1960 के दशक में स्वामीनाथन ने नॉर्मन बोरलॉग के साथ मिलकर उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवी), उर्वरकों और सिंचाई तकनीक का ऐसा संगम किया जिसने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना दिया। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू हुई हरित क्रांति ने न केवल खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि भारत की कृषि पहचान को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। उनकी रिपोर्टें, विशेष रूप से स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें, आज भी किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें बाजार से न्याय दिलाने की कुंजी मानी जाती हैं। उन्होंने ह्यकिसान केंद्रित कृषि नीतिह्व का विचार दिया, जिसमें किसानों को केवल उत्पादनकर्ता नहीं, बल्कि राष्ट्रनिमार्ता माना गया। मोदी इसी नीति को आगे बढ़ाते हुए न केवल किसानों के हितों के साथ रहे हैं, बल्कि भारतीय कृषि को नये भारत का आधार बनाने के लिये संकल्पबद्ध है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का जोर अब 'अन्नदाता को ऊजार्दाता' बनाने पर है। इसके लिए कृषि के तीन प्रमुख मोर्चों पर काम हो रहा है- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी बनाना। कृषि निर्यात को 50 बिलियन डॉलर से ऊपर ले जाना। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को चरणबद्ध लागू करना, जिससे किसानों को लागत से 50 प्रतिशत अधिक लाभ मिल सके। आज जब हम एम.एस. स्वामीनाथन की वैज्ञानिक दृष्टि को याद करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि उनकी सोच सिर्फ उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि किसान को सशक्त करने, आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक ताकतों के सामने टिके रहने योग्य बनाने की थी।

राहुल के आरोपों पर सर्वोच्च सवाल?

-विजय सहगल-

संसद मे विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक बार फिर विवादों के घेरे मे हैं। 4 अगस्त 2025 को देश की सर्वोच्च नयायालय की पीठ ने राहुल गांधी को भारतीय सेना पर अपमान जनक टिप्पणी और चीन द्वारा भारत की भूमि पर कब्जे के उनके गैरजिम्मेदाराना बयान के लिये जहां एक तरफ लताड़ लगाई, वही दूसरी ओर सीमा सड़क संगठन के पूर्व निदेशक उमाशंकर श्रीवास्तव द्वारा उनके विरुद्ध मानहानि के एक लंबित आपराधिक वाद मे लखनऊ और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा कर राहत भी दे दी है। विदित हो कि अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने 25 अगस्त 2022 को कारगिल की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होने, गलवान घाटी संघर्ष पर टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया था कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किमी॰ भूमि पर कब्जा कर लिया। इस संघर्ष मे भारत के 20 सैनिक शहीद हुए थे। उन्होने यह भी आरोप लगाया था कि चीनी सैनिक अरुणाचल मे हमारे सैनिकों की पिटाई कर रहे है!! राहुल गांधी का ये बयान न केवल काफी मर्मांतक, वेदना और आहत करने वाला था अपितु उन सैनिकों का अपमान था जिन्होने वीरता पूर्वक देश के लिये लड़ते हुए अपना आत्मबलिदान कर प्राणों की आहुति दे दी। उस वीडियो को देश के करोड़ों करोड़ देशवासियों ने स्वयं देखा।

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने राहुल गांधी के कानूनी सलाहकार अभिषेक मनु सिंघवी से तीखे सवाल करते हुए बड़ी आधारभूत टिप्पणी की, कि राहुल गांधी को कैसे पता कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किमी॰ जमीन पर कब्जा कर लिया? चीन द्वारा जमीन कब्जाने का आधार क्या है? चीनी सेना द्वारा भारतीय सैनिकों की पिटाई जैसे आरोपों पर माननीय न्यायालय ने राहुल गांधी के भारतीय होने पर तीखी और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सीमा पर पड़ोसी देश के साथ युद्ध की स्थिति और तनाव हो तो कोई सच्चा भारतीय कैसे सेना का अपमान कर ऐसे वक्तव्य दे सकता है? माननीय न्यायाधीशों ने अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कुछ भी कहने और बोलने पर आपत्ति की। संसद मे विपक्षी दल के मुखिया जैसे संवैधानिक पद रहते हुए, सरकार से सवाल पूंछने के अपने अधिकार का प्रयोग न कर सोश्ल मीडिया पर सवाल पूंछ सनसनी फैलाना अनुचित और असंगत है। उच्चतम न्यायालय द्वारा उक्त आशय के सवाल पर न केवल राहुल गांधी अपितु सभी राजनैतिक पदों पर बैठे महत्वपूर्ण व्यक्तियों के लिये भी एक संदेश हैं कि ह्लबोलने की आजादी के नाम पर बगैर किसी प्रमाण और आधार के आरोप-प्रत्यारोप अनुचित, असंगत और अन्यायपूर्ण है। चीन द्वारा भारत की भूमि पर कब्जा करने के आरोपों पर राहुल गांधी की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि अक्टूबर 2020 राहुल गांधी ने चीन द्वारा भारत की 1200 वर्ग किमी॰ जमीन कब्जाने का आरोप लगाया, वहीं दिसंबर 2022 मे 2000 वर्ग किमी॰ और अप्रैल 2025 मे 4000 वर्ग किमी भारतीय जमीन को चीन द्वारा कब्जाने का आरोप लगाया। कहने का तात्पर्य यह है कि राहुल गांधी किसी भी आरोप पर संजीदा नहीं रहते। वे बड़े चलताऊ ढंग से स्वयं ही मामले को उठा कर उसकी विश्वसनीयता पर स्वयं ही प्रश्न चिन्ह खड़ा कर देते हैं जो उचित प्रतीत नहीं होता।

लेकिन दक्ष और सक्रिय राजनैतिक पंडितों को माननीय उच्चतम न्यायालय की राहुल गांधी के विरुद्ध तीखी फटकार और टिप्पणियों पर कोई आश्चर्य नहीं हुआ होगा क्योंकि ये कोई पहला मौका नहीं था जब माननीय न्यायालय द्वारा उनके वक्तव्यों और कथनों पर उनके विरुद्ध सख्त और अप्रिय टिप्पणी या कठोर निर्णय न लिये गए हों। राहुल गांधी द्वारा पहले भी बिना किसी आधार और सबूतों के व्यक्तियों, समुदायों और अपने विरोधियों पर असहज, अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणियाँ की जाती रही हैं। राहुल गांधी के इन कृत्यों पर विभिन्न न्यायालयों ने समय समय पर डांट और फटकार कर माफी मांगने, चेतावनी देने और सजा देने के निर्णय दिये हैं। माननीय पाठकों को स्मरण होगा कि मई 2019 मे ह्लचौकीदार चोर हैह्व पर अदालत को गलत ढंग से उद्धृत करने के लिये सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी थी।

13 अप्रैल 2019 को कर्नाटक के कोलार मे एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि ह्लसभी चोरों के सरनेम मोदी क्यों?ह्व इस आरोप के विरुद्ध मानहानि के केस मे सूरत के एक न्यायालय ने 23 मार्च 2023 को राहुल गांधी को दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई जिसके कारण उनकी संसद सदस्यता समाप्त हो गयी थी पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक के बाद अभी मामला कोर्ट मे लंबित है।

14 दिसम्बर 2018 मे राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद पर राहुल गांधी द्वारा बेबुनियाद, निरधार और तथ्यहीन आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय मे किसी भी तरह की अनियमिताओं और भ्रष्टाचार से इंकार किया। 14 नवंबर 2019 को अपने निर्णय पर पुनर्विचार की याचिका को खारिज करते हुए अपने निर्णय को कायम रक्खा। इस तरह राहुल गांधी के झूठे आरोपों की हवा निकाल दी। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय पर सरकार ने इसी बात का संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को संसद के भीतर और बाहर जनता से माफी मांगने की मांग की थी। आरएसएस पर आरोप, स्वतन्त्रता सेनानी वीर सावरकर पर अशिष्ट टिप्पणी, अमित शाह को मर्डर अभियुक्त कहने जैसे अनेक मामले हैं, जब राहुल गांधी ने आरोप लगा कर सनसनी फैला कर वाहवाही लूटी पर कभी कोई प्रमाण आदि नहीं दिये। राहुल का ये स्वभाव है, लोकतन्त्र मे बोलने की आजादी के नाम पर आरोप लगाओ और भाग जाओ।

राहुल गांधी जैसे जिम्मेदार नेता चीनी सेना के सैनिकों द्वारा भारतीय ह्लसैनिकों की पिटाईह्व जैसे गली छाप, ओछे शब्दो का उपयोग कैसे कर सकते है? बड़ा खेद और अफसोस है नेहरू-गांधी जैसे देश के सबसे बड़े प्रभावशाली राजनैतिक परिवार के सदस्य होने के नाते राहुल गांधी, क्या अपने आप को देश के कानून और संविधान से उपर समझते हैं? लेकिन लोकतन्त्र का तकाजा हैं कि राहुल गांधी को संवैधानिक संस्थाओं, लोगों, समूहों के स्वाभिमान और सम्मान को ठेस पहुंचाये बिना, उनके विरुद्ध अनर्गल, आधारहीन और ओछे आरोप लगाने से बचना चाहिये।

प्रकृति से छेड़छाड़ निरंतर घातक

-रामलाल पाठक-

प्रकृति ने जीवन जीने के लिए अनमोल उपहार दिए हैं लेकिन बदले में हमने प्रकृति को गहरे जख्म दिए। परिणाम स्वरूप अब प्रकृति ने भी अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया। सबसे अनमोल उपहार वायु और जल है। इसके बिना धरती पर प्राणधारियों का अस्तित्व ही नहीं है। प्रकृति से छेड़छाड़ से वायुमंडल प्रदूषित हो रहा है। पहाड़ों का सीना छलनी हो रहा है। अंधाधुंध पेड़ों का कटान होने से पहाड़ नंगे हो रहे हैं। खनन होने से प्राकृतिक जलस्रोत लुप्त होने लगे हैं। हर साल बरसात का मौसम भयंकर तबाही लेकर आता है। हिमाचल एवं उत्तराखंड के अनेक पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने की दिल दहलाने वाली घटनाएं होती है तथा जान-माल की भारी क्षति होती है। कई जगह तो पूरे-पूरे गांव का नामोनिशान तक मिट जाता है। अनेक जिंदगियां भूस्खलन में हमेशा के लिए दब जाती हैं या पानी के बहाव में बह जाती हैं। जाने वाले तो परिजनों को उम्र भर के जख्म दे जाते हैं लेकिन सब कुछ तबाह होने के बाद जो बच जाते हैं उनकी जीवन भर की कमाई मिट्टी में मिल चुकी होती है। इससे वे तन और मन से भी टूट जाते हैं। जब ऐसी घटना होती है, तो उनकी स्थिति यह हो जाती है कि उनके पास तन पर पहने कपड़े ही रह जाते हैं। इसके अलावा खाने-पीने के लिए भी कुछ नहीं रह जाता। यह सब प्रकृति का दोष नहीं है। हम प्रकृति से बहुत कुछ ले रहे हैं, लेकिन दे रहे तो गहरे जख्म। नतीजतन अब प्रतिशोध को तो भुगतना ही पड़ेगा। बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि धरती पर कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। कारखानों के जहरीले धुएं से वायुमंडल प्रदूषित हो रहा है तथा केमिकल युक्त पानी से धरती में जहर घुल रहा है। नदियों-खड्डों से रेत और बजरी का अंधाधुंध बेतरतीब खनन हो रहा है। सडकों और सुरंगों के निर्माण से पहाड़ खोखले हो रहे हैं। पर्यावरण संतुलन काफी बिगड़ गया है, धरती का तापमान बढ? से हिमालय के सदियों पुराने ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। धरती पर कंक्रीट के जंगल बन जाने से बरसाती पानी का ठहराव नहीं हो रहा है। पहाड़ों में भूस्खलन से तबाही हो रही है तथा खड्डों-नालों में भयंकर बाढ़ आ रही है। पर्यावरण संतुलन गड़बड़ाने भी बादल फटने जैसी घटना का कारण रहा है।

बादल फटने की घटनाएं आधी रात या उसके बाद होती है। जब लोग गहरी नींद में सोए होते हैं। फिर भी यदि किसी की नींद खुल जाए, तो वह अपने आसपास क्षेत्र से किसी को मदद के लिए भी नहीं बुला सकता है। हर प्रकार का संपर्क कट जाता है। बिजली गुल हो जाती है। तबाही वाले स्थान पर भयंकर मंजर होता है। बचने-बचाने के लिए दर्दनाक चीख पुकार होती है। जो लोग किसी तरह बच जाते हैं वे अपनों को ढूंढते हैं। जब तक राहत और बचाव कार्य शुरू होता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है तथा अपूर्णीय क्षति हो जाती है। उसकी भरपाई करना बहुत मुश्किल हो जाता है। यह सब प्रकृति से हो रही छेड़छाड़ का परिणाम है। हर साल बड़ी घटनाएं होने के बावजूद न तो मनुष्य सबक ले रहा है और न ही प्रशासन व सरकार इस बारे में गंभीर है। नतीजतन हर वर्ष यही क्रम चलता जाता है। कुछ लोगों के पास घर बनाने के लिए नदी-नालों के किनारे या दरकने वाले पहाड़ों की ओट में अपनी जमीन होती है। इसलिए मजबूरी में ही उन्हें वहां अपना आशियाना बनाना पड़ता है। प्रकृति से खिलवाड़ करने वाले कई लोग पहाड़ों का सीना चीर कर अपनी बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर देते हैं। इससे पहाड़ खोखले हो रहे हैं। भारी बारिश होने से बड़ी मात्रा में भूस्खलन होता है। हर साल पहाड़ दरक रहे हैं तथा भविष्य के लिए खतरा निरंतर बढ़ता ही जाता है। नतीजतन बड़ी-बड़ी इमारतें ताश के पत्तों की तरह बिखर जाती हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में फोरलेन के निर्माण हो रहे हैं। इससे अवैज्ञानिक ढंग से पहाड़ों का कटान हो रहा है। लंबी-लंबी सुरंगे बनाई जा रही हैं। इससे पहाड़ खोखले हो रहे हैं। यह भी तबाही का बड़ा कारण है। जंगलों का बेरहमी से कटान हो रहा है। सिकुड़ते जंगल और पत्थरों का बेतरतीब अंधाधुंध खनन से भी पहाड़ दरक रहे हैं। भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर होते हैं। हर वर्ष होने वाली इस तबाही से करोड़ों का नुकसान होता है। समाज के विकास में लगने वाले सरकार के बजट का काफी हिस्सा प्रभावितों को राहत के तौर पर वितरित करना पड़ता है। बरसात के बाद जनजीवन को पटरी पर लाने के लिए वर्षों का समय लग जाता है। पहाड़ों के दरकने से हर वर्ष कई जिंदगियां दफन हो जाती हैं। अनगिनत पालतू पशु भूस्खलन की भेंट चढ़ जाते हैं अथवा पानी के तेज प्रवाह में बह जाते हैं।

कई लोग अपने आशियाने के अंदर ही दब जाते हैं। उस परिवार का सदा-सदा के लिए अस्तित्व ही मिट जाता है। बहुमूल्य सरकारी व निजी संपत्ति मिट्टी में मिल जाती है।

टकराव की राजनीति से कमजोर होगा शासन

-योगेंद्र योगी-

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ठान लिया है कि हर हाल में केंद्र सरकार और स्वायत्त संवैधानिक संस्थाओं का विरोध करना है। सीमा संबंधी विवादों में जिस तरह पाकिस्तान और चीन से भारत का टकराव रहता है, ठीक ऐसी ही हालत ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल की हो गई है। ममता का बस चले तो अदालतों के निर्णयों को भी नहीं माने, किंतु अवमानना के भय से मानना मजबूरी बन गई है। विवादों की इसी श्रृंखला में केंद्रीय चुनाव आयोग से टकराव की एक कड़ी ओर जुड़ गई है। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के निर्देश पर चार अफसरों को निलंबित करने से इंकार कर दिया। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने में कथित चूक को लेकर राज्य सरकार के चार अधिकारियों और एक डाटा एंट्री ऑपरेटर को निलंबित करने का निर्देश दिया था। ममता ने चुनाव आयोग के इस कदम की वैधता पर सवाल उठाया और आयोग पर भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम उन्हें निलंबित नहीं करेंगे। ममता ने निर्वाचन आयोग को भाजपा का बंधुआ मजदूर करार देते हुए कहा कि वे अमित शाह और बीजेपी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। चुनाव आयोग से इस टकराव से कुछ दिनों पहले अवैध बांग्लादेशियों की शिनाख्त और उन्हें वापस भेजे जाने के मुद्दे को लेकर भी ममता सरकार ने इसी तरह का रुख अख्तियार किया था। अल्पसंख्यक वोट बैंक को हर हाल में अपनी तरफ रखने के प्रयासों के तहत ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के मुद्दे पर दिल्ली पुलिस की तरफ से भेजे गए पत्र में भाषा और शब्दों पर आपत्ति जताई थी। दिल्ली पुलिस ने वैध दस्तावेजों के बगैर भारत रह रहे 8 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के संबंध में बंग भवन के कार्यालय प्रभारी को एक पत्र लिखा था। ममता बांग्लादेशी शब्द लिखने पर भडक गई। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार को बंगाल विरोधी तक करार दे दिया। इस पर भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने ममता बनर्जी को भाषाई संघर्ष भडकाने के लिए, शायद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत भी जवाबदेह ठहराया।

वोट बैंक के लिए ममता बनर्जी की तुष्टिकरण का ही परिणाम है कि मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भडक गई थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय एजेंसियों और स्वायत्तशाषी संस्थाओं से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के टकराव की फेहरिस्त काफी लंबी है। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के डायमंड हार्बर में हुए रोड शो के दौरान पथराव और हमले में सुरक्षा चूक को लेकर पश्चिम बंगाल डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी से जवाब तलब किया था। राज्य सरकार ने कोरोना का हवाला देकर दोनों अधिकारियों को भेजने से इंकार कर दिया। इससे पहले केंद्र ने जेपी नड्डा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे तीन आईपीएस अधिकारियों को डेप्युटेशन पर भेजने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में पहले से ही आईपीएस अधिकारियों की संख्या काफी कम है। ऐसे में तीन अधिकारियों को डेप्युटेशन पर भेजना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अम्फान तूफान प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के दौरान प्रोटोकाल की परवाह किए बगैर ममता बनर्जी बैठक में शामिल नहीं हुई। देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब सबसे बड़ी जांच एजेंसी के पांच अधिकारियों को राज्य की पुलिस ने हिरासत में ले लिया। शारदा चिट फंड घोटाले की जांच कर रही सीबीआई टीम कलकत्ता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के घर पहुंची। पुलिस कमिश्नर के घर पर तैनात गार्ड ने सीबीआई टीम को अंदर आने से रोक दिया। पुलिस सीबीआई के रिजनल दफ्तर पहुंची। पुलिस ने सीबीआई के पांच अधिकारियों को हिरासत में भी ले लिया। सीबीआई की कार्रवाई के विरोध में ममता बनर्जी मेट्रो चैनल के पास धरने पर बैठ गईं। देश में संवैधानिक ढांचे का ऐसा मजाक शायद ही किसी राज्य में उड़ाया गया हो, जहां भारतीय सिविल सेवा का अधिकारी धरने पर शामिल हुआ हो। सिविल सेवा के अधिकारी होते हुए कलकत्ता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार अपने घर से बाहर निकले और ममता बनर्जी के साथ धरने पर बैठे। कई जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंके गए और हावड़ा-हुगली में ट्रेन को रोक दिया गया। इसके अलावा देश में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के संबंधों में कटुता की पश्चिमी बंगाल में सारी हदें पार हो गई। विधानसभा के वषार्कालीन अधिवेशन के दौरान राज्यपाल रहे जगदीप धनखड़ ने अभिभाषण के मसौदे में से कुछ हिस्सों को बदलने की मांग की। लेकिन सरकार ने इससे साफ इंकार कर दिया। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने राज्यपाल धनखड़ पर जैन हवाला मामले में शामिल होने और हरियाणा में विवेकाधीन कोटे से जमीन का अवैध आबंटन कराने के मामले में शामिल होने का आरोप लगाया।

राजभवन में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में राज्यपाल ने ममता के इस आरोप को निराधार करार दिया। राज्यपाल धनखड़ और ममता सरकार के बीच अभिभाषण पर भी विवाद बढ़ गया। देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहले कभी किसी भी राज्य की सरकार ने नहीं किया, जो ममता ने वैधानिक परंपराओं को तिलांजलि देते हुए कर दिखाया। सरकार ने अभिभाषण का मसौदा राजभवन भेजा। लेकिन राज्यपाल धनखड़ ने यह कहते हुए इसमें बदलाव की मांग की कि इसमें लिखी बातों और जमीनी हकीकत में भारी अंतर है। लेकिन उसके बाद ममता बनर्जी ने फोन पर राज्यपाल को बताया कि अब इसमें बदलाव संभव नहीं है। राज्य मंत्रिमंडल ने इस अभिभाषण को अनुमोदित कर दिया। राज्यपाल जगदीप धनखड़ पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद हुई हिंसा को लेकर ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर लगातार हमलावर मुद्रा में रहे। इसके अलावा उन्होंने मुकुल रॉय के बीजेपी छोडकर टीएमसी में शामिल होने के बाद दल बदल कानून को सख्ती से लागू करने की बात कही थी।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

इंफाल में जबरन वसूली करने वाले दो उग्रवादियों समेत छह गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। इंफाल के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में सुरक्षाबलों ने जबरन वसूली में शामिल दो उग्रवादियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के तेलीपती क्षेत्र में दुकानों और लोगों से जबरन वसूली करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के हुइकाप माखा लेइकाई से गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक उग्रवादी को बुधवार को इंफाल पश्चिमी जिले के मोइदांगपोक मानिंग से गिरफ्तार किया गया था, जो आम लोगों से जबरन वसूली और महिलाओं के साथ अपराध के मामलों को डरा-धमकाकर निपटाने में शामिल था। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को काकचिंग जिले के लुसी पाट चिंगखोक क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक इंसास राइफल, एक सिंगल बैरल राइफल और स्थानीय रूप से निर्मित एक पिस्तौल बरामद की है। इसने बताया कि विभिन्न प्रकार के 60 से ज्यादा कारतूस, दो विस्फोटक पैकेट और दो डेटोनेटर भी बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिमी जिले के लांगोल उसोई माखोंग में सुरक्षाबलों ने हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है।

लापता मछुआरे का शव एक सप्ताह बाद समुद्री तट पर मिला

बालासोर (एजेंसी)। समुद्र में लापता हुए ओडिशा के चार मछुआरों में से एक का शव एक सप्ताह बाद बालासोर जिले में समुद्री तट से बरामद हुआ है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक गोपाल गिरि (60), उनके बेटे मधुसूदन (35) और रवींद्र (38) व उनके रिश्तेदार जगन्नाथ पाल (23) 2 अगस्त को समुद्र में मछली पकड़ने गए थे और लापता हो गए थे। इनमें से दो को बचा लिया गया था। तलसारी समुद्री थाने की प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि गोपाल गिरि का शव शुक्रवार को भोगराई प्रखंड में उदयपुर के पास समुद्र तट से बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक इससे पहले जगन्नाथ और मधुसूदन को पड़ोसी पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में दीघा तट के पास से बचा लिया गया था, जबकि रवींद्र गिरि का शव उदयपुर के पास समुद्र तट से बरामद हुआ था।

दिल्ली के जैतपुर में मकान की दीवार गिरने से 7 लोगों की मौत.... महिलाएं, पुरुष और मासूम बच्चियां शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में तेज बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। एक मकान की दीवार गिरने से कई लोग मलबे में दब गए। हादसे में कुल 8 लोग घायल हुए, जिसमें से 7 की मौत हुई है, जबकि एक व्यक्ति अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और रेस्क्यू टीम ने मिलकर तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने बिना समय गंवाए हाथों से मलबा हटाकर फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। हादसे के वक्त ज्यादातर लोग घर के अंदर मौजूद थे। हादसे में घायल हुए 5 लोगों को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 3 अन्य घायलों को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया, जहां सभी की मौत हो गई। एक अन्य घायल व्यक्ति, हाशिबुल, अभी भी सफदरजंग अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर है। मृतकों में महिलाएं, पुरुष और मासूम बच्चियां भी शामिल है। मृतकों में शबीबुल (30 वर्ष), रबीबुल (30 वर्ष), मुत्तु अली (45 वर्ष), रुबीना (25 वर्ष), डॉली (25 वर्ष), रुखसाना (6 वर्ष), हसीना (7 वर्ष) शामिल है। घटना के चश्मदीद और स्थानीय निवासी ने बताया कि जैसे ही हादसा हुआ, लोग बिना देर किए मदद के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने कहा, 'यह हादसा बेहद दर्दनाक था। मलबे से लोगों को निकालने के दौरान स्थिति भयावह थी और ज्यादातर लोग पहले से ही गंभीर रूप से घायल हो चुके थे।' हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है।

पाकिस्तान में 10 में 6 नागरिकों को नहीं मिल रहा पौष्टिक खाना... कंगाल देश की सच्चाई

सूची में भारत स्थिति में हुआ सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताज़ा रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया और पड़ोसी देशों में पौष्टिक आहार की पहुंच को लेकर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 60 प्रतिशत जनता साल 2024 में पौष्टिक और स्वस्थ आहार का खर्च वहन करने में असमर्थ रही। यह न केवल देश की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाता है, बल्कि कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के गहराने की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां आर्थिक कठिनाइयों और बढ़ती महंगाई के कारण अधिकतर लोग पौष्टिक खाना पान का खर्च नहीं उठा पा रहे हैं। 2024 में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ोतरी दिखाता है। इसका मतलब है कि हर 10 में से 6 पाकिस्तानी नागरिकों की थाली में पर्याप्त पोषण नहीं पहुंच रहा। पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश का नाम आता है, जहां 2024 में 44.4 प्रतिशत जनता पौष्टिक आहार तक पहुंच बनाने में असमर्थ रही। हालांकि, बांग्लादेश ने 2017 की तुलना में उल्लेखनीय सुधार किया है। सात साल पहले यहां 65.7 प्रतिशत लोग पौष्टिक आहार नहीं खरीद पाते थे, लेकिन सरकारी नीतियों, आर्थिक सुधारों और खाद्य वितरण कार्यक्रमों के चलते इसमें कमी आई है।

फिलीपींस, श्रीलंका और भारत की स्थिति

फिलीपींस में 44 प्रतिशत और श्रीलंका में 42.9 प्रतिशत लोग पौष्टिक आहार से वंचित हैं। वहीं, भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर हुई है। 2017 में जहां 59.2 प्रतिशत भारतीय पौष्टिक आहार नहीं खरीद पाते थे, वहीं 2024 में यह आंकड़ा घटकर 40 प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद, अभी भी हर 10 में से 4 भारतीय स्वस्थ आहार के खर्च को वहन करने में असमर्थ हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वाले सुन लें... 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया

भारतीय वायु सेना का दावा, एस-40 मिसाइल सिस्टम गेंम चेंजर साबित हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) प्रमुख एयर चीफ मार्शल (एसीएम) एपी सिंह ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि भारत के एस-40 मिसाइल सिस्टम ने हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 5 पाकिस्तानी वायु सेना (पीएफए) के लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। इसके अलावा, एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल/ इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस (एईडब्ल्यू एंडसी/ईएलआईएनटी) विमान को भी 300 किलोमीटर की दूरी से नष्ट किया। साथ ही, उन्होंने बताया कि जेकबाबाद में खड़े कु एफ-16 विमानों और भोलारी एयर बेस पर एक एईडब्ल्यू एंड सी को विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर नष्ट किया।

एसीएम सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपनी हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए एस-400 का इस्तेमाल किया। यह रूस से खरीदा गया एक उन्नत सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है, जो 400 किलोमीटर तक के लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। जो कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के लिए गेंम चेंजर साबित हुआ। इस ऑपरेशन में एस-400 ने शानदार प्रदर्शन कर 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक एईडब्ल्यू एंडसी/ईएलआईएनटी विमान को 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया, जो सिस्टम की रेंज और सटीकता को दिखाता है। एईडब्ल्यू एंड सी विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया जानकारी जुटाने में इस्तेमाल होता है। इसलिए इसका नष्ट होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका हो सकता है। वायुसेना प्रमुख ने दावा किया कि जेकबाबाद एयर बेस पर खड़े कुछ एफ-16 लड़ाकू विमानों को नष्ट किया गया। ये विमान पार्किंग में थे, लेकिन सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना ने उन पर हमला किया। इस तरह, भोलारी एयर बेस पर एक और एईडब्ल्यू एंड सी विमान को निशाना बनाया गया। ये हमले दिखाते हैं कि भारत के पास दुश्मन की गतिविधियों की सटीक जानकारी थी। उसका इस्तेमाल सही समय पर किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई छोटी लेकिन तीव्र सैन्य मुठभेड़ का हिस्सा था। इस दौरान भारत ने अपनी हवाई श्रेष्ठता साबित करने के लिए कई कदम उठाए। एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे हथियारों का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया। यह ऑपरेशन भारत की हवाई रक्षा और सटीक हमले की क्षमता को दुनिया के सामने लाया है।

सैफ अली खान परिवार को सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत, हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्षस्थ न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के पूर्वजों से जुड़े संपत्ति विवाद में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भोपाल के आखिरी नवाब हमीदुल्लाह खान की शाही संपत्ति से जुड़े दशकों पुराने संपत्ति विवाद को नए सिरे से सुनवाई के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया था। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस अतुल चंदुरकर की बेंच ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। बेंच ने नवाब हमीदुल्ला खान के बड़े भाई के वंशजों उमर फारुक अली और राशिद अली की याचिका पर नोटिस जारी किया, जो हाईकोर्ट के 30 जून के आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है जिसमें 14 फरवरी, 2000 के निचली अदालत के फैसले को खारिज कर दिया गया था, जिसमें नवाब की बेटी साजिदा सुल्तान, उनके बेटे मंसूर अली खान (पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान) और उनके कानूनी उत्तराधिकारियों, अभिनेता सैफ अली खान, सोहा अली खान, सबा सुल्तान और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के संपत्ति पर विशेष अधिकार बरकरार रखे गए थे। हाईकोर्ट ने कहा था कि निचली अदालत का फैसला 1997 के इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले पर आधारित था, जिसे बाद में 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया था। हालांकि, 2019 के उदाहरण को लागू करने और मामले का निर्णायक रूप से फैसला करने के बजाय, हाईकोर्ट ने मामले को पुनर्मूल्यांकन के लिए वापस भेज दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के तहत उल्लिखित प्रक्रियात्मक मानदंडों के विपरीत है।

राहुल के आरोप झूठ का पुलिंदा, जिस डाल पर बैठे थे, उसी को काट दिया: भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों को झूठ का पुलिंदा करार दिया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि राहुल जिस डाल पर बैठे थे, उसी को काट दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग (ईसी) जैसे संवैधानिक संस्थान को धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, जो विपक्ष के नेता के पद की गरिमा के खिलाफ है। यादव ने कहा कि अगर राहुल को वाकई आपत्ति है, तो उन्हें मीडिया में आरोप लगाने की बजाय चुनाव आयोग के सामने शपथपत्र देकर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

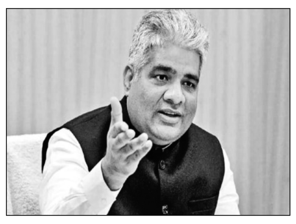

भूपेंद्र यादव ने बताया कि राहुल गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में एक करोड़ नए वोटर जुड़े, लेकिन चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार यह संख्या 40 लाख से थोड़ी अधिक है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपने आरोपों की जो बुनियाद बनाई, वह ही गलत साबित हो गई। यादव ने कहा कि महाराष्ट्र की कई सीटों जैसे मढ़ा, मोहोल, नागपुर वेस्ट और नागपुर नॉर्थ में वोटर की संख्या बढ़ी और वहां कांग्रेस या उसकी सहयोगी पार्टियां ही जीतीं। ऐसे में धांधली का आरोप खुद उनके ही दावे को गलत साबित करता है। यादव ने तंज कसते हुए कहा कि यह तो वही बात हो गई जैसे कोई आदमी जिस डाल पर बैठा हो, उसी को काट दे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सिर्फ एक परिवार के लिए संवैधानिक संस्थाओं की छवि खराब करने में लगी है, चाहे वो चुनाव आयोग हो, संसद हो या सेना।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को पहले सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी थी क्योंकि उन्होंने सेना को लेकर भी गलत बयान दिए थे। अंत में भूपेंद्र यादव ने कहा कि जो लोग संविधान का सम्मान करते हैं, उन्हें संवैधानिक संस्थानों के खिलाफ धमकी भरी भाषा नहीं अपनानी चाहिए।

रिश्तों में बढ़ेगी तल्खी: किसी भी हाल में ट्रंप के टैरिफ के आगे नहीं झुकेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम में भारत की आर्थिक मजबूती पर भरोसा जताते हुए कहा कि वैश्विक व्यापार मार्गों और साझेदारियों में बदलाव के बीच भारत अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है। गोयल ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गतिशील प्रकृति पर प्रकाश डाला और कहा कि दुनिया निरंतर विकसित हो रही है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नया रास्ता तलाश रहा है।

गोयल ने भरोसा जताया कि भारत विजेता के रूप में उभरेगा। ट्रम्प के भारत को डेड इकोनॉमी बताने वाले बयान का जवाब देते हुए गोयल ने तंज कसते हुए कहा कि समझने वाले समझ गए, जो न समझे वो अनाड़ी हैं। गोयल ने भारत की मजबूत आर्थिक नींव पर जोर दिया और कहा कि पूरी दुनिया भारत को सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देख रही है। पूरी दुनिया भारत की ताकत, हमारी डेमोग्राफिक ताकत और 1.4 अरब महत्वाकांक्षी भारतीयों की मांग को पहचान रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत एक विशाल बाजार है। उन्होंने सवाल किया कि आपको क्यों लगता है कि देश हमारे साथ व्यापार या बेहतर बाजार पहुंच के लिए कतार में हैं? यह भारत की बढ़ती वैश्विक निवेश और व्यापार साझेदारी की अपील को दर्शाता है। ट्रम्प के शुल्क से कपड़ा, दवा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में निर्यातकों के बीच चिंता है, जो अमेरिकी बाजार पर निर्भर हैं। गोयल ने वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को एक स्वाभाविक उथल-पुथल बताया, जहां कुछ देश उभरते हैं और कुछ पीछे रह जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह भारत का समय है और भारत को वैश्विक बाजारों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरते हुए देखा जा रहा है। मंत्री ने भविष्यवाणी की कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का निर्यात पिछले वर्ष के रिकॉर्ड 825 बिलियन डॉलर को पार कर जाएगा, जिसमें 437 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के वस्तु निर्यात शामिल थे। ये वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद स्थिर रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा प्रस्तावित 50 फीसदी शुल्क के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने निश्चिंतता जताई। उन्होंने कहा कि

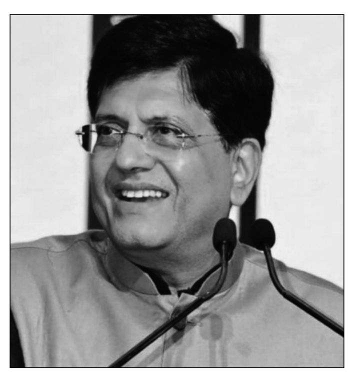

भारत संकट में अवसर तलाशता है। राष्ट्र का मनोबल ऊंचा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत ताकत है।

नीतीश पर चिराग के बयान से नाखुश बीजेपी, बंद कमरे में होगी बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे से पहले एनडीए (एनडीए) गठबंधन में तनाव बढ़ गया है। बीजेपी, एलजेपी (एलजेपी) प्रमुख चिराग पासवान के हाल ही में दिए गए बयानों से नाराज़ है, जिसमें उन्होंने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश कुमार सरकार की आलोचना की थी। बीजेपी का मानना है कि चिराग के ये बयान गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचा रहे हैं और महागठबंधन के खिलाफ लड़ाई को कमजोर कर रहे हैं। इस लेकर बीजेपी के सीनियर नेता सक्रिय मोड में आ चुके है। बीजेपी जल्द ही चिराग पासवान के साथ एक बंद कमरे में मीटिंग करेगी। इस मीटिंग में उन्हें यह साफ़ संदेश दिया जाएगा कि गठबंधन की एकता बनाए रखें और नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। इतना ही नहीं बीजेपी बार-बार यह दोहरा चुकी है कि बिहार में एनडीए का चेहरा नीतीश कुमार हैं, और चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। बात दें कि चिराग पासवान का यह रवैया नया नहीं है, वह पहले भी कड़े तेवर दिखा चुके हैं। बीजेपी ने पहले भी उन्हें संयम बरतने की सलाह दी थी। एनडीए ने सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की है। सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद फाइनल होगा। कुछ लोगों का मानना है कि चिराग नीतीश की आलोचना करके पासवान वोटों को एकजुट रखने की कोशिश कर रहे हैं। राम विलास पासवान के समय से ही एलजेपी और जेडीयू के बीच रिश्ते सहज नहीं रहे हैं।

खतरे के निशान के करीब पहुंचा यमुना का जलस्तर... दिल्ली में बाढ़ की आशंका

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। यमुना नदी का जलस्तर शनिवार सुबह 9 बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर 204.40 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान 204.50 मीटर से बस थोड़ा ही नीचे है। दिल्ली प्रशासन ने इस बात को गंभीरता से लेकर सभी संबंधित विभागों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कह दिया हैं। दरअसल केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अधिकारी ने बताया, यमुना का जलस्तर बढ़ने का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी का छोड़ा जाना है। इसके अलावा, हरियाणा और उत्तराखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश ने भी नदी के जलस्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इसकारण यमुना में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जो कि

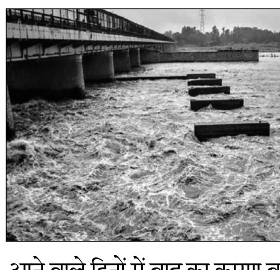

आने वाले दिनों में बाढ़ का कारण बन सकता है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक, वजीराबाद बैराज से हर घंटे करीब 30,800 क्यूसेक और हथिनीकुंड बैराज से 25,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यह पानी दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे का समय लेता है। ऊपरी क्षेत्रों से कम मात्रा में पानी छोड़े जाने के बावजूद, दिल्ली में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

क्या है खतरे का निशान?

दिल्ली में यमुना के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.30 मीटर पर है। यदि जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचता है, तब शहर में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ओल्ड रेलवे ब्रिज यमुना के प्रवाह और बाढ़ के जोखिम को मापने का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। वहीं दिल्ली सरकार ने बाढ़ की आशंका को देखकर सभी जरूरी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। संबंधित एजेंसियों को नदी के किनारे बसे इलाकों में नजर रखने और आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। दिल्लीवासियों से भी अपील की गई है कि वे नदी के आसपास सावधानी बरतें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत सही मायने में विश्व गुरु तब बनेगा जब देश अध्यात्म की और बढ़ेगा: भागवत

दुनिया में कई देश अमीर पर उनके पास अध्यात्म और धर्म नहीं जो हमारे पास है

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया में भारत के विश्व गुरु कहे जाने को लेकर कहा कि विश्व भारत को उसके अध्यात्म के लिए महत्व देता है और इस क्षेत्र में देश को विश्व गुरु मानता है, बजाय इसके कि वह इस बात से आश्चर्यचकित हो कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है। एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि सभी के साथ अच्छाई बांटने और दूसरों के लिए जीने भी भावना ही भारत को सचमुच में महान बनाती है।

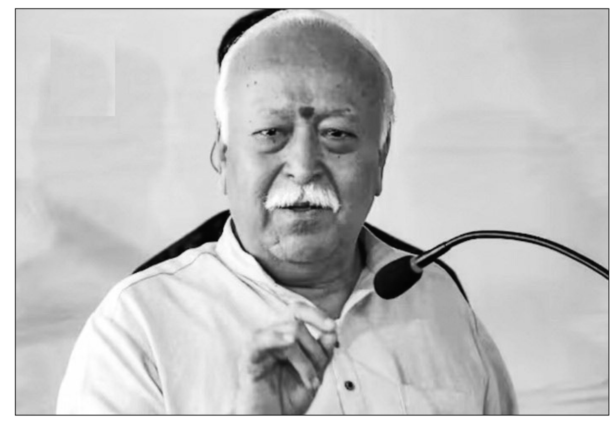

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगर हम 3000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन भी जाएं तो दुनिया को इससे कोई आश्चर्य नहीं होगा, क्योंकि कई देश हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। अमेरिका अमीर है, चीन अमीर हो गया है और कई अमीर देश हैं। कई चीजें ऐसी हैं जो अन्य देशों ने की हैं और हम भी करेंगे, लेकिन दुनिया में अध्यात्म और धर्म नहीं है जो हमारे पास है।

संघ प्रमुख ने कहा कि अर्थ (धन) भी महत्वपूर्ण है इसके साथ ही सभी क्षेत्रों में प्रगति भी जरूरी है, लेकिन भारत सही मायने में विश्व गुरु तब माना जाएगा जब देश अध्यात्म की और आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अध्यात्म और धर्म में यह वृद्धि तब होगी जब हम न केवल त्योहार मनाएंगे और अपनी पूजा पद्धति से काम करेंगे, बल्कि हमारा जीवन भी भगवान शिव की तरह इतना निर्भय हो जाएगा कि हम अपने गले में सांप भी धारण कर सकें। हमारे पास जो गुण, शक्ति और बुद्धि है उसका उपयोग दूसरों के लाभ के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे अंदर जो भी अच्छाई है, उसे हमें सबके साथ बांटना चाहिए। बुराई कुछ हद तक मौजूद है, लेकिन उसे रोका जाना चाहिए और उसे फैलने नहीं देना चाहिए। हमें नकारात्मकता को कभी दूसरों को नहीं देना चाहिए। बल्कि उसे अपने भीतर समेटकर उसे खत्म करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर अच्छाई बांटनी चाहिए। हमें इसी तरह जीना चाहिए ज्यादा से ज्यादा लोग हमसे जुड़ें। अच्छाई बांटने और दूसरों के लिए जीने की यही भावना भारत को सचमुच महान बनाती है।

भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया है कि 2024-25 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है। यह पिछले साल के 1.27 लाख करोड़ से 18 प्रतिशत ज्यादा है, और 2019-20 के 79,071 करोड़ की तुलना में 90 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी है। इस कुल उत्पादन में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) का योगदान लगभग 77 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत रहा। पिछले साल की तुलना में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 21 से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है, जो दिखाता है कि देश के रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इस उपलब्धि का श्रेय केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान और रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की नीतियों को दिया जा रहा है। मोदी सरकार का मुख्य लक्ष्य आयात पर निर्भरता को कम करना और भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों ने इस साल क्रमशः 16 और 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यह रिकॉर्ड वृद्धि दर्शाती है कि भारत का रक्षा उद्योग लगातार मजबूत हो रहा है और आने वाले समय में और भी तेजी से आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

उत्तराखंड में 2015 से 2024 तक 4654 लैंडस्लाइड, 92 एवलांच, 67 बार फटे बादल

-मानसूनी बारिश में हर पल मंडराता है संकट, स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण

देहरादून (एजेंसी)। हिमालयी राज्यों में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। आए दिन भूस्खलन, बादल फटना, एवलांच, बिजली गिरना, आंधी तूफान जैसे घटनाएं होती हैं। बीते कुछ सालों से उत्तराखंड भी ऐसी ही आपदाओं से जूझ रहा है। भले ही उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता हो लेकिन यहां स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। मानसूनी बारिश में हर पल यहां संकट मंडराता रहता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटनाओं के आंकड़ों को आपदा प्रबंधन विभाग तैयार करता है। विभाग के 2015 से लेकर 2024 तक के आंकड़ों को देखें तो पूरे प्रदेश में इन सालों में तकरीबन 4654 भूस्खलन, एवलांच की 92, बिजली गिरने की 259, बादल फटने की 67, तेज़बारिश और बाढ़ की तकरीबन 12758 घटनाएं हुई हैं। इन आकड़ों से पता चलता है कि उत्तराखंड आपदा ग्रसित राज्य है। यही नहीं बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं 13 जिलों में से पौड़ी में सबसे ज्यादा हुई हैं।

वहीं उत्तरकाशी में 2015 से लेकर 2024 तक तकरीबन 1525 घटनाएं हुई, जिसमें लैंडस्लाइड से लेकर बाढ़, एवलांच, ओलावृष्टि, बादल फटना, जंगल में आग की घटनाएं भी शामिल हैं। आंकड़ों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तराखंड में 2015-2024 के दशक में प्राकृतिक आपदाओं से कुल मिलाकर करीब 1100 लोगों की मौत हुई है। इसमें भूस्खलन सबसे बड़ा कारक है, जबकि बाढ़ और अतिवृष्टि और बादल फटना अन्य प्रमुख कारण हैं। सिर्फ लैंडस्लाइड से तकरीबन 319 लोगों ने अपनी जान गंवाई।

पौड़ी जिले के क्षेत्रों में सबसे ज्यादा भूस्खलन और बादल फटने जैसी घटनाओं हुई हैं। बीते 10 सालों के आंकड़ों को देखें तो पौड़ी में सिर्फ भूस्खलन की तकरीबन 2040 घटनाएं हुई। पिथौरागढ़ में 1426, टिहरी में 279, चमोली में 258 और चंपावत 173, उत्तरकाशी में 80, रुद्रप्रयाग में 48, अल्मोड़ा में 30 घटनाएं दर्ज़ हुईं। बता दें हर साल ये सिलसिला यूं ही चलता रहता है। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि नेचुरल डिजास्टर के इम्पैक्ट को कम करने के लिए काम किया जा रहा है। जहां-जहां अक्सर भूस्खलन की समस्याएं आती हैं, वहां इसे रोकने के लिए काम ट्रीटमेंट किया जा रहा है। इसके अलावा, विभाग द्वारा इन सभी प्राकृतिक आपदाओं पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है, जिसकी मदद से उनका अध्ययन किया जाता है। बता दें 5 अगस्त को उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल में आई आपदा ने लोगों को झकझोर दिया है। पानी के साथ आए मलबे से बचने के लिए लोगों इधर-उधर भागते नज़र आए, जिनकी वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अमेरिका 32.5 करोड़ डॉलर की रूसी सुपरयाट अमाडिया की कर रहा नीलामी

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका एक बहुत ही महंगी लग्जरी सुपरयाट अमाडिया की नीलामी कर रहा है, जिसकी कीमत 32.5 करोड़ डॉलर है। यह सुपरयाट रूस की है। अमेरिका ने इसे यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद जब्त कर लिया था। यह पहली रूसी सुपरयाट है, जिसे अमेरिका अब बेच रहा है।

यह नीलामी 10 सितंबर तक चलेगी। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध समाप्त करने का दबाव बना रहे हैं। अमेरिका ने कहा है कि वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर रूस के अमीर लोगों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, जिनमें से कुछ राष्ट्रपति पुतिन के करीबी हैं और उनकी सुपरयाट जब्त कर ली गई हैं। अमेरिका चाहता है कि वे पुतिन को युद्ध रोकने के लिए मजबूर करें।

348 फीट लंबी याट में आठ राजकीय कक्ष

रूसी सुपरयाट अमाडिया को अमेरिका ने तीन साल पहले जब्त किया था। यह याट वर्तमान में सैन डिएगो में खड़ी है, जो 348 फीट लंबी है। इस याट का निर्माण जर्मन कंपनी लुर्सेन ने 2017 में विशेष रूप से किया था। इस सुपरयाट को फ्रांस्वा जुरेट्टी ने डिजाइन किया था। इसका अंदर का हिस्सा संगमरमर का है। इस याट में आठ राजकीय कक्ष, एक ब्यूटी सैलून, एक स्पा, एक जिम, एक हेलीपैड, एक स्वीमिंग पूल और एक लिफ्ट है। इसमें 16 मेहमानों और 36 चालक दल के सदस्यों के रहने की व्यस्था है।

याट का असली मालिक कौन?: अमेरिका द्वारा जब्त की गई अमाडिया का असली मालिक कौन है, यह अभी साफ नहीं है। यह केमैन द्वीप में स्थित मिलमारिन इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के नाम पर रजिस्टर्ड है। अमेरिका का कहना है कि याट के असली मालिक अर्थशास्त्री और पूर्व रूसी राजनेता सुलेमान केरीमोव हैं, जिन पर 2018 से अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। लेकिन सरकारी नियंत्रण वाली रूसी तेल और गैस कंपनी रोसनेफ्ट के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एडुआर्ड खुदैनाटोव इस याट के मालिक होने का दावा कर रहे हैं।

याट की जब्ती के खिलाफ कोर्ट में अपील कर रहे खुदैनाटोवत्र अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि खुदैनाटोव इस याट के एक छद्म मालिक हैं, जिनका उद्देश्य याट के असली मालिक केरीमोव को छिपाना है। खुदैनाटोव इस याट की जब्ती के खिलाफ कोर्ट में अपील कर रहे हैं। उनके वकील एडम फोर्ड का कहना है कि याट की नीलामी गलत है और इसका कानूनी रूप से विरोध किया जाएगा।

तकनीकी गड़बड़ी के चलते यूनाइटेड एयरलाइन्स ने अचानक से रोकीं कई उड़ानें

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका की प्रमुख एयरलाइन यूनाइटेड एयरलाइन्स की कई उड़ानों को बुधवार को अचानक रोक दिया गया, जिससे हजारों यात्रियों को देरी और असुविधा का सामना करना पड़ा। कंपनी ने बताया कि यह कदम एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण उठाया गया है। इस मामले में यूनाइटेड एयरलाइन्स ने बयान जारी कर बताया कि तकनीकी समस्या की वजह से हमने अपनी मुख्य उड़ानों को उनके डिपार्चर एयरपोर्ट पर रोक दिया है। हमें उम्मीद है कि शाम को और भी उड़ानों में देरी हो सकती है। यात्रियों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हम उन्हें गंतव्य तक पहुंचाने की पूरी कोशिश करेंगे।

एफएए ने भी जारी किए आदेश: अमेरिका की उड़ानों को नियंत्रित करने वाली संस्था संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) ने भी यूनाइटेड की उड़ानों पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। यह रोक डेनवर, न्यूआर्क, ह्यूस्टन और शिकागो जैसे बड़े एयरपोर्ट्स पर लागू की गई है। बता दें कि यह कोई पहली बार नहीं है जब अमेरिका की एविएशन सेवाओं में दिक्कत आई हो। अलास्का एयरलाइंस की तकनीकी गड़बड़ी के कारण उसकी फ्लाइट्स घंटों रुकी रहीं। इस साल कई बार नेवार्क एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम फेल हो चुका है। जनवरी में वॉशिंगटन के पास एक यात्री विमान और मिलिट्री हेलिकॉप्टर की टक्कर में दर्जनों लोगों की जान चली गई थी।

संक्षिप्त समाचार

पाक सेना को लगातार निशाना बना रहे बलूच विद्रोही

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच विद्रोहियों ने मंगलवार रात आइइडी हमले में एक मेजर समेत तीन पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या कर दी। तीन अन्य सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले में मारे गए सैनिकों की हुई पहचान घटना स्थानीय समयानुसार रात लगभग 8:00 बजे हुई। एक बुलेटप्रूफ सैन्य वाहन पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला किया गया। हमले में मारे गए सैनिकों की पहचान मेजर रिजवान, नायब सूबेदार अमीन और लांस नायक यूनिस के रूप में हुई है। पाकिस्तानी सेना ने अभी नहीं दी कोई प्रतिक्रिया बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि समूह ने इलाके में एक खुफिया जानकारी पर आधारित अभियान चलाया गया। मेजर रिजवान के काफिले को निशाना बनाने के लिए रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित आईईडी का इस्तेमाल किया गया था। पाकिस्तानी सेना ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। जुलाई के मध्य से अब तक कई हमले हुए द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, जुलाई के मध्य से अलग-अलग घटनाओं में मेजर रैंक के चार सैन्य अधिकारी मारे गए हैं। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को लगातार निशाना बनाना इस बात का संकेत है कि बलूच विद्रोही ने संचालनात्मक और खुफिया क्षमताएं बढ़ा ली हैं। हमलों का उद्देश्य पाकिस्तानी सेना पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाना है।

आयरलैंड के वाटरफोर्ड में 6 साल की भारतीय मूल की बच्ची पर हमला

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड के वाटरफोर्ड में भारतीय मूल की छह साल की बच्ची पर लड़कों ने बेरहमी से हमला किया। हमलावरों ने चिल्लाते हुए कहा, भारत वापस जाओ। बच्ची के निजी अंग पर भी वार किया। आयरलैंड में भारतीय मूल की किसी बच्ची पर यह पहला नस्लभेदी हमला है। हालांकि, देश में पहले अन्य भारतीयों के खिलाफ ऐसे हमले हो चुके हैं। बच्ची सोमवार शाम घर के बाहर दोस्तों के साथ खेल रही थी, तभी हमला हुआ। मां ने बताया कि हमलावरों में आठ साल की लड़की और 12-14 साल के लड़के थे। डबलिन स्थित समाचार एजेंसी द आयरिश मिरर को मां ने बताया कि मैंने उससे कहा था कि मैं बच्ची को दूध पिलाने के बाद वापस आ जाऊंगी, लेकिन बेटी एक मिनट बाद ही परेशान होकर घर आ गई। वह बहुत अधिक डरी थी। रो रही थी और बोल भी नहीं पा रही थी। आयरिश मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, उसकी सहेली ने उसकी मां को बताया कि उनसे बड़ी उम्र के लड़कों ने उसके निजी अंगों पर साइकिल से वार किया और उनमें से पांच ने उसके चेहरे पर मुक्के मारे। उन्होंने कहा, गंदे भारतीय, भारत वापस जाओ। उसके बाल भी मरोड़े। महिला आठ साल से आयरलैंड में रह रही है। वह नर्स है। हाल में आयरिश नागरिक बनी है।

पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में इंटरनेट बंद किया, सुरक्षा कारणों का हवाला दिया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान प्रांत में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दी हैं। पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी के आदेश पर यह कदम उठाया गया है। इसके पीछ सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया है। यह जानकारी द बलूचिस्तान पोस्ट ने दी है। इंटरनेट बंद होने का असर लाखों लोगों पर पड़ा है। पढ़ाई, ऑनलाइन काम, कारोबार और सोशल मीडिया तक पहुंच पूरी तरह ठप हो गई है। खासकर छात्र और इंटरनेट से कमाई करने वाले लोग सबसे ज्यादा परेशान हैं। हालांकि रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फैसला संभावित सुरक्षा खतरे के चलते लिया गया है। लेकिन सरकार ने अब तक इन खतरों के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि इंटरनेट सेवाएं कब तक बहाल होंगी। बलूचिस्तान सरकार पहले ही सार्वजनिक सभाओं पर पाबंदी लगा चुकी है। 'द बलूचिस्तान पोस्ट' के मुताबिक, राज्य के गृह विभाग ने 1 अगस्त से 15 दिनों के लिए धारा 144 लागू कर दी है। इसके तहत चार या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक है।

रूस-अमेरिका परमाणु संतुलन पर खतरा! परमाणु संधियां टूटीं और भरोसा टूटा, अंतिम कड़ी 'न्यू स्टार्ट' भी तोड़ रही दम

वाशिंगटन, एजेंसी। कभी परमाणु हथियारों की दौड़ पर नियंत्रण के लिए अमेरिका और सोवियत संघ (अब रूस) के बीच कई ऐतिहासिक संधियाँ हुईं, लेकिन अब वे लगभग समाप्त हो चुकी हैं। वर्तमान में 'न्यू स्टार्ट' इकलौती संधि है जो दोनों देशों के बीच परमाणु हथियार नियंत्रण को लेकर बची है, और वह भी 2026 में समाप्त होने वाली है।1987 में की गई इंटरमीडिएट रेंज न्यूक्लियर फोर्सेज (ढ्ढहस्न संधि, जो 500 से 5,500 किमी तक की परमाणु मिसाइलों पर रोक लगाती थी, पहले अमेरिका (2019) और फिर अब रूस द्वारा छोड़ दी गई है। अमेरिका ने रूस पर संधि के उल्लंघन का आरोप लगाया था, वहीं रूस ने इसे नकारा और अब औपचारिक रूप से इससे बाहर निकल चुका है।

'न्यू स्टार्ट' संधि जिस पर 2010 में हस्ताक्षर हुए थे, केवल 2026 तक लागू है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने इस संधि में अपनी भागीदारी ÷स्थगित÷ कर दी है, जिससे निरीक्षण प्रक्रिया बाधित हो गई है। हालांकि, रूस का कहना है कि वह अब भी निर्धारित सीमाओं का पालन करेगा।विशेषज्ञों का मानना है कि अब अमेरिका-रूस के बीच कोई नई परमाणु संधि जल्द होती नहीं दिखती, क्योंकि आपसी विश्वास पूरी तरह खत्म हो चुका है। अमेरिका अब अपने रणनीतिक ध्यान को चीन और ईरान जैसे अन्य देशों की ओर मोड़ रहा है। अमेरिका यह भी मानता है कि पूर्ववर्ती परमाणु संधियाँ जैसे ढ्ढहस्न, चीन जैसी शक्तियों को शामिल नहीं करतीं, जबकि आज के परिप्रेक्ष्य में चीन एक प्रमुख परमाणु शक्ति बन चुका है। इससे नई हथियार दौड़ की संभावना और बढ़ गई है।

दबाव के आगे झुका रूस? वाइट हाउस का दावा, जंग खत्म करने के लिए ट्रंप से मिलना चाहते हैं पुतिन

न्यूयॉर्क , एजेंसी।
रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की वजह से वैश्विक राजनीति में लगातार उथल-पुथल मची हुई है। बुधवार को वाइट हाउस की तरफ से दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने युद्ध को खत्म करवाने के लिए जल्द से जल्द अपने अमेरिकी समकक्ष से मिलने की इच्छा जताई है। अमेरिका भी इस मुलाकात के लिए पहले से ही तैयार है। ऐसे में इन दोनों राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात जल्द ही हो सकती है। यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें कहा जा रहा था कि ट्रंप अगले हफ्ते ही अपने रूसी और यूक्रेनी समकक्ष से मिल सकते हैं। उनकी इस मुलाकात में एक नए सिरे से युद्ध को खत्म करने की शुरुआत होगी।

इन तीनों राष्ट्र प्रमुखों की अगली मुलाकात के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब वाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलीन लैविट ने दिया। उन्होंने कहा,रूसियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने की इच्छा जताई है... और राष्ट्रपति ट्रंप पुतिन और जेलेंस्की दोनों से मिलने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा एएफपी ने एक वरिष्ठ यूक्रेनी सूत्र के हवाले से कहा है अमेरिकी दूत विटकॉफ की मॉस्को यात्रा के बाद ट्रंप की जेलेंस्की से फोन पर बात हुई। इस बातचीत में दोनों नेताओं के अलावा नाटो प्रमुख, ब्रिटेन, जर्मनी और फिनलैंड के नेता शामिल थे। इस फोन कॉल के दौरान तीनों नेताओं की जल्द से जल्द मुलाकात की संभावना पर भी चर्चा की गई।

इससे अलग न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इस जंग को खत्म करने की एक और कोशिश करने के लिए ट्रंप इस हफ्ते के आखिर तक राष्ट्रपति पुतिन से मिलने और इसके ठीक बाद वह दोनों नेताओं से एक साथ मिलने की योजना बना रहे हैं। हालांकि अभी तक यूक्रेनी या नाटो अधिकारियों ने इस मीटिंग की पुष्टि नहीं की है।

गौरतलब है कि तीनों नेताओं के बीच यह मुलाकात के कयास अमेरिकी दूत विटकॉफ की मॉस्को यात्रा के बाद से लगाए जा रहे हैं। बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूत विटकॉफ और पुतिन के बीच हुई इस बातचीत को बेहतर बताया था। आपको बता दें कि ट्रंप और पुतिन के बीच होने वाली यह मुलाकात भारत के लिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि कल ही राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के ऊपर रूसी तेल खरीदने की वजह से 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इस बढ़े हुए टैरिफ की वजह से अब अमेरिका पहुंचने वाली भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ 50 फीसदी तक पहुंच गया है।

पाक आर्मी चीफ मुनीर इस हफ्ते अमेरिका जाएंगे-दो महीने में दूसरा वॉशिंगटन दौरा; राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात संभव

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर इस हफ्ते अमेरिका के दौरे पर जाएंगे। वह सेंट्रल कमांड के नए प्रमुख की नियुक्ति समारोह में शामिल होंगे। यह दो महीने में उनकी अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले वे 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल हुए थे। इसके अलावा मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ व्हाइट हाउस में दो घंटे की लंच मीटिंग की थी। यह बैठक बंद कमरे में हुई थी। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की। मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया था। साथ ही ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है।

पाकिस्तान ने अमेरिका के सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला को देश के सबसे बड़े सैन्य सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से नवाजा है। यह सम्मान पिछले महीने इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दिया गया। जनरल कुरिल्ला को यह सम्मान क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने और पाकिस्तान-अमेरिका सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया। जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी और सेना प्रमुख असीम मुनीर से मुलाकातें कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सम्मान के जरिए पाकिस्तान, अमेरिका के लिए अपनी वफादारी जाहिर कर रहा है।

क्रिप्टो बिजनेस की कमान संभालेंगे आर्मी चीफ मुनीर आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर संभालेंगे। ट्रम्प ने मुनीर के साथ डिनर डिप्लोमेसी के तहत क्रिप्टो डील को फाइनल की है। पाक क्रिप्टो काउंसिल ने पाकिस्तान के 17,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो बिजनेस का ट्रम्प परिवार के दबदबे वाली वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल से करार किया है। पाक सरकार ने क्रिप्टो बिजनेस के अनुकूल नीतियों में बदलाव भी शुरू कर दिए हैं। भारत से संघर्ष के बाद आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया गया पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर को पिछले मई में प्रमोट करके फील्ड मार्शल बनाया गया है। फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च पद है। मुनीर का ये प्रमोशन भारत के खिलाफ ऑपरेशन बुनयान-उम-मार्सूस के दौरान आर्मी को लीड करने की वजह से किया गया। इससे पहले 1959 में अयूब खान ने पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन करने के बाद खुद को पहला फील्ड मार्शल घोषित किया था।

सुनिश्चित करेंगे दोबारा न हो ऐसी त्रासदी..., हिरोशिमा परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी पर बोले पीएम इशिबा

हिरोशिमा, एजेंसी। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने हिरोशिमा पर परमाणु हमले की 80वीं बरसी पर उन लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने इस हमले में अपनी जान गंवाई थी। उन्होंने हिरोशिमा में आयोजित एक स्मृति समारोह में भाग लिया और फिर मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी सरकार शांति बनाए रखने और परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए लगातार काम करती रहेगी। प्रधानमंत्री इशिबा ने यह भी स्पष्ट किया कि जापान का नाटो जैसे किसी परमाणु साझेदारी समझौते में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। युद्ध के बाद अमेरिका जापान का सबसे करीबी सहयोगी बन गया है। इस बारे में उन्होंने किसी बदलाव की संभावना खारिज किया। एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री इशिबा ने कहा, मैंने आज हिरोशिमा शहर के शांति स्मारक पार्क में आयोजित स्मृति समारोह में भाग लिया। आज से 80 साल पहले हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया गया था, जिससे यह शहर पलभर में राख में बदल गया। मैंने उन सभी आत्माओं को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने इस त्रासदी में अपनी जान गंवाई। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, समारोह के बाद मैंने एक बार फिर शांति स्मारक संग्रहालय का दौरा किया। हम दुनिया का एकमात्र ऐसा देश हैं, जो परमाणु बम के भयावह अनुभव को दूसरों तक पहुंचा सकता है। हम इस दुखद अनुभव की याद को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की अगुवाई करेंगे कि फिर कभी ऐसी कोई त्रासदी न हो। हिरोशिमा में परमाणु हमले में बचे हुए पीड़ितों के प्रतिनिधियों से बातचीत में मैंने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों, 'हिरोशिमा एक्शन प्लान', पीड़ितों के लिए सहायता योजनाएं और संग्रहालय के विस्तार पर चर्चा की।

अमेरिका के जॉर्जिया में सैन्य अड्डे में घुसा हमलावर, पांच सैनिकों को मारी गोली; बेस किया गया सीज

त्बिलिसी, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में स्थित फोर्ट स्टीवर्ट आर्मी बेस में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक सक्रिय शूटर (हमलावर) की सूचना के बाद बेस के कई हिस्सों को सीज कर दिया गया। इस घटने के दौरान पांच सैनिकों को हमलावर ने अपनी गोली का निशाना बनाया। अमेरिकी समाचार एजेंसी एपी को फोर्ट स्टीवर्ट के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एंजेल टॉमको ने बताया कि मौके पर गोलीबारी की पुष्टि हुई है और स्थिति को लगातार मॉनिटर किया जा रहा है। फोर्ट स्टीवर्ट ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा कि कई हताहतों की खबर है और स्थिति अभी भी नियंत्रण में नहीं आई है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि ये हताहत केवल घायल हैं या किसी की मौत भी हुई है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को गंभीरता से लिया गया है और हरसंभव सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। आर्मी बेस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह अलर्ट जारी किया गया है कि सभी लोग तत्काल अपने-अपने स्थानों पर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद कर लें और जब तक अगला निर्देश न मिले, बाहर न निकलें। पूरी चौकसी के साथ आर्मी पुलिस और अन्य एजेंसियां हमलावर की तलाश में ज़ुटी हूई हैं।

घाना में हेलिकॉप्टर क्रैश, रक्षा और पर्यावरण मंत्रियों समेत आठ की मौत

अकारा, एजेंसी।
घाना में एक सैन्य हेलिकॉप्टर हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में रक्षा मंत्री एडवर्ड ओमाने बोआमाह और पर्यावरण, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री इब्राहिम मुर्तला मुहम्मद भी शामिल थे। इसमें तीन अन्य अधिकारी और तीन वायुसेना कर्मी भी शामिल थे।

घाना सशस्त्र बलों के अनुसार, जेड9 हेलिकॉप्टर बुधवार सुबह राजधानी अकारा से ओबुआसी के लिए रवाना हुआ, लेकिन रडार से संपर्क टूट गया। घाना के राष्ट्रपति व सरकार ने शोक संवेदना व्यक्त की है। राज्य मीडिया के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त जेड-9 हेलीकॉप्टर एक यूटिलिटी हेलिकॉप्टर था। जिसका उपयोग आमतौर पर परिवहन और चिकित्सा निकासी के लिए किया जाता है।

राष्ट्रपति जॉन माहामा के चीफ ऑफ स्टाफ जूलियस डेबराह ने बताया कि हादसा दक्षिणी अशांति नाम की जगह पर हुआ। उन्होंने इसे राष्ट्रीय त्रासदी बताया। राष्ट्रपति जॉन महामा के चीफ ऑफ स्टाफ जूलियस डेबरा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- राष्ट्रपति और सरकार इस दुखद हादसे में जान गंवाने वाले हमारे साथियों के परिवारों के लिए अपनी संवेदना जाहिर करती है। अगली सूचना तक देशभर में झंडे आधे झुकाए जाएंगे।

बुधवार की यह दुर्घटना पिछले एक दशक से अधिक समय में घाना की सबसे भीषण विमान दुर्घटनाओं में से एक मानी जा रही है। मई 2014 में एक सेवा हेलीकॉप्टर समुद्र तट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हुई थी। 2021 में अकारा में एक मालवाहक विमान रनवे से फिसलकर एक यात्रियों से भरी एक बस से टकरा गया था। जिससे कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी।

देशभर में झंडे आधे झुकाए जाएंगे: राष्ट्रपति जॉन महामा के चीफ ऑफ स्टाफ जूलियस डेबरा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- राष्ट्रपति और सरकार इस दुखद हादसे में जान गंवाने वाले हमारे साथियों के परिवारों के लिए अपनी संवेदना जाहिर करती है।अगली सूचना तक देशभर में झंडे आधे झुकाए जाएंगे। घाना की सेना के मुताबिक, हेलिकॉप्टर बुधवार सुबह राजधानी अकरा से उड़ान भरने के बाद रडार से गायब हो गया था। हादसे की वजहों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

हादसे की जांच शुरू: हेलिकॉप्टर में सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल डेमोक्रेटिक कांग्रेस के उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी सवार थे। घाना सरकार ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह हादसा देश के लिए एक बड़ा झटका है। दुर्घटना का शिकार हुआ हेलिकॉप्टर एक जेड-9 यूटिलिटी हेलिकॉप्टर था, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर ट्रांसपोर्ट और मेडिकल सुविधा के लिए किया जाता है। हादसे की जांच शुरू कर दी गई है और सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए संवेदना जताई है।

जुलाई में घर की थाली हुई सस्तीः सब्जियों और दालों की कीमतें गिरी

नई दिल्ली/एजेंसी

जुलाई 2025 में घरेलू शाकाहारी और मांसाहारी थाली की लागत में क्रमशः 14 और 13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, दालों और ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में आई नरमी के कारण हुई है। शाकाहारी थाली की लागत में कमी का सबसे बड़ा कारण टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में तेज गिरावट है। टमाटर की कीमतें 36 फीसदी घटकर 66 से 42 रुपए प्रति किलो हो गईं। इसी तरह प्याज और आलू की कीमतों में भी क्रमशः 36 और 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। पिछले वर्ष मौसम और बीमारियों के कारण आलू का उत्पादन घटा था, जिससे कीमतें बढ़ी थीं, लेकिन इस वर्ष उत्पादन बेहतर रहा। प्याज का उत्पादन भी 18-20 फीसदी अधिक होने से कीमतों में गिरावट आई। दालों की कीमतों में भी 14 फीसदी की कमी देखी गई, जो अधिक उत्पादन और पर्याप्त स्टॉक के चलते संभव हो सका। चावल की लागत में भी 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। मांसाहारी थाली की लागत में गिरावट का मुख्य कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में 12 फीसदी की कमी है, जो मांसाहारी थाली की कुल लागत का लगभग आधा हिस्सा होता है। हालांकि, कुछ आवश्यक वस्तुएं महंगी हुई हैं। वनस्पति तेल की कीमतें 20 फीसदी बढ़ीं, भले ही कच्चे खाद्य तेलों पर सीमा शुल्क घटाया गया हो। वहीं रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी 6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिससे थाली की लागत में गिरावट पर कुछ हद तक असर पड़ा। फिर भी, उपभोक्ताओं के लिए यह राहत की खबर है कि अधिकांश आवश्यक खाद्य वस्तुएं सस्ती हुई हैं।

सोना-चांदी की चमक बढ़ीः सोना 1.02 लाख और चांदी 1.14 लाख के पार

नई दिल्ली/एजेंसी

घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जोरदार तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी दोनों ने नया रिकॉर्ड बनाया। निवेशकों के सुरक्षित निवेश के चलते कीमती धातुओं की मांग में इजाफा हुआ है। एमसीएक्स पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 482 रुपये की तेजी के साथ 1,01,950 प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह 691 रुपये की तेजी के साथ 1,02,159 पर कारोबार कर रहा था। इसने 1,02,151 का उच्चतम और 1,01,456 का न्यूनतम स्तर छुआ। इस साल यह 1,02,169 के भाव पर अब तक का ऑल टाइम हाई छू चुका है। चांदी के सितंबर वायदा कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत भी तेजी के साथ 1,14,641 पर हुई, जो पिछले बंद भाव 1,14,286 से 355 रुपये अधिक था। यह अभी 1,14,700 पर ट्रेड कर रही है। आज का उच्चतम स्तर 1,14,876 रहा। इस साल चांदी 1,16,641 प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी जारी है। कॉमेक्स पर सोना 3,487.90 प्रति औंस पर खुला और 3,488.80 पर ट्रेड कर रहा है, जो 35.10 डॉलर की तेजी है। वहीं चांदी 38.46 प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। कीमती धातुओं में यह तेजी आर्थिक अनिश्चितता और निवेशकों की सुरक्षित संपत्तियों में रुचि का संकेत है। आने वाले दिनों में भी इनमें मजबूती बनी रह सकती है।

झींगा मछली की कीमतों में 6 से 19 प्रतिशत तक गिरावट

- आंध्र प्रदेश और ओडिशा के पालकों को नुकसान का खतरा

नई दिल्ली/एजेंसी

पिछले एक सप्ताह के दौरान झींगा मछली की कीमतों में 6 से 19 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। व्यापारियों और विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका द्वारा भारत से होने वाले झींगा निर्यात पर भारी शुल्क लगाने की आशंका के कारण यह गिरावट हुई है। खासतौर पर पिछले दो दिनों में कीमतों में तेज कमी आई है, जिससे आंध्र प्रदेश और ओडिशा के झींगा पालकों को बड़ा नुकसान हो सकता है। ये दोनों राज्य झींगा पालन के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए यहां के किसान और व्यापारी इस गिरावट से सीधे प्रभावित हो रहे हैं।

भारत मुख्यतः अमेरिका को 50 काउंट या उससे कम काउंट वाले झींगे निर्यात करता है। 50 काउंट का अर्थ होता है कि एक किलोग्राम में 50 झींगे होते हैं, जिनका वजन लगभग 20 ग्राम होता है। वहीं, बड़े काउंट (कम वजन वाले झींगे) जैसे 60, 70, 80, 90, 100 काउंट की झींगा मछली चीन, यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्व एशिया, जापान और अन्य एशियाई बाजारों को निर्यात की जाती है। इन सभी वर्गों की झींगा मछली की कीमतों में गिरावट देखी गई है। व्यापारियों के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को निर्यात की जाने वाली सबसे आम 40 काउंट झींगा मछली की कीमत लगभग 19 प्रतिशत घटकर 365 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई है। इसके अलावा, झींगे से बने चारे और दानों की कीमतों में भी कमी आई है। आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने इस प्रकार के चारे बेचने वाली कंपनियों से झींगा पालकों के हित में कीमतें कम करने की मांग की है।

रक्षाबंधन पर 17 हजार करोड़ के व्यापार की उम्मीद

पिछले साल 12,000 करोड़ का कारोबार हुआ था

नई दिल्ली/एजेंसी

रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही देशभर के बाजार पूरी तरह सज चुके हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार राखी पर लगभग 17,000 करोड़ रुपये के व्यापार की संभावना है। 2024 में जहां 12,000 करोड़ का कारोबार हुआ था,

वहीं इस बार 22.5 फीसदी की वृद्धि संभावित है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि 9 अगस्त को रक्षाबंधन के साथ-साथ भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ भी है, जिससे इस बार भाई-बहन के प्रेम के साथ देशभक्ति की भावना भी जुड़ गई है।

उन्होंने बताया कि मिठाई, फल, गिफ्ट आदि के रूप में लगभग 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार अनुमानित है। इस बार बाजार में इनोवेशन वाली राखियों की धूम है। 'वोकल फॉर लोकल', डिजिटल राखी, मोदी राखी, जय हिंद, वंदे मातरम और विकसित भारत जैसे थीम वाली राखियों को ग्राहकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इसके अलावा इको-फ्रेंडली राखियां मिट्टी, बीज, बांस, खादी और कपास से बनी राखियां भी खूब बिक रही हैं। हर प्रदेश की अपनी थीम वाली राखियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मधुबनी राखी (बिहार), जूट राखी (कोलकाता), बांस राखी (झारखंड) जैसी राखियां न सिर्फ पारंपरिक कला को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि महिला उद्यमियों और स्थानीय कारीगरों को भी रोजगार का मौका दे रही हैं। इस रक्षाबंधन पर बाजारों में सिर्फ खरीदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और आत्मनिर्भरता की झलक भी देखने को मिलेगी।

अमेरिका का 50 फीसदी टैरिफ भारत की जीडीपी वृद्धि को कर सकता है धीमा

- जीडीपी वृद्धि अनुमान में 40 से 60 आधार अंक की गिरावट आ सकती है

नई दिल्ली/एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भारत की आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इससे चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर में 35 से 60 आधार अंक तक की कमी आ सकती है, जिससे देश की आर्थिक प्रगति धीमी पड़ सकती है। एचडीएफसी बैंक की एक प्रधान अर्थशास्त्री के अनुसार, यदि 50 फीसदी शुल्क लागू होता है तो 6.3 प्रतिशत के जीडीपी वृद्धि अनुमान में 40 से 60 आधार अंक की गिरावट आ सकती है। वहीं, मॉर्गन स्टैनली की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात पर लगाए गए इस टैरिफ का प्रत्यक्ष प्रभाव 60 आधार अंक तक हो सकता है, और अप्रत्यक्ष प्रभाव भी लगभग इतना ही रहेगा। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नकारात्मक प्रभाव जारी रहने पर सरकार को घरेलू वृद्धि को सहारा देने के लिए नीतिगत कदम उठाने पड़ सकते हैं। वित्त वर्ष 2025 में भारत से अमेरिका को कुल 86.5 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था, जो देश के जीडीपी का लगभग 2.2 फीसदी है।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की यह घोषणा स्थायी नहीं रहेगी और दोनों देशों के बीच जल्द ही समझौता हो सकता है। लेकिन फिलहाल, टैरिफ की वजह से भारत की आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए त्वरित और प्रभावी नीतिगत कदम उठाने की जरूरत होगी।

डालमिया सीमेंट को रिटर्न देरी पर ब्याज और जुर्माने की पूरी छूट

नई दिल्ली । डालमिया भारत की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड को जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल करने में हुई देरी के कारण लगाए गए ब्याज 4,89,008 और जुर्माना 75,000 की पूरी छूट मिली है। इस छूट का आदेश झारखंड के धनबाद डिवीजन के राज्य कर (अपील) के अतिरिक्त आयुक्त के कार्यालय द्वारा दिया गया है, जिसमें कुल 5,64,008 की राशि शामिल है। यह जुर्माना और ब्याज झारखंड वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 और केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 75 के तहत राज्य कर के सहायक आयुक्त, बोकारो सर्किल, बोकारो द्वारा जुलाई और नवंबर 2017 के लिए जारी किया गया था। देरी डालमिया सीमेंट ईस्ट लिमिटेड द्वारा हुई थी, जो बाद में डीसीबीएलमें विलय हो गया। इस छूट से कंपनी को वित्तीय राहत ली है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया तीन पैसे गिरावट के साथ ही 87.61 पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे टूटकर 87.63 पर आ गया। व्यापारिक अनिश्चितता और मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण रुपया दबाव में है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को लगभग 87.95 के स्तर पर बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन विदेशी निवेशकों द्वारा निरंतर पूंजी निकासी से स्थानीय मुद्रा कमजोर हो रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.56 पर खुला और कारोबार के दौरान 87.63 के निचले स्तर पर पहुंचा। जो पिछले बंद भाव 87.58 के मुकाबले गिरावट दिखाता है। पिछले दिन रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती दर्ज की थी। हालांकि, विदेशी मुद्रा बाजार में अब भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे रुपये पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी डॉलर की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत गिरकर 98.13 पर आ गया है। इस दौरान घरेलू शेयर बाजारों में भी कमजोरी देखी गई। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी पूंजी निकासी और वैश्विक बाजार की अनिश्चितता के चलते रुपये की स्थिति फिलहाल कमजोर बनी रहेगी। निवेशकों को सतर्क रहना होगा क्योंकि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां रुपये के लिए चुनौतियां पेश कर रही हैं।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को मिला यूनिवर्सल बैंक का दर्जा

नई दिल्ली । शुक्रवार को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में करीब 8 फीसदी की जोरदार तेजी देखने को मिली। यह उछाल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंक को यूनिवर्सल बैंक का दर्जा देने की सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के बाद आया है। यह मंजूरी एयू को देश का पहला स्मॉल फाइनेंस बैंक बनाती है, जिसे आरबीआई की अप्रैल 2024 में जारी 'ऑन-टैप' लाइसेंसिंग पॉलिसी के तहत यह दर्जा मिला है। एयू ने सितंबर 2024 में यूनिवर्सल बैंक बनने के लिए आवेदन किया था और लगभग 11 महीने बाद इस मंजूरी को हासिल किया। इस कदम से न केवल एयू, बल्कि अन्य स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसे उज्जीवन और जना को भी उम्मीद जगी है, जो इसी लाइसेंस के लिए आवेदन कर चुके हैं। यूनिवर्सल बैंक बनने के बाद, एयू बैंक बड़े पैमाने पर काम कर सकेगा और ग्राहकों को अधिक सेवाएं प्रदान कर पाएगा। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक देश का सबसे बड़ा स्मॉल फाइनेंस बैंक है, जिसकी लोन बुक 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। जून तिमाही में इसकी लोन बुक में साल-दर-साल 23 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है।

नालको ने पहली तिमाही में 78 फीसदी बढ़ाया मुनाफा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 1,049.48 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 588 करोड़ रुपये से 78 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने हाल ही में यह वित्तीय परिणाम जारी किया। नालको की आय भी इस दौरान 35 प्रतिशत बढ़कर 3,930.45 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की तिमाही में यह 2,916.62 करोड़ रुपये थी। रसायन कारोबार से राजस्व में 91 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई, जो 1,628.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं एल्युमिनियम कारोबार से राजस्व 7 प्रतिशत बढ़कर 2,708.34 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, इस अवधि में कंपनी के खर्च भी बढ़कर 2,501.18 करोड़ रुपये हो गए, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 2,099.61 करोड़ रुपये से अधिक है।

अमेरिका के शुल्क बढ़ाने से भारत के वस्त्र निर्यात उद्योग संकट में

नई दिल्ली । अमेरिका द्वारा भारत से वस्त्र एवं परिधान आयात पर शुल्क बढ़ाने के फैसले से भारतीय निर्यात उद्योग में संकट पैदा हो गया है। अमेरिकी बड़ी कंपनियों जैसे वॉलमार्ट, टारगेट, एमेजॉन, गैप, एचएंडएम आदि ने भारत के आपूर्तिकर्ताओं को बताया है कि शुल्क स्थिति स्पष्ट होने तक नए ऑर्डर न भेजें। कंपनियां पहले से प्राप्त ऑर्डर को 27 अगस्त से पहले पूरा करने में जुट गई हैं, ताकि खरीदारों पर अतिरिक्त शुल्क का प्रभाव न पड़े। बाइंग एजेंट्स एसोसिएशन के एक अधिकारी ने कहा कि खरीदारों ने फिलहाल कोई नया बिल बनाने और ऑर्डर से जुड़ी पूछताछ पर रोक लगा दी है। भारत अमेरिका का सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक है, जनवरी-मई 2025 में 4.59 अरब डॉलर का निर्यात हुआ, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 13 फीसदी अधिक है। पूरे 2025 में भारत से अमेरिका को करीब 10.8 अरब डॉलर के वस्त्र निर्यात हुए। विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश, वियतनाम, चीन जैसे देशों पर अमेरिका ने कम शुल्क लगाए हैं, जिससे ऑर्डर वहां जाने की संभावना बढ़ गई है। भारत के लिए यह चुनौती है कि वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने बाजार को सुरक्षित रख सके। फिलहाल वैश्विक कंपनियां भारत से नाता तोड़ने की स्थिति में नहीं हैं, लेकिन अनिश्चितता बनी हुई है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 765 , निफ्टी 232 अंक गिरा

मुंबई/एजेंसी

अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच ही भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही ऑटो, फार्मा व बैंकिंग शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। आज बीएसई मिडकैप व स्मालकैप के शेयर भी गिरे।। इसके अलावा बीएसई के सभी सेक्टरों में भी गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 765.47 अंक टूटकर 79,857.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी निफ्टी 232.85 अंक नीचे आकर 24,363.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एनएसई पर आज 3,038 शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 984 शेयरों में तेजी रही। वहीं 1,969 शेयरों में गिरावट रही जबकि 85 शेयरों पर कोई प्रभाव नहीं नहीं पड़ा।

आज सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ और ये 64 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,858.60 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। वहीं अदानी एंटरप्राइज़ का शेयर 71.70 रुपये नीचे आकर 2,178.10 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। श्रीराम फाइनेंस का शेयर 17.70 रुपये की गिरावट के साथ 609.65 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इंडसइंड बैंक का शेयर 24.90 रुपये की गिरावट के साथ 782.45 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के शेयर में 66.90 रुपये की गिरावट आई और ये 3,144.20 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार कमजोर रुख के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में आईटी और फाइनेंशियल सेक्टर में दबाव देखा गया। सुबह सेंसेक्स 272.30 अंक गिरकर 80,350.96 पर और निफ्टी 75.60 अंक टूटकर 24,520.55 पर कारोबार कर रहा था। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, निफ्टी के लगातार कमजोर स्तर बाजार की तकनीकी कमजोरी को दर्शाते हैं। बुनियादी तौर पर भी वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनियों की आय में कोई बड़ा उछाल नजर नहीं आ रहा है। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारत-अमेरिका टैरिफ तनावों के कारण विदेशी निवेशकों (एफआईआई) बिकवाली जारी रही।

सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली । राजकोट स्थित सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एससीईएल) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष 1,400 करोड़ रुपये जुटाने के उद्देश्य से आईपीओ के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस आईपीओ में कंपनी 1,000 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी और 400 करोड़ रुपये की ऑफर फॉर सेल होगी। कंपनी आईपीओ से जुटाई गई राशि में से 865 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने में, 35 करोड़ रुपये अपनी अनुषंगी कंपनी बीएपीएल के कर्ज भुगतान में और बाकी राशि सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों में खर्च करेगी। सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स पंप, मोटर, सोलर पंप, पंखे तथा कृषि उपकरण जैसी विद्युत टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन करती है। इस कदम से कंपनी अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत कर बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है।

भारत ने रूसी सस्ते कच्चे तेल की खरीद से बचाए 15 अरब डॉलर

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत ने जनवरी 2022 से जून 2025 के बीच रूस से सस्ते कच्चे तेल की खरीद से लगभग 15 अरब डॉलर (करीब 1.25 लाख करोड़) की बड़ी बचत की है। सूत्रों के आधार पर यह जानकारी मिली है। इस बचत का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसे इस साल की 1.2 लाख करोड़ की यूरिया सब्सिडी पूरी तरह चुकाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। 2023 में सबसे अधिक बचत हुई, लगभग 7 अरब डॉलर, जब जी7 देशों ने रूस पर तेल की कीमत सीमा (प्राइस कैप) लगाई थी। इस कारण रूस ने भारत को तेल प्रति बैरल 15-20 डॉलर सस्ता बेचने का विकल्प दिया। हालांकि, अब यह छूट घटकर 2 डॉलर से भी कम रह गई है, जिससे जनवरी से जून 2025 के बीच बचत घटकर 1.8 अरब डॉलर रह गई। तेल विशेषज्ञ के मुताबिक, अमेरिकी टैक्स के प्रभाव का अंदाजा अभी लगाना मुश्किल है। आने वाले हफ्तों में ट्रेड टॉक्स, क्वाड बैठक, विदेश मंत्री की रूस यात्रा और एससीओ शिखर बैठक के बाद इस पर स्पष्टता आएगी। साबित हो रही है, खासकर वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता के बीच।दूसरी ओर, अगर भारत को खाड़ी देशों या अमेरिका से तेल खरीदना पड़ा, तो रिफाइनिंग मार्जिन 2-3 डालर प्रति बैरल तक कम हो सकता है, जिससे लागत बढ़ने की संभावना है। भारत ने रूस से तेल खरीद कर इराक, सऊदी अरब, नाइजीरिया, यूएई और अमेरिका जैसे अन्य बड़े सप्लायरों के तेल की मात्रा कम की है।

संक्षिप्त

टी20 विश्व कप में हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे मार्श

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने पुष्टि की है कि वह निकट भविष्य में ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे क्योंकि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आदर्श संयोजन तैयार करना चाहती है। मार्श का 2021 में टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर उतरना निर्णायक साबित हुआ था। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब टी-20 टीम की कमान संभाल रहे इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सभी पांच मैचों में पारी का आगाज करने के बाद शीर्ष क्रम में बने रहेंगे। कैरेबियाई दौरे से पहले उन्होंने ऐसा सिर्फ एक बार किया था। मार्श ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला से पहले शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, "निकट भविष्य में मैं और हेडी पारी की शुरुआत करेंगे।

सऊदी अरब स्नूकर मास्टर्स जेद्दा में शुरू

जेद्दा, एजेंसी। सऊदी अरब स्नूकर मास्टर्स 2025 का सऊदी अरब के जेद्दा में आगाज हुआ, जिसमें दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जड ट्रम्प और विश्व चैंपियनशिप विजेता झाओ शिनटोंग सहित कई शीर्ष खिलाड़ी शामिल हुए।

जड ट्रम्प गत विजेता के रूप में वापसी कर रहे हैं। पिछले साल रियाद में हुए फाइनल में, ट्रम्प ने मार्क विलियम्स के खिलाफ शानदार वापसी की थी और निर्णायक राउंड में 62-0 से पिछड़ने के बाद 72 अंकों की शानदार क्लीयरेंस के साथ 10-9 से जीत हासिल की थी। इस साल के टूर्नामेंट में कुल 144 खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

इस टूर्नामेंट में काइरेन विल्सन, मार्क विलियम्स, जॉन हिगिंस और रोनी ओ'सुलिवन जैसे विश्वस्तरीय सितारे शामिल हैं, साथ ही झाओ शिंटोंग, डिंग जुनहुई, झांग आंदा और सी जियाहुई जैसे अनुभवी और उभरते सितारों से युक्त एक मजबूत चीनी दल भी शामिल है।

कार्टल, वीनस विलियम्स सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में हारे

ओहायो (अमेरिका), एजेंसी। ब्रिटेन की सोनाए कार्टल और अमेरिका की वीनस विलियम्स को सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा है।

शुक्रवार को खेले गये मुकबले में ब्रिटेन की सोनाए कार्टल को सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में उनकी फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी कैरोलिन गार्सिया ने 7-5, 4-6, 3-6 से हराया। पूर्व विश्व नंबर चार गार्सिया का अब अगले दौर में मुकाबला चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। 31 वर्षीय गार्सिया की 19 मार्च के बाद यह पहली जीत है। उन्होंने मई में घोषणा की थी कि वह इस साल के आखिर में संन्यास ले लेंगी।

एशेज के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने एशेज खेलने की इच्छा जताई है। वह एशेज टेस्ट सीरीज तक फिट होने के लिए कंधे की चोट की सर्जरी के बजाय रिहैब करना चाहते हैं।

36 साल के क्रिस वोक्स को भारत के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के 'द ओवल' में खेले गए पांचवें टेस्ट के पहले दिन बाएं कंधे में इंजरी की समस्या हुई थी। इस वजह से उन्हें टेस्ट के बचे हुए चार दिन फील्ड से बाहर रहना पड़ा था।

ओवल टेस्ट के पांचवें दिन वोक्स बाएं हाथ में स्लिंग लगाकर बल्लेबाजी करने उतरे थे। हालांकि उनके साहस का मैच के परिणाम पर असर नहीं पड़ा था और भारत ने 6 रन से जीत दर्ज कर सीरीज 2-2 से बराबर की थी। बीबीसी स्पोर्ट्स से बात करते हुए क्रिस वोक्स ने कहा, "मैं यह देखने के लिए इंतजार कर रहा हूं कि चोट कितनी गंभीर है।

39 साल बाद न्यूजीलैंड ने हिलाई रिकॉर्ड बुक

भारत के अलावा ऐसा करने वाली बनी तीसरी टीम

रिकॉर्ड

- **वडेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र और हैनरी निकोल्स तीनों बल्लेबाजों ने 150 रन का आंकड़ा पार किया**

नई दिल्ली, एजेंसी। बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट में कीवी बल्लेबाजों ने ऐसा धमाका किया कि रिकॉर्ड बुक हिल गई। पहली पारी में जिम्बाब्वे को मात्र 125 रनों पर ढेर करने के बाद न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 130 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 601 रन ठोक दिए। सबसे खास बात यह रही कि डेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र और हैनरी निकोल्स तीनों बल्लेबाजों ने 150 रन का आंकड़ा पार किया।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ तीसरी बार हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड ने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। मैच में सलामी बल्लेबाज कॉन्वे ने 153 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद रवींद्र और निकोल्स ने चौथे विकेट के लिए 250 से ज्यादा रनों की नाबाद साझेदारी कर मेजबानों की कमर तोड़ दी। दोनों बल्लेबाज दूसरे दिन के अंत तक क्रीज पर डटे रहे और रन बरसाते रहे। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के पास इन पर कोई जवाब नहीं था।

इससे पहले यह कारनामा भारत ने 1986 में कानपुर टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ किया था। उस मैच में श्रीलंका को पहली पारी में 420 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 676 रन बनाए थे। इस दौरान सुनील गावस्कर ने 176, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 199 और कप्तान कपिल देव ने 163 रन ठोके थे। भारतीय बल्लेबाजों की इस त्रयी ने विपक्षी टीम को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया था।

ऐतिहासिक उपलब्धि की शुरुआत 1938 में इंग्लैंड ने की थी, जब ओवल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उस मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 903 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था और 7 विकेट पर पारी घोषित कर दी थी। लियोनार्ड हटन ने 364, मौरिस लेलैंड ने 187 और जो हार्डस्टाफ ने 169 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 201 और 123 रनों पर आउट कर मैच 579 रनों से जीता था।

बुलावायो टेस्ट में न्यूजीलैंड की मौजूदा स्थिति देखकर यह साफ है कि वे न केवल मैच पर पूरी पकड़ बना चुके हैं, बल्कि अपने बल्लेबाजों की ऐतिहासिक पारी से क्रिकेट जगत में फिर एक बार खास पहचान बना रहे हैं। यह प्रदर्शन लंबे समय तक याद किया जाएगा, क्योंकि इसने कीवी क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

जिम्बाब्वे के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड, टेस्ट इतिहास में झेली सबसे बड़ी हार

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को बुलावायो में खेले गए दूसरे टेस्ट में पारी और 359 रन से शिकस्त दी। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने दो मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। यह न्यूजीलैंड के टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी जीत रही। एक ओर न्यूजीलैंड ने अपने टेस्ट इतिहास में सबसे बड़ी जीत हासिल की, तो दूसरी तरफ जिम्बाब्वे को अपने टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी शिकस्त झेलनी पड़ी है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए, तो यह टेस्ट इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी हार है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है, जिसने साल 1938 में ऑस्ट्रेलिया को पारी और 579 रन से शिकस्त दी थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने साल 2002 में पारी और 360 रन से जीत दर्ज की थी। यह टेस्ट इतिहास की दूसरी सबसे विशाल जीत है। इस लिस्ट में चौथे पायदान पर वेस्टइंडीज की टीम है, जिसने 1958/59 में भारत को पारी और 336 रन से हराया था।

ऋषभ यादव ने कंपाउंड तीरंदाजी में जीता कांस्य पदक

चेंगदू (चीन), एजेंसी। ऋषभ यादव ने वर्ल्ड गेम्स 2025 में शनिवार को पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड तीरंदाजी स्पर्धा में कांस्य जीतकर भारत के लिए दूसरा पदक जीता। आज खेले गये कांस्य पदक मुकाबले में ऋषभ यादव ने हमवतन अभिषेक वर्मा को 149-147 से हराकर पोडियम स्थान हासिल किया। पहले राउंड में ऋषभ यादव ने अभिषेक वर्मा को 30-29 से हराया, जिसके बाद दोनों ने दूसरे सेट में 29 और तीसरे सेट में 30 अंक बनाए। इसके बाद ऋषभ यादव ने चौथे सेट में 30-29 अंक हासिल करके अपनी बढ़त दो अंकों तक की बढ़त हासिल की और पांचवें सेट में भी अपनी बढ़त मजबूत कर ली, जब दोनों तीरंदाजों ने परफेक्ट 30 अंक दर्ज किए।

इससे पहले, अभिषेक वर्मा क्वालिफिकेशन में 710 प्वाइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि ऋषभ यादव 707 प्वाइंट्स के साथ दसवें स्थान पर रहे थे।

नीदरलैंड के माइक श्लोएसर ने स्वर्ण पदक जीता और अमेरिका के कर्टिस ब्रॉडनेक्स को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जब डच खिलाड़ी ने फाइनल में 150-148 से जीत दर्ज की।

ऋषभ यादव ने न्यूजीलैंड के रिकू वान टोंडर और ग्वाटेमाला के जूलियो बारिलस को मात देकर पुरुष क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई, जहां उन्होंने तुर्किये के यागीज सेजगिन को 147-145 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल मुकाबले में, ऋषभ यादव को ब्रॉडनेक्स से 147-145 से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं दो बार के व्यक्तिगत एशियन गेम्स के रजत पदक विजेता अभिषेक वर्मा को पहले राउंड में बाई मिली और उन्होंने दूसरे राउंड में प्यूर्टो रिको के जीन पिजारो को 149-143 से हरा दिया।

राशिद खान ने स्वीकारा, सर्जरी के बाद क्रिकेट में वापसी के लिए कर बैठे जल्दबाजी

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के प्रमुख लेग-स्पिनर राशिद खान को वनडे विश्व कप-2023 के बाद पीठ की सर्जरी करवानी पड़ी थी। इस खिलाड़ी का मानना है कि सर्जरी के तुरंत बाद क्रिकेट मैदान पर वापसी करके उन्होंने गलती कर दी।

आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस (जीटी) के लिए खेलने वाले राशिद खान ने करीब दो महीने का ब्रेक लिया। इसके बाद शपगीजा क्रिकेट लीग में नजर आए। अगस्त में द हंड्रेड लीग में उन्होंने लंदन स्पिरिट के खिलाफ 11 रन देकर तीन शिकार किए।

राशिद खान ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' से कहा, "आईपीएल के बाद मुझे ऐसे ब्रेक की जरूरत थी, जिसमें मेरा शरीर सामान्य हो सके। मैंने अपनी स्ट्रेंथ पर थोड़ा काम किया। विशेष रूप से पीठ की सर्जरी से वापसी के बाद, मेरे पास ठीक होने के लिए ज्यादा समय नहीं था। उस समय मैंने जल्दी क्रिकेट शुरू करके गलती की। मुझे लगता है कि मैंने खुद को पूरी तरह ठीक नहीं होने दिया और उस समय थोड़ा जोर डाला, जिसका नुकसान अब दिख रहा है। आईपीएल (2025) के बाद मुझे लगा कि दो महीने की छुट्टी चाहिए, ताकि अपनी फिटनेस पर ध्यान दे सकूं।"

राशिद खान ने अफगानिस्तान को पुरुष टी20 विश्व कप-2024 के सेमीफाइनल तक पहुंचाया, लेकिन पीठ और हैमस्ट्रिंग की चोटों के कारण उन्हें बीबीएल और पीएसएल से बाहर होना पड़ा। राशिद जनवरी 2025 में बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए लौटे। उन्होंने 55 ओवरों में 11 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' खिताब अपने नाम किया। उस मेहनत का शारीरिक असर चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल 2025 में उनके प्रदर्शन पर साफ दिखाई दिया।

राशिद खान ने कहा, "जब मैंने सर्जरी के बाद क्रिकेट में वापसी की, तो मुझे कहा गया कि लंबी अवधि के फॉर्मेट (टेस्ट और वनडे) में इतनी जल्दी वापसी न करूं, क्योंकि इससे मुझे कोई फायदा नहीं होने वाला था।

विराट कोहली पिच पर लौट आए

ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक दिवसीय मैचों के लिए कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के धुंरधर बल्लेबाज विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा-हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने सेशन के दौरान नईम अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर दोबारा स्टोरी शेयर करते हुए कहा कि भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं।

अमीन बर्कशायर, बकिंघमशायर और लंदन में माइटी विलो अकादमी चलाते हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ में रहे। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी अच्छे अभ्यास सत्रों के लिए अमीन की अकादमी में आ चुके हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं।

कोहली का ध्यान अब भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ आईपीएल की प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली को फिर से मैदान पर देखने के लिए उनके फैंस बेताब हैं।

हालांकि फैंस को अभी अक्टूबर तक इंतजार करना पड़ेगा। भारत को यूं तो अगस्त में बांग्लादेश में तीन एकदिवसीय मैच खेलने थे, लेकिन यह श्रृंखला सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दी गई। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले चुके हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है। 19 अक्टूबर से पर्थ में यह टूर्नामेंट शुरू होगा। इसके बाद 23 और 25 अक्टूबर टूर्नामेंट के अन्य मैच खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ए ने इंडिया ए को 114 रनों से हराया

मकाय, एजेंसी। भारतीय महिला ए टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है, जिसमें वह मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इस सीरीज के दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया को 114 रनों की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। मैकॉय के मैदान पर खेले गए सीरीज के दूसरे टी20 मैच में भारतीय महिला ए टीम की कप्तान राधा यादव ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया महिला ए टीम की तरफ से शानदार बल्लेबाजी देखने को मिली और उन्होंने 20 ओवर्स में 4 विकेट के नुकसान पर 187 रनों का स्कोर बना दिया। इसके जवाब में भारतीय टीम 15.1 ओवर्स में सिर्फ 73 रन बनाकर सिमट गई।

शेफाली वर्मा से राघवी बिष्ट सभी जल्दी लौटे पवेलियन

ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ 188 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय महिला ए टीम की शुरुआत काफी खराब देखने को मिली। शेफाली वर्मा जिनसे इस मुकाबले में एक बड़ी पारी की उम्मीद थी वह सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए तीन बनाकर आउट हो गई। वहीं इसके अलावा उमा छेत्री अपना खाता भी नहीं खोल सकी। राघवी बिष्ट भी सिर्फ 5 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौट गई। टीम इंडिया की पारी में सिर्फ 2 ही ऐसे बल्लेबाज थे जो दहाई का आंकड़ा पार कर सके, जिसमें दिनेश वृंदा ने 21 जबकि मिनू मानी ने 20 रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से गेंदबाजी में किम गार्थ का कमाल देखने को मिला जिन्होंने 3 ओवर्स में सिर्फ 7 रन देने के साथ 4 विकेट हासिल किए।

एलिसा हीली का बल्लेबाजी में देखने को मिला कमाल

दूसरे टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला ए टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन को लेकर बात की जाए तो उसमें एलिसा हीली का कमाल देखने को मिला। हीली ने इस मुकाबले में 44 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 70 रनों की पारी खेली, इसके अलावा ताहलिया विल्सन के बल्ले से 43 रनों की पारी देखने को मिली।

कुलदीप यादव को लेकर क्लार्क का बड़ा बयान भारत के लिए एक्स फैक्टर हो सकते थे

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में समाप्त हुई भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने मुकाबला 2-2 से बराबरी पर खत्म किया। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने बल्लेबाजों के मजबूत प्रदर्शन के सहारे सीरीज में वापसी की, हालांकि गेंदबाजों के लिए हालात आसान नहीं थे। इस दौरान जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ तीन टेस्ट खेले, जबकि कुलदीप यादव को एक भी मैच में मौका नहीं मिला। सीरीज खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि अगर कुलदीप खेलते तो भारत को 20 विकेट दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते थे।

अपने यूट्यूब चैनल पर क्लार्क ने कहा, "कुलदीप यादव को लेकर चर्चा खत्म नहीं होगी। उन्होंने सीरीज में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन मुझे लगता है कि वह भारत को 20 विकेट दिलाने में मदद कर सकते थे। हालांकि, वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। दोनों ने बल्ले और गेंद से बेहतरीन खेल दिखाया और मौके का पूरा फायदा उठाया।" क्लार्क ने आगे कहा कि जडेजा जैसे खिलाड़ी की बल्लेबाजी को अक्सर कम आंका जाता है, जबकि उन्होंने भारत के लिए कई महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। इसी तरह वॉशिंगटन सुंदर ने भी इस सीरीज में एक और अर्धशतक लगाया, जिससे उनकी ऑलराउंड क्षमता साबित हुई।

वनडे सीरीज | **विंडीज की तरफ से लगे तीन अर्धशतक, बाबर अर्धशतक से चूके**

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

टरूबा, एजेंसी। टी20 सीरीज में कहर ढाने के बाद पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज का भी विजयी आगाज किया है, लेकिन ये जीत उसे आसानी से नहीं मिली। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 49 ओवरों में 280 रनों पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान ने ये टारगेट 48.5 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने एक समय अपने पांच विकेट 180 रनों पर ही खो दिए थे और उस पर हार का संकट था। तभी हसन नवाज और हुसैन तलत ने बेहतरीन साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। हसन ने 54 गेंदों पर पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। हुसैन तलत ने 37 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 41 रनों की नाबाद पारी खेली।

सैम अयूब पाकिस्तान को अब्दुल्ला शफीक के साथ मिलकर अच्छी शुरुआत नहीं दे सके। अयूब ने 12 गेंदों पर पांच रन बनाए। अब्दुल्ला ने फिर बाबर आजम के साथ मिलकर टीम को 50 के पार पहुंचा दिया। शामर जोसेफ ने इस साझेदारी को तोड़ा और शफीक को 29 रनों पर आउट कर दिया। उनका विकेट 63 रनों पर गिरा। बाबर आजम अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। 47 के निजी स्कोर पर उन्हें गुडकेश मोती ने अपना शिकार बनाया। बाबर ने 64 गेंदों का सामना कर पांच चौके और एक छक्का मारा।

सलमान अगा 23 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान मोहम्मद रिजवान के रूप में पाकिस्तान ने अपना पांचवां विकेट खोया। वह 69 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 53 रन बना पाए। यहां से पाकिस्तान पर हार का संकट था। हसन और हुसैन ने पहले विकेट पर पैर जमाए और फिर स्कोरबोर्ड को चालू रखते हुए टीम को जीत की दहलीज पार कराई। इन दोनों ने 104 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज को शाहीन अफरीदी ने शुरुआती झटका दे दिया। उन्होंने चार के कुल स्कोर पर ब्रेंडन किंग को पवेलियन की राह दिखाई। दूसरे सलामी बल्लेबाज एविन लुईस ने कैसी कार्टी के साथ मिलकर टीम को खराब शुरुआत से बाहर निकाला। कार्टी 30 रन बनाकर पवेलियन लौट लिए। लुईस को 105 के कुल स्कोर पर अयूब ने पवेलियन भेज दिया। शेरफन रदरफोर्ड को सलमान ने 10 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर वेस्टइंडीज को चौथा झटका दिया।

इसके बाद कप्तान शै होप और रोस्टन चेज ने टीम को संभाला। दोनों ने 64 रन जोड़े।

होप को 55 के निजी स्कोर पर अफरीदी ने अपना शिकार बनाया।

अश्विन ने अफवाहों पर लगाया मज़ाकिया तड़का, सैमसन संग बातचीत वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल ट्रेड से जुड़ी अफवाहों को हल्के-फुल्के अंदाज में पेश करते हुए फैंस का खूब मनोरंजन किया है। 'कुट्टी स्टोरीज विद ऐश' के आने वाले एपिसोड के टीजर में 38 वर्षीय अश्विन राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के साथ बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं, जिनका भविष्य फिलहाल चर्चाओं में है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सैमसन कथित तौर पर राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट से नाखुश हैं और उन्होंने ट्रेड या रिलीज की मांग की है। दूसरी ओर, ऐसी भी खबरें हैं कि अश्विन और चेन्नई सुपर किंग्स अलग हो सकते हैं।

टीजर में अश्विन ने बातचीत को मजेदार मोड़ देते हुए सैमसन को मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने हंसते हुए कहा, "मेरे पास पूछने के लिए बहुत सारे सवाल हैं। लेकिन उससे पहले मैंने सोचा कि मैं सीधे आकर ट्रेडिंग कर लूं। मैं केरल में रहकर खुश हूं। बहुत सारी अफवाहें चल रही हैं, मुझे भी कुछ नहीं पता। इसलिए सोचा आपसे पूछ लूं कि क्या मैं केरल में रह सकता हूं और आप चेन्नई वापस आ सकते हैं। अश्विन और सैमसन के बीच की यह हल्की-फुल्की नोकझोंक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। फैंस अश्विन के अंदाज की तारीफ कर रहे हैं, जिन्होंने तनावपूर्ण अटकलों को भी हंसी-मजाक में बदल दिया।

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

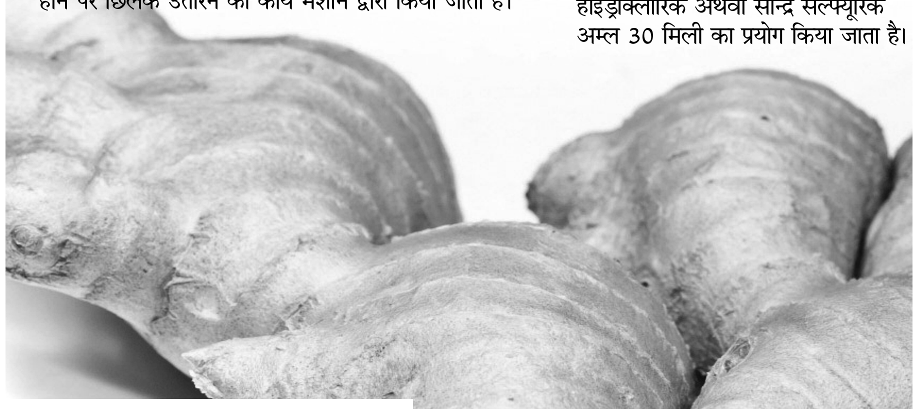

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में

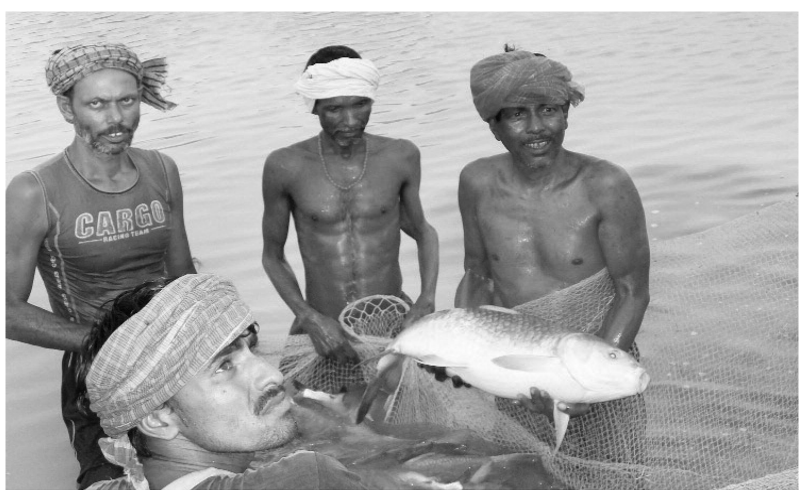

सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है। पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

टीवी से फिल्मों में साइड हीरो तक, अब जीता बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड

आज 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड की घोषणा की गई। इसमें अभिनेता विक्रांत मैसी को उनकी फिल्म 12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। टीवी की दुनिया से फिल्मों में एंट्री करने वाले विक्रांत ने बेहद कम समय में ही अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। अब विक्रांत ने अपने छोटे से करियर में ही नेशनल अवॉर्ड भी हासिल कर लिया है।

विक्रांत को अपना पहला नेशन अवॉर्ड 2023 में आई फिल्म '12वीं फेल' के लिए मिला है। यह एक बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म है। ये फिल्म आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा और उनकी पत्नी आईआरएस ऑफिसर श्रद्धा जोशी के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ मेधा शंकर और अनंत वी जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इस फिल्म को विधु विनोद चोपड़ा ने निर्देशित किया है।

टीवी से की एक्टिंग की शुरुआत, 'लुटेरा' में पहली बार बड़े पर्दे पर आए नजर

विक्रांत मैसी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में आए टीवी सीरियल 'धूम मचाओ धूम' से की थी। इसके बाद विक्रांत ने कई टीवी सीरियल्स में काम किया। विक्रांत ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2013 में आई रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'लुटेरा' से की थी। इस फिल्म में विक्रांत साइड रोल में नजर आए थे। इसके बाद विक्रांत ने कई फिल्मों में साइड रोल किए हैं। 'दिल धड़कने दो', 'हाफ गर्लफ्रेंड' और 'लिपिस्टिक अंडर माय बुर्का' शामिल हैं।

मिर्जापुर से मिली पहचान

विक्रांत ने अपने करियर में 'छपाक', 'ए डेथ इन द गंज', 'गिन्नी वेड्स सन्नी', 'हसीन दिलरुबा' और '14 फेरे' जैसी कई फिल्में की हैं। उन्हें पहचान वेब सीरीज 'मिर्जापुर' से मिली। इसके बाद 12वीं फेल ने विक्रांत को स्टार बना दिया। फिल्म में विक्रांत की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। विक्रांत आखिरी बार 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आए थे।

तमन्ना भाटिया ने बताया

एडल्ट फ्रेंडशिप क्यों सबसे अच्छी होती है

इस फ्रेंडशिप डे पर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने बताया कि जहां सब स्कूल और कॉलेज के दोस्तों की बात करते हैं, वहीं उनके हिसाब से बड़ों की दोस्ती (एडल्ट फ्रेंडशिप) सबसे अच्छी होती है। तमन्ना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए एडल्ट फ्रेंडशिप के फायदे बताए। इस वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया, आप जानते हैं, बड़ों की दोस्ती सबसे अच्छी होती है। यह ऐसा है जैसे मैं जिस भी दोस्त से बात करती हूं, हमारी हर कॉल आई लव यू के साथ समाप्त होती है। हर फोन कॉल इस बारे में होती है कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं, और यह एक गलत धारणा है कि आप अपने सबसे अच्छे दोस्तों से स्कूल और कॉलेज में मिलते हैं। मुझे लगता है कि एडल्ट फ्रेंडशिप सबसे अच्छी होती है। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए तमन्ना की करीबी दोस्तों में से एक राशा थडानी ने कमेंट सेक्शन में टिप्पणी की, उन्होंने लिखा, मैं तुमसे प्यार करती हूं, तुम मुझे रुला दोगी। काजल अग्रवाल ने लिखा, ओह, मैं तुमसे प्यार करती हूं! हैप्पी फ्रेंडशिप डे, मेरी प्यारे तमू। मृणाल ठाकुर ने लिखा, ओह, मुझे रोना आ रहा है। मृणाल ने तमन्ना की पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक भावुक संदेश के साथ रीशेयर भी किया।

बाहुबली अभिनेत्री पर प्यार बरसाते हुए उन्होंने लिखा, जिंदगी व्यस्त और अस्त-व्यस्त हो सकती है, लेकिन आप जैसे दोस्तों के साथ सब कुछ अच्छा लगता है। आप मेरे जीवन में ढेर सारी खुशियां और प्यार लेकर आती हैं और मैं हमेशा आपकी आभारी रहूंगी। लव यू। अभिनेत्री तमन्ना वर्तमान में अपनी अगली फिल्म वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में व्यस्त हैं, जहां वह पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इस फिल्म के मनोरंजक टीजर में तमन्ना को पौराणिक कथाओं और रहस्यवाद की दुनिया में कदम रखते हुए दिखाया गया है। वह नंगे पैर किसी नुकीली चीज पर कदम रखती हुई दिखाई देती हैं, वह हिचकती हैं लेकिन फिर भी नहीं रुकतीं। एक जलती हुई मशाल लिए वह एक अंधेरे जंगल में जाती हैं। अरुणाभ कुमार द्वारा निर्देशित, वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर (टीवीएफ) की ओर से बनाई जा रही है।

'सन ऑफ सरदार 2' में रोहित शेट्टी का कैमियो से है 'गोलमाल 5' का कनेक्शन?

फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की कॉमेडी दर्शकों को कितनी पसंद आएगी, यह तो बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट ही बताएगी। लेकिन इस फिल्म में डायरेक्टर रोहित शेट्टी का कैमियो देखकर दर्शक जरूर हैरान हैं। 'सरदार ऑफ सरदार 2' के कैमियो के जरिए रोहित शेट्टी अपनी फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर बड़ा अपडेट भी देते हैं। फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में एक सीन है, जिसमें रोहित शेट्टी की एंट्री होती है। वह इस सीन में बस आकर इतना कहते हैं, 'गोलमाल 5 की तैयारी कर रहा हूं।' इसी बात से हिंट मिलता है कि वह अजय देवगन के साथ जल्द ही 'गोलमाल 5' बनाने वाले हैं। रोहित शेट्टी डायरेक्टेड कॉमेडी फिल्म 'गोलमाल' सीरीज में अजय देवगन हमेशा नजर आए हैं। इस सीरीज की फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब सराहा है। अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने 'गोलमाल' सीरीज की फिल्मों के अलावा कई फिल्में की हैं। जिसमें 'जमीन', संडे, ऑल द बेस्ट, सिंघम, बोल बच्चन, सिंबा, सूर्यवंशी, सिंघम अगेन शामिल हैं। दोनों ने 12 फिल्में साथ की हैं। अब इनकी अगली फिल्म साथ में 'गोलमाल 5' होगी।

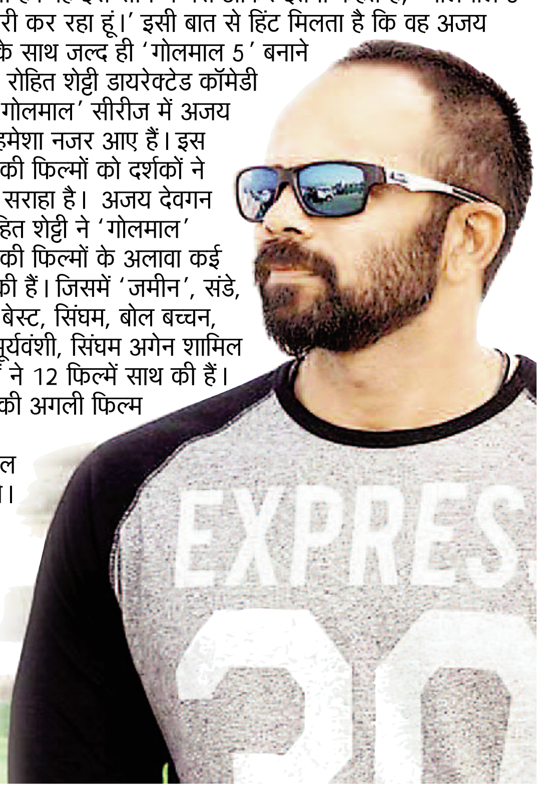

शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बेटी मालती मैरी के साथ मोतियों के शहर हैदराबाद पहुंचीं। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस को झलक दिखाई। प्रियंका ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर दो तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में मालती के छोटे-छोटे पैर और हाथ नजर आ रहे हैं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, मामा और मालती। दूसरी तस्वीर में मालती कार की खिड़की से बाहर देख रही हैं, जिस पर लिखा है, हैदराबाद, हम पहुंच गए। प्रियंका ने यह नहीं बताया कि वह हैदराबाद क्यों आई हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि वह फिल्म निर्माता एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 की शूटिंग के लिए यहां हैं। इस बड़े बजट की फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा ओडिशा में पहले ही पूरा हो चुका है। इस एक्शन-एडवेंचर फिल्म में इतिहास और पौराणिक कथाओं का मिश्रण होगा, जिसमें प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज को लेकर निर्माताओं ने कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, उम्मीद है कि फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका हाल ही में एक्शन-कॉमेडी फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन इल्या नाइशुलर ने किया। इस फिल्म में उनके साथ इदरिस एल्बा, जॉन सीना, पैडी कॉन्सिडाइन, स्टीफन रूट, कार्ला गुगिनो, जैक क्वैड और सारा नाइल्स जैसे एक्टर्स हैं। प्रियंका ने इस फिल्म में एजेंट नोएल बिसेट की भूमिका निभाई, जो एक हाई-प्रोफाइल मिशन के दौरान जॉन सीना और इदरिस एल्बा के किरदारों के साथ मिलकर काम करती हैं। प्रियंका की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही कृष 4 में दिखाई देंगी।

गुडाचारी 2 को लेकर अदिवि शेष का खुलासा

अदिवि शेष और इमरान हाशमी फिल्म गुडाचारी 2 में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अदिवि ने इमरान के साथ काम करने को लेकर अपनी राय पेश की है।

इमरान को लेकर अदिवि की राय

खबर के मुताबिक, हाल ही में अदिवि शेष ने गुडाचारी 2 में बॉलीवुड स्टार इमरान हाशमी के साथ काम करने को लेकर अपने दिल की बात शेयर की है। एक इंटरव्यू में अदिवि शेष ने कहा कि वह इमरान हाशमी के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा उनका फैन रहा हूं। मैं थिएटर में उनकी शानदार मौजूदगी और जोश देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता था। अब उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए खास पल है।

फिल्म के सेट पर घायल हुए थे इमरान

हैदराबाद में फिल्म गुडाचारी 2 के एक एक्शन सीन की शूटिंग करते वक्त इमरान हाशमी घायल हो गए थे। उनकी गर्दन में चोट लग गई थी। दरअसल, इमरान जंप सीक्वेंस के दौरान घायल हुए थे, जिससे उनकी गर्दन पर गहरा कट लग गया था। उनकी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हुई थी। इमरान की इस वायरल तस्वीर पर उनके प्रशंसकों में भी चिंता जताई थी।

गुडाचारी 2 एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है। गुडाचारी 2 में अदिवि शेष और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अगस्त में अदिवी सेश ने इमरान हाशमी के गुडाचारी 2 में शामिल होने की घोषणा की थी। यह फिल्म अदिवि सेश के साथ इमरान हाशमी की दूसरी तेलुगु फिल्म है। गुडाचारी 2 इमरान हाशमी की तेलुगु सिनेमा में आने वाली एकमात्र फिल्म नहीं है। वह पावर स्टार पवन कल्याण की आगामी फिल्म हृत्र में भी नजर आने वाले हैं।

27 साल से इंडस्ट्री में एक्टिव, कभी नहीं मिला लीड रोल; फिर भी दर्शकों के दिलों पर करते हैं राज

आपको 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' के मशहूर गुलाटी और रिंकू देवी और 'द कपिल शर्मा शो' के इंजीनियर साहब तो याद ही होंगे। इन सभी किरदारों को मशहूर बनाने वाले हैं कॉमेडियन और एक्टर सुनील ग्रोवर। सुनील ग्रोवर को इंडस्ट्री में लगभग 27 साल हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने टेलीविजन से लेकर फिल्मों तक में अलग-अलग तरह के कई किरदार निभाए हैं। इन सभी किरदारों को सुनील ग्रोवर ने अपने अभिनय से यादगार बनाया है। हालांकि, ये सुनील ग्रोवर की बदकिस्मती ही रही कि साल 1998 से फिल्मों में नजर आने के बावजूद सुनील ग्रोवर को बॉलीवुड में वो पहचान नहीं मिली जिसके वो हकदार थे।

इंडस्ट्री के तीनों खानों- शाहरुख, आमिर और सलमान के साथ फिल्में करने के बावजूद सुनील ग्रोवर को पहचान कपिल शर्मा के कॉमेडी शो से ही मिली। आज सुनील ग्रोवर अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर जानते हैं सुनील ग्रोवर की फिल्मोग्राफी के बारे में और किन-किन बड़ी फिल्मों में सुनील ग्रोवर ने निभाए अहम किरदार।

1998 से फिल्मों में नजर आ रहे सुनील ग्रोवर

3 अगस्त 1977 को हरियाणा के सिरसा में जन्में सुनील ग्रोवर एक्टिंग की दुनिया में साल 1995 से एक्टिव हैं और फिल्मों में वो 1998 से नजर आ रहे हैं। इस दौरान वो कई बड़ी फिल्मों में भी नजर आए हैं। जिनमें 'प्यार तो होना ही था', 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह', 'मैं हूं ना', 'गजनी', 'भारत' और 'जवान' जैसी फिल्में शामिल हैं। सुनील ग्रोवर को दिवंगत एक्टर-कॉमेडियन जसपाल भट्टी की खोज बताया जाता है।

तीनों खानों की फिल्मों में निभाए किरदार

सुनील ग्रोवर के फिल्मों में प्रमुख किरदारों की बात करें तो इनमें साल 2002 में अजय देवगन की 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' का जयदेव कपूर से लेकर 2008 में आई आमिर खान की 'गजनी' का संपत, 'जिला गाजियाबाद' का फकीरा, अक्षय कुमार की 'गब्बर इज बैक' का हवलदार साधुराम, टाइगर श्रॉफ की 'बागी' का पीपी खुर्राना, विशाल भारद्वाज की 'पटाखा' का डिपर, सलमान खान की 'भारत' का विलायती खान, अमिताभ बच्चन की 'गुडबाय' के पंडित जी और शाहरुख खान की नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म 'जवान' का ईरानी जैसे यादगार किरदार शामिल हैं।

ओटीटी पर मिलीं दमदार भूमिकाएं

हालांकि, लंबे संघर्ष के बाद सुनील ग्रोवर को ओटीटी में जरूर लीड रोल भी मिले और ऐसे किरदार भी मिले, जो कहानी में अहम भूमिका निभाते हैं। फिर वो चाहें जी5 की उनकी सीरीज 'सनफ्लावर' हो या फिर प्राइम वीडियो पर आई सैफ अली खान, जीशान अय्यूब, तिग्मांशु धूलिया और डिंपल कपाड़िया की वेब सीरीज 'तांडव'। इनमें सुनील ग्रोवर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए।

निभाए यादगार किरदार, लेकिन....

इतनी बड़ी फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद सुनील ग्रोवर को बॉलीवुड में कभी वो पहचान नहीं मिली जिसके वो हकदार थे। यही कारण है कि इंडस्ट्री में 27 साल से संघर्ष करने के बावजूद सुनील ग्रोवर आजतक किसी फिल्म में लीड रोल में नजर नहीं आए हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सुनील ग्रोवर के किरदारों में गंभीरता जरूर देखने को मिली है और उनके अभिनय के दम पर उनके उन किरदारों को नोटिस भी किया गया है। फिर वो चाहें 'गब्बर इज बैक' का कांस्टेबल साधुराम का किरदार हो या फिर 'गुडबाय' के पंडित जी का किरदार या 'जवान' फिल्म में उनके द्वारा निभाया गया ईरानी का किरदार। सुनील ग्रोवर के इन किरदारों को काफी पसंद किया गया।

कपिल शर्मा के शो से मिली पहचान

हालांकि, सुनील ग्रोवर को पहचान टीवी की दुनिया से ही मिली। उनमें भी खासकर कपिल शर्मा के साथ उनके शो 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल', 'द कपिल शर्मा शो' और अब 'ग्रेट इंडियन कपिल शो'। कपिल शो में पहले गुत्थी के किरदार से फेमस हुए सुनील ग्रोवर ने बाद में इन्हीं शोज में कभी रिंकू देवी, मशहूर गुलाटी, इंजीनियर साहब जैसे कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए, जिन्हें सुनील ग्रोवर की जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और एक्टिंग की वजह से काफी पसंद किया गया।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009